मूल्य-20

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा का मासिक पत्र

जांगिड ब्राह्मण

JANGID BRAHMIN

अंगिराऽसि जंगिडः

वर्षः 118, अंकः 10, अक्टूबर-2025 ई., तारीख 22-27 प्रति माह

श्री विश्वकर्मणे नमः

POSTED UNDER LICENCE NO. U(DN) 39/2024-26 OF POST WITHOUT PREPAYMENT OF POSTAGE

मैं, दीपोत्सव का पावन उत्सव, दीपावली, महालक्ष्मी-गणेश पूजन, अहोई अष्टमी, हनुमान जयंती, धन्वंतरि जयंती, गोवर्धन पूजा, भैया दूज और भगवान विश्वकर्मा पूजन दिवस की महासभा परिवार को हार्दिक बधाई देता हूँ।

इसके साथ ही महासभा ने समाज के सभी सम्मानित महानुभावों के अनन्य सहयोग से विद्या दान और आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के उत्थान के लिए एक महायज्ञ की शुरुआत की है। इस महायज्ञ में, पत्रिका में मुख पृष्ठ पर छपे हुए क्यू आर कोड के माध्यम से आप संकल्प के साथ 10 रुपए से लेकर श्रद्धानुसार कितनी भी राशि भेज सकते हैं। आपका यह योगदान भविष्य में एक समाज के लिए एक अमूल्य धरोहर साबित होगा।

रामपाल शर्मा

प्रधान- श्री रामपाल शर्मा

सम्पादक- रामभगत शर्मा

रायपुर,में 28 सितम्बर को महासभा की त्रैमासिक और छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह, कैमरे की पारदर्शी नजर में

रायपुर,में आयोजित महासभा की त्रैमासिक बैठक,छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह, कैमरे की एक विहंगम दृष्टि में

गुरुग्राम, में आयोजित जांगिड ब्राह्मण सामुदायिक जन सेवा ट्रस्ट के समारोह, का विहंगम दृश्य

''जांगिड ब्राह्मण महासभा पत्रिका'' के नियम एवं उद्देश्य

1. समाज के सभी वर्ग के व्यक्तियों के सर्वागीण विकास के लिए नवाचार करना।
2. साहित्य सृजन, आध्यत्मिक चेतना एवं आत्मविश्वास को प्रोत्साहन देना।
3. सामाजिक गतिविधियों के अन्तर्गत केन्द्रीय, प्रादेशिक, क्षेत्रीय एवं स्थानीय समाचारों को प्रकाशित करना।
4. सामाजिक शिक्षा, वैज्ञानिक तकनीकी एवं शिल्पोन्नति संबंधी निबंध तथा लेखों आदि को प्रकाशित करना।
5. समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करना तथा उन्मूलन के लिए विकास की ओर उन्मुख होने का संचरण करना।
6. पत्रिका प्रत्येक अंग्रेजी माह की 22-27 तारीख को प्रकाशित होती है।
7. लेखों व अन्य प्रकाशनार्थ भेजी गयी सामग्री को छापने, न छापने तथा घटाने-बढ़ाने का पूर्ण अधिकार सम्पादक के पास सुरक्षित है।
8. व्यक्तिगत तथा विवादास्पद लेख पत्रिका में प्रकाशित नहीं किए जाएंगे।
9. लेखन सामग्री भेजने वाले स्वयं उसके लिए उत्तरदायी होंगे।
10. नमूने का अंक उपलब्ध होने पर ही भेजा जा सकता है।

स्वामित्व एवं सर्वाधिकार सुरक्षित

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रधान कार्यालय

440, हवेली हैदरकुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006

दूरभाषः- 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com

E-mail: jangid.mahasabha@gmail.com

सम्पर्क सूत्र

प्रधान-पं.रामपाल शर्मा ''जांगिड'' - 09844026161

महामंत्री-पं.सांवरमल ''जांगिड'' - 09414003411

सम्पादक-प.रामभगत शर्मा ''जांगिड'' - 09814681741

'जांगिड ब्राह्मण' महासभा की सदस्यता दर

(01-10-2018 से)

सदस्यता		रुपये
प्लैटिनम सदस्य	-	1,00,000/-
स्वर्ण सदस्य	-	51,000/-
रजत सदस्य	-	25,000/-
विशेष सम्पोषक	-	21,000/-
सम्पोषक सदस्य	-	11,000/-
संरक्षक (पत्रिका सहित)	-	2,100/-
संरक्षक (पत्रिका रहित)	-	500/-
वार्षिक पत्रिका शुल्क	-	240/-
मासिक पत्रिका शुल्क	-	20/-

विज्ञापन शुल्क की दरें

टाईटल का अंतिम पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 10000/-,वार्षिक 100000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 6000/-,वार्षिक 61000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (रंगीन)
मासिक 4000/-, वार्षिक 41000/-

अन्दर का पूरा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 3000/-, वार्षिक 31000/-

अन्दर का आधा पृष्ठ (साधारण)
मासिक 1500/-, वार्षिक 17000/-

अन्दर का चौथाई पृष्ठ (साधारण)
मासिक 750/-,वार्षिक 8500/-

वैवाहिक विज्ञापन
मासिक 201/-

महासभा बैंक खाता

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया खाता नं. **61012926182 (IFSC Code: SBIN0006814)** में किसी भी स्थान से बैंक (शाखा-एसबीआई, मुण्डका, नई दिल्ली-41) में 25000/- रू. प्रतिदिन नकद जमा करवाए जा सकते हैं। जमाकर्त्ता से अनुरोध है कि जमापर्ची की काउण्टर फाईल मय सम्पूर्ण विवरण (पाने वाले का नाम ''अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा'' अवश्य लिखें) सहित महासभा को आवश्यक रूप से प्रेषित करें तथा प्रत्येक लेन-देन पर 60/- रूपये बैंक चार्जेज के रूप में अतिरिक्त जमा करायें, अन्यथा महासभा उस कार्य को करने में असमर्थ रहेगी। क्योंकि बैंक चार्जेज का आर्थिक बोझ महासभा पर पड़ता है।महासभा को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80-G के तहत छूट के लिए मान्य है।दानदाता अपनी आयकर विवरणी में दान पर आयकर छूट के लिए दावा कर सकते है।

अरूण कुमार (अनिल जांगिड)

कोषाध्यक्ष महासभा, मो. 9810988553

।। ओ३म् भूर्भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धीमहि। धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

अनुक्रमणिका

02. रायपुर में 28 सितम्बर को महासभा.चित्रावली
04. जांगिड ब्राह्मण जन सामुदायिक..गुरूग्राम..विहंगम
07. सम्पादकीय...
09. प्रधान की कलम से...
11. विजयदशमी और दीपावली महोत्सव की....
12. समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए....
17. युवक-युवतियों के वैवाहिक जीवन में आने...
18. प्रदेश सभाओं को, महासभा के प्लेटिनम....
19. डॉ. समित शर्मा, जीवन में सफलता का मूल.
27. जोधपुर में आयोजित शिल्पी फांउडेशन संस्थान.
2. वैवाहिक विज्ञापन..
31. मातृशक्ति के सशक्तिकरण और बढ़ते हुए...
34. गुजरात प्रदेश से महासभा सर्वाधिक प्लेटिनम..
36. भोलाराम शर्मा, छ0गढ.के निर्विरोध अध्यक्ष.....
37. बाबूलाल शर्मा, कर्नाटक के..निर्विरोध अध्यक्ष..
39. राजेन्द्र कुमार शर्मा, गुजरात के....अध्यक्ष बने..
40. नरेन्द्र कुमार शर्मा, उत्तराखंड के..अध्यक्ष बने...
41. अहमदाबाद में 5 अक्टूबर को सम्मान समा0.
44. अध्यक्ष मनोनीत-शिक्षा कल्याण प्रकोष्ठ.....
45. अध्यक्ष मनोनीत-युवा प्रकोष्ठ महासभा.....
46. जां0ब्राह्मण सामुदायिक जनसेवा ट्रस्ट,गुडगांव.....
49. रायपुर प्रदेशायक्षों की त्रैमासिक मीटिंग का..
55. हवन यज्ञ करने से वातावरण शुद्ध होने से....
56. राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह,राजस्थान..
57. सावरमल लदोया, जांगिड ब्राह्मण संस्थान....
58. उद्योगपति बनवारी लाल खंडेलसर सीकर जि0
59. राजस्थान फाउंडेशन और बीपीबीजी ग्रुप के..
60. शोक संदेश..
61. ब्यावर में 7 अक्टूबर को महिला प्रकोष्ठ की.. चित्रावली..

प्रचार सामग्री (विज्ञापन)

भारत व्हील

शर्मा एण्ड कम्पनी

भागीरथ मोटर्स

न्यायिक क्षेत्र

सभी न्यायिक मामलों में महासभा के किसी भी पदाधिकारी के विरूद्ध महासभा सम्बन्धी मामले में कानूनी कार्यवाही के लिये न्यायिक क्षेत्र दिल्ली ही होगा।

विनम्र निवेदन

(1) 'जांगिड ब्राह्मण' पत्रिका हर माह की 22 से 27 तिथि तक नियमित रूप से भेज दी जाती है, जो आपको 3-7 दिन में मिल जानी चाहिए।

(2) जिन आदरणीय सदस्यों को पत्रिका नहीं मिल पा रही हैं वे कृपया अपने सम्बन्धित डाक घर में लिखित शिकायत करें और इसकी एक प्रति महासभा कार्यालय में भी भेजें ताकि महासभा कार्यालय भी अपने स्तर पर मुख्य डाकपाल अधिकारी को यह शिकायत आप की फोटो प्रतियों के साथ भेज सके।

हमारे पास बहुत सारी पत्रिकाएं डाक कर्मचारी की इस टिप्पणी के साथ वापिस आ रही हैं, कि 'पते में पिता का नाम नहीं', 'इस पते पर नहीं रहता', 'पता अधूरा है', 'पिन कोड' बिना भी पत्रिका वापिस आ रही हैं। यदि आपके पते में उपरोक्त अशुद्धियाँ हैं तो लिखित रूप में महासभा कार्यालय में भेजें ताकि शुद्ध किया जा सके। हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि प्रत्येक सदस्य को कार्यालय से प्रतिमाह 22 से 27 तिथि को पत्रिकाएं भेज दी जाती हैं।

(3) समाज के प्रबुद्ध लेखकों, विद्ववानों से निवेदन है कि रचनाओं की छाया प्रति न भेजें, वास्तविक प्रति ही सुस्पष्ट, सुन्दर लेख में लिखकर या टाइप कराकर भेजें। वैवाहिक विज्ञापन एवं इसका शुल्क, अन्य लेख व प्रकाशन सम्बन्धी सभी प्रकार की सामग्री हर माह की 10 तारीख तक महासभा कार्यालय में अवश्य पहुंच जानी चाहिए।

कृपया ध्यान दें- बार बार निवेदन करने पर भी लेखक अपनी रचनाएँ अस्पष्ट हस्तलिखित तथा छोटे से कागज पर भेज रहे है। जिससे हमेंशा पढ़ने में असुविधा हो रही है। ऐसे लेख प्रकाशित नहीं हो पाएंगे।

(4) आपसे यह भी निवेदन है कि प्रत्येक रचना के अंत में यह घोषणा अवश्य करें कि यह रचना मेरी मौलिक रचना है और अभी तक कहीं प्रकाशित या प्रसारित नहीं हुई है। यदि किसी अन्य स्रोत से ली गई है तो उसका संदर्भ अवश्य दे तथा लेख के अन्त में अपना नाम, पता, फोन नम्बर हस्ताक्षर सहित अवश्य लिखें।

(5) पत्रिका के विषय में प्रबुद्ध लेखकों के सुझाव सादर आमंत्रित है।

(6)अस्वीकरण-पत्रिका में प्रकाशित लेखों में लेखकों के व्यक्तिगत विचार होते हैं। महासभा का उनसे सहमत होना आवश्यक नही है।

-सम्पादक

इस पत्रिका में अभिव्यक्त विचारों से सम्पादक अथवा महासभा का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। इसमें प्रकाशित सभी रचनाओं में अभिव्यक्त विचारों, तथ्यों आदि की शुद्धता तथा मौलिकता का पूर्ण दायित्व स्वयं लेखकों का है।

सम्पादकीय.....

जीवन में मर्यादाओं के पालन से, महान आदर्श किए जा सकते हैं

इस जीवन में, जो भी व्यक्ति अनेक कष्टों और कठिनाइयों तथा परेशानियों का सामना करने के बावजूद भी मर्यादाओं में बंधा रहकर, अपने जीवन का सत्यनिष्ठा पूर्वक पालन करता है, तो वह अन्त में, इस जीवन रुपी परीक्षा में पास होता है और उसका जीवन सार्थक हो जाता है और उसके द्वारा स्थापित उदात्त मूल्यों का हमेशा ही उल्लेख किया जाता है और उसका उदाहरण दिया जाता है। मानव जीवन के वह महान मूल्य ही, वह अनमोल धरोहर है, जिसका कोई भी सानी नहीं है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का उदाहरण आपके सामने है, उन्होंने कदम-कदम पर मानवीय मूल्यों की स्थापना करने के लिए जीवन पर्यन्त महान मर्यादाओं का पालन किया, हजारों सालों के बाद भी भगवान श्री राम द्वारा स्थापित वह आदर्श मर्यादाएं आज भी, मानवता का पथ प्रशस्त कर रही हैं।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम द्वारा स्थापित मर्यादाओं की बात करें तो, उन्होंने अपनी लीलाओं के माध्यम से कदम-कदम पर उन मर्यादाओं का पालन किया, जो मानवता का आज भी पथ आलोकित कर रही हैं। भगवान श्री राम को माता केकैयी के वचनों का पालन करने के लिए, भगवान श्री राम को 14 वर्ष का बनवास और भरत को अयोध्या का राजसिंहासन सौंपने के बारे में बताया गया तो, श्री राम बिल्कुल भी विचलित नहीं हुए और अपने माता-पिता के आदेशों और अपनी मर्यादाओं का पालन करते हुए और अपनी मां केकैयी और पिता दशरथ के आदेश को शिरोधार्य करते हुए कुल के गौरव और इसकी महान परम्पराओं और मर्यादाओं का पालन करते हुए, वह वन गमन कर गए।

आधुनिक जीवन की चकाचौंध में आत्मिक शांति प्राप्त करने के लिए हमें मर्यादाओं का पालन करना चाहिए। असफलता से ही सफलता मिलेगी, अगर आप ईश्वर पर भरोसा करेंगे और आप वास्तविक प्रबंधन और कठिनाइयों के बावजूद भी सरल बने रहेंगे और क्रोध के बावजूद भी जीवन में शांत बने रहेंगे और अहंकार आने के बावजूद भी सदैव विनम्र बने रहेंगे और यही जीवन का वास्तविक प्रबंधन है। इस जीवन में अनेक कठिनाइयां आएंगी, लेकिन कठिनाइयों का सामना करते हुए अपने व्यवहार में ईमानदार बने रहना और धन के बावजूद भी सरल बने रहना यह उसकी महानता का ही परिचायक है।

भगवान श्री राम ने कितने कष्ट सहे, लेकिन कभी भी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। आज के इस आधुनिक जीवन में मनुष्य, मर्यादाओं को ही भूलता जा रहा है और इन मान मर्यादाओं को बनाए रखने के लिए, वह कभी-कभी अपनी सीमाएं भी लांघ जाता है। आज किस प्रकार से बच्चे अपने माता-पिता का अपमान करने के लिए किस हद तक अपनी मर्यादाओं को लांघ जाते हैं। जीवन में मर्यादाओं का पालन करने में, कभी-कभी ठोकरें भी खानी पड़ती हैं, लेकिन यह ठोकरें खाना भी कभी-कभी अच्छा होता है, क्योंकि ठोकर खाने से एक व्यक्ति को यह अहसास होने के साथ ही, रास्ते की रूकावटों के साथ ही अपनी मर्यादा और सीमाओं का भी पता चलता है और इसके साथ ही इन बाधाओं पर चलते हुए ही अपनी मर्यादाओं का भी पता चलता है।

इसलिए अपने जीवन में आनी वाली इन रूकावटों से कभी भी, घबराना नहीं चाहिए। अगर भगवान श्री राम इन बाधाओं के बारे में सोचते तो वह वन गमन के बारे में इतना त्वरित निर्णय नहीं ले सकते थे, क्योंकि सर्वज्ञ और सर्वेश्वर होने के कारण उनको सब मालूम था, लेकिन वह मानवता के लिए कदम-कदम पर उच्च आदर्श और मर्यादाओं का पालन करने की प्रेरणा देने का प्रयास करते हैं। भगवान श्री राम के जीवन में भी रुकावटे और बाधाएं आईं और उनका हल भी, निकाला गया। जिस समय

आपके सामने मुसीबत आएंगी तो, आपका मन भी भ्रांति का शिकार हो सकता है, लेकिन जो व्यक्ति मर्यादाओं से बंधा हुआ है, उसे अपना दायित्व निर्वहन करने के लिए यदि अपने प्राणों की बाजी भी लगानी पड़े तो भी स्वीकार है। जटायु को मालूम था कि वह रावण का मुकाबला नहीं कर सकता है, लेकिन उसने आखरी सांस तक मर्यादा को बनाए रखने के लिए ही उसका मुकाबला किया और वह कितना भाग्यशाली था कि उसने भगवान श्री राम की गोद में अपने प्राणों का त्याग किया और उसका नाम इतिहास में दर्ज हो गया। जटायु ने भगवान श्री राम की सहायता करके समाज के सामने मर्यादा का एक अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

इसलिए कहा गया है कि **अगर भरोसा ईश्वर पर है, तो जो लिखा है तकदीर में वही पाओगे, मगर भरोसा अगर खुद पर है, तो ईश्वर वही लिखेगा जो आप चाहोगे।** इसलिए **भगवान पर विश्वास रखते हुए परिश्रम और अथक साधना करो, जो जीवन में आपको सफलता के आयाम तक पहुंचाएगी।** विघ्नहर्ता गणेश का ही उदाहरण लें तो, उन्होंने मर्यादा में बंधे होने के कारण ही, भगवान शंकर अपने पिता के क्रोध के कोप का भाजन बनना पड़ा था और भगवान शंकर ने उनका शीश काट दिया था और इसी प्रकार प्रथम पूज्य गणेश जी ने भगवान परशुराम को अन्दर जाने से रोका तो क्रोध में आकर विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी ने उनका एक दांत तोड़ दिया था और उस दांत की कलम बनाकर ही वेदों की रचना हुई। इस जीवन में मर्यादा के पालन में, विरोध का भी सामना करना पड़ सकता है लेकिन मर्यादाओं का पालन वही कर सकता है, जो अपनी वाणी पर नियंत्रण रखते हुए सभी के साथ एक जैसा कुशल व्यवहार करेगा।

आपको मालूम है कि आपकी जीभ का वजन बहुत ही कम होता है, लेकिन इस का महत्त्व सर्वविदित है। इसलिए जीवन में अगर मर्यादाओं का पालन करना चाहते हो तो जीवन में कितनी भी विपरीत परिस्थितियां आएं, लेकिन अपनी मर्यादा में रहते हुए, अपनी जीभ का सन्तुलन सदैव ही बना कर रखें, कई बार मनुष्य धन, बल और वैभव के वशीभूत होकर अपनी मान-मर्यादा को भूल बैठता है। लेकिन जिसने भी जीभ का संतुलन बनाना और प्रेम से बोलना सीख लिया है, तो वह सफल है। जिस व्यक्ति की वाणी में मिठास होगा वह हमेशा ही अपनी मर्यादा और सीमाओं में रहते हुए ही कार्य करेगा। इसलिए जीवन में मर्यादाओं का पालन करते हुए वाणी से किसी को भी कष्ट न पहुंचाएं ।

चिंतायाश्च चितायाश्च बिन्दुमात्रं विशिष्यते,
चिता दहति निर्जीवं चिन्ता दहति जीवनम्।।

चिंता' और 'चिता' में केवल एक छोटी सी बिन्दी का ही अंतर है, लेकिन इसके भावार्थ में जमीन-आसमान का अन्तर है और जो व्यक्ति इन दोनों का अन्तर भलीभांति समझ लेता है, वह हमेशा ही भगवान श्री राम की तरह हमेशा ही मान मर्यादाओं का पालन करेगा। क्योंकि वह कदम-कदम पर मर्यादा से बंधे हुए थे। इसलिए वह भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम के नाम से विख्यात हुए। जिस समय जीवन को अनुशासन, संयम और मर्यादाओं की रस्सी से बांध लेंगे, तो आपका हाथ हमेशा ही गणेश जी की तरह देने की मुद्रा में होगा। भगवान आपके संस्कारों, व्यवहार और आचरण को ऐसे ही बना देंगे। परमात्मा कहते हैं -

देर लगेगी मगर सही होगा, तुम्हें जो चाहिए फिर वही होगा।
दिन बुरे हैं जिंदगी बुरी नहीं, सब्र, भरोसा रखो सब सही होगा।

परमात्मा में जो विश्वास और सब्र रखता है, उसका कभी अनर्थ नहीं हो सकता है। संबंधों का जुड़ना संयोग हो सकता है, पर संबंधों को निभाना जीवन की एक साधना है और इनको निभाने में मर्यादाओं का ध्यान रखा जाना चाहिए ताकि आपका जीवन सफल हो सके। इसलिए इस जीवन को परमात्मा को सौंप दो, फिर आपकी चिंता, आप नहीं वह अपने आप करेगा।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

☆☆☆

प्रधान की कलम से ---

महासभा द्वारा आर्थिक रुप से कमजोर लोगों की आशाओं को पूरा करने और शिक्षा की अलख जगाने के लिए प्रकोष्ठों की स्थापना।

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा

सबसे पहले मैं, महासभा रुपी परिवार को अक्टूबर 2025 में आने वाले त्योहार रामनवमी, दशहरा-विजय दशमी, शरद पूर्णिमा, महर्षि वाल्मीकि जयंती, भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त मीरा बाई जयंती, करवा चौथ, अहोई अष्टमी व्रत, धन त्रयोदशी, हनुमान जयंती, नरक चतुर्दशी रुप चौदश छोटी दीपावली, भगवान श्रीराम के रावण पर विजय के बाद अयोध्या लौटने पर मनाई गई, दीपावली और महालक्ष्मी पूजन, धन्वंतरि जयंती, गौवर्धन पूजा, भैया दूज, भगवान विश्वकर्मा पूजा दिवस और छठ पूजा की बधाई और शुभकामनाएं देता हूँ।

आज जैसे-जैसे विश्व में, टैक्नोलॉजी का विस्तार हो रहा है और देश में डिजिटल क्रांति के साथ ही, कृत्रिम इंटेलीजैंस (बुद्धिमता) का भी तेजी से प्रचार और प्रसार बढ़ रहा है तो आने वाले समय में, निसंदेह रुप से विद्यार्थियों के सामने आने वाली चुनौतियां भी, बढ़ने वाली हैं और इन सभी चुनौतियों का मुकाबला केवल मात्र बेहतर शिक्षा, बुद्धिमत्ता तथा गुणवत्ता के आधार पर ही किया जा सकता है, **क्योंकि शिक्षा जीवन का वह प्रकाश स्तंभ है, जिसको आत्मसात करने से अज्ञान रूपी अन्धकार के विलुप्त होने के साथ ही, मनुष्य के विवेक, बुद्धि, ज्ञान और कौशल को आलोकित करती है। शिक्षा केवल कोरा मात्र, एक किताबी ज्ञान नहीं है, बल्कि शिक्षा मानव जीवन की वह आधारशिला है, एक जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर, सशक्त बनाने के साथ ही देश का एक जिम्मेदार नागरिक भी बनाती है।**

रामपाल शर्मा ने, शिक्षा के इस अनमोल महत्त्व को समझते हुए ही, सकारात्मक सोच के साथ ही समाज के लब्धप्रतिष्ठ लोगों, उच्च स्तरीय समिति और कोर कमेटी के सदस्यों तथा समाज के भामाशाहों और दानदाताओं से उदारता पूर्वक सहयोग की अपील भी की है। समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगों और प्रतिभावान बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने, समाज उत्थान के लिए महासभा द्वारा **शिक्षा प्रकोष्ठ तथा आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ बनाने का निर्णय लिया गया है।**

मैंने, 28 सितम्बर को रायपुर, छत्तीसगढ़ में भी प्रदेश सभा छत्तीसगढ़ का शपथ ग्रहण समारोह और महासभा की त्रैमासिक बैठक को संबोधित करते हुए भी, समाज के दान दाताओं और भामाशाहों से ही नहीं अपितु, महासभा रुपी परिवार के एक साधारण सदस्य से भी एक भावुक अपील करते हुए कहा था **कि आप 11 हजार, 21 हजार और 51 हजार नहीं अपितु एक रुपया या 10 रुपए भी हर रोज दान करेंगे तो महासभा के पास पैसे की कोई कमी नहीं रहेगी।** अगर क्यूआर कोड के माध्यम से **शिक्षा प्रकोष्ठ तथा आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ** में, यदि महासभा परिवार का एक सदस्य, हर रोज एक रुपया भी दान करेगा तो, महासभा के पास, एक दिन में लगभग सवा लाख रुपया जमा हो सकता है। यह मिशन रुपी महायज्ञ तभी सफल होगा, **जिस समय इस मुहिम को एक जन आन्दोलन बनाकर इसमें सभी के द्वारा यथा संभव सहयोग रुपी आहूति डाली जाएगी।**

वैसे भी दान देने से धन घटता नहीं है, मैं आपको कर्ण जैसा दानी बनने के लिए नहीं कह रहा हूँ, बल्कि समाज का मुख्य सेवक होने के नाते और समाज के प्रतिभावान गरीब बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने और जरुरतमंद, असहाय और गरीब लोगों की मदद के लिए आगे आने की हृदय के अन्त:करण से अपील तो कर सकता हूँ। **महासभा ने आप सभी के भरोसे एक यज्ञ शुरू करने का फैसला किया है और इस यज्ञ की सफलता तभी सुनिश्चित हो सकती है, अगर आप सभी मिलकर इसमें अपनी यथा सम्भव**

आहूति डालने का दायित्व वहन करेंगे। जैसा कि सन्त कबीर दास ने कहा कि दान देने से धन घटता नहीं है अपितु बढ़ता है-- **चिड़ी चोंच भर ले गई नदी घट्यो ना नीर, दान दिए धन ना घटे कह गए सन्त कबीर।** वैसे भी शास्त्रों में शिक्षा के लिए दिया गया दान सर्वश्रेष्ठ दान माना गया है। भगवान शिव ने भी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए स्वयं ही एक शिक्षक बनकर गुरुकुल में शिक्षा प्रदान करने का कार्य किया था। गुरु वशिष्ठ ने भगवान श्री राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न को विद्या का दान दिया था और इसी प्रकार सांदीपनि ऋषि ने भी भगवान श्री कृष्ण और बलराम को अपने गुरु कुल में शिक्षा का दान दिया था और भगवान श्री कृष्ण ने, गीता के 17 अध्याय के 20वें श्लोक में दान की महिमा का व्याखान करते हुए, तीन प्रकार का दान बताया गया है, सात्विक, राजसी और तामसी। लेकिन इनमें सर्वश्रेष्ठ दान सात्विक दान माना गया है, जो निष्काम भावना से देश, काल और परिस्थितियों के अनुसार नि:स्वार्थ भाव से दिया जाता है। **वह सात्विक दान वह है, दान देने के पीछे एक नि:स्वार्थ भावना होनी चाहिए और अगर आपके द्वारा दिए गए, एक रुपए से किसी बच्चे का जीवन सुधर जाए या किसी जरूरतमंद की जान बच जाए तो, समझों, आपका वह दान देना सफल हो गया।**

इसके साथ ही मैं, **महासभा की कार्यकारिणी के सदस्यों सभी सदस्यों से भी विनम्र अपील करता हूँ कि आपको महासभा ने पद दिया है और आपने शपथ भी ग्रहण की है समाज सेवा करने की और इस मिशन के तहत महासभा रुपी परिवार को बढ़ाने में अपना अमूल्य योगदान देकर, इस महायज्ञ को सफल बनाने का प्रयास करें।** मैं आपको याद दिलाना चाहता हूं कि पहले कार्यकाल के दौरान, **मैंने मिशन 1.50 लाख सदस्य बनाने की शुरुआत की थी।** इससे पहले **महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने महासभा के एक लाख सदस्य बनाने की शुरुआत की थी और उन्होंने ही, इस अभियान में तेजी लाने के लिए प्लेटिनम, स्वर्ण और रजत सदस्य बनाने की शुरुआत की थी और उनके कार्यकाल में महासभा रुपी परिवार में लगभग 33 हजार सदस्य शामिल किए थे** और अब **इसको डेढ़ लाख के अंजाम तक पहुंचाने के लिए आप सभी के सतत् सहयोग की नितांत जरूरत है।** महासभा के उप प्रधान जींद के सुल्तान सिंह जांगिड अब तक लगभग 500–600 सदस्य महासभा में जोड़ चुके हैं और उनका सदस्यता अभियान का मिशन अभी भी अनवरत रूप से जारी है।

इसलिए आप सभी ईमानदारी से जीवन में समाज सेवा का संकल्प लें, कि हमनें किसी बच्चे की या समाज के बीमार व्यक्ति की सहायता करनी है और अगर आपने, अपने–अपने मन में विचार कर लिया तो मन में इच्छा शक्ति जागृत होगी और आप निश्चित रूप से सफल होगें। आप गरीबों और अभावग्रस्त बच्चों के प्रति अपनी सोच और विचारों को बदले, आपकी दुनिया अपने आप ही बदल जाएगी। हमारी सबसे बड़ी परेशानी यही है कि हम एक दूसरे की आलोचना तो कर सकते हैं, लेकिन उन गलतियों को सुधारने का प्रयास नहीं करते हैं। लेकिन इसके लिए आत्ममंथन और दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प और प्रतिज्ञा होनी चाहिए तभी हम अपने लक्ष्य में सफल हो सकते हैं।

इसलिए मेरा महासभा रुपी परिवार के सदस्यों से एक सुझाव है कि वह हमेशा ही अपने मन में, दूसरों की **सहायता करने का एक संकल्प रखें** माना कि आपके पास अकूत धन है, लेकिन उसकी इतनी खुशी नही मिलेगी, जो संकल्प के साथ नि:स्वार्थ भाव से एक जरुरतमंद की सहायता करने से मिलती है। उस व्यक्ति द्वारा दिल से निकली हुई दुआएं उस धन का मुकाबला कभी भी नहीं कर सकती हैं, धन की खुशी हमेशा अहंकार पैदा करती है और मन की खुशी हमेशा संस्कार पैदा करती है। जहां तक संभव हो, बच्चों को उच्च संस्कार दें और उनमें उदात्त विचार पोषित करें ताकि उनका जीवन सार्थक हो सके।

मैं एक बात और कहना चाहता हूँ कि जिस व्यक्ति को अपने पास होने वाली चीज से संतुष्टि और संतोष नहीं है, तो वह भविष्य में मिलने वाली चीजों से भी संतुष्ट नहीं होगा और यह जीवन की वास्तविक सच्चाई है इसलिए जो कुछ भी भगवान ने दिया है उसको भगवान का प्रसाद समझकर ग्रहण करो और जो कुछ आपके पास है उससे संतुष्ट रहो। इसलिए विश्वास रखो कि जो कुछ भी होगा वह सब भले के लिए होगा तभी जीवन में सुख और आनंद प्राप्त होगा। इसीलिए जीवन का एक छोटा सा लक्ष्य निर्धारित करें और समाज के लोगों की सहायता करने के लिए आगे आए, तभी आपको जीवन में आत्मसंतोष, सुख शांति और संतुष्टि प्राप्त होगी और मानव जीवन का यही वास्तविक उद्देश्य है।

☆☆☆

विजयदशमी और दीपावली महोत्सव की कोटि-कोटि बधाई और शुभकामनाएं

महासभा प्रधान, रामपाल शर्मा

दीपों का यह पावन **दीपावली** का पुनीत त्योहार, भगवान श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात करने के साथ ही, महालक्ष्मी और प्रथम पूज्य श्री गणेश की पूजा करने का द्योतक भी है। भारतीय सभ्यता और संस्कृति में आध्यात्मिक विरासत एक अमूल्य धरोहर है और इसके माध्यम से ही, हमें ऋषि मुनियों के अमृत वचनों के जानने के साथ ही हमारे तीज-त्योहारों के बारे में भी जानने का अवसर मिलता है जो हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर का द्योतक है।

भगवान श्रीराम के रावण पर विजय हासिल करने के पश्चात्, अयोध्या वापिस लौटने के उपरांत मनाए जाने वाले इस दीपोत्सव ने, अपनी एक विशेष पहचान बनाई है। आज के इस आधुनिक समय में भगवान श्रीराम के आदर्शो और सिद्धान्तों को आत्मसात करते हुए, अज्ञानता के अंधेरे को तिरोहित करते हुए आध्यात्मिक ज्ञान का प्रकाश आलोकित करने से ही, मानव जीवन का कल्याण सुनिश्चित हो सकता है। भगवान राम ने भक्त और भक्ति का एक अनूठा उपहार इस संसार के सामने प्रस्तुत किया है। भगवान श्रीराम, सत्य और सदाचार की प्रतिमूर्ति है।

इसके साथ ही अधर्म पर धर्म की विजय, असत्य पर सत्य की विजय, बुराई पर अच्छाई की विजय, अत्याचार पर सदाचार की विजय, अज्ञान पर ज्ञान की विजय, रावण पर भगवान श्रीराम की विजय के प्रतीक के रूप में मनाए गए, **दशहरा और विजय दशमी** की भी बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। आइए, हम सभी मिलकर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम जोकि उच्च आदर्शो एवं चरित्र से परिपूर्ण थे, के आदर्शो और मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करते हुए, उनके उच्च आदर्शो में, आदर्श पुत्र, आदर्श भाई, आदर्श पति, आदर्श राजा, आदर्श शत्रु, आदर्श मित्र, जो ईश्वर एवं देव ऋषि परंपराओं को समर्पित दर्शन के प्रतीक हैं, का पालन करते हुए विजय दशमी एवं दीपावली का पावन त्योहार मनाएं और इसी में, हमारे जीवन की सार्थकता है।

इस विजय दशमी और दीपोत्सव के अवसर पर, आप और आपके परिवार पर भगवान श्रीराम, मां सीता, भगवान विष्णु, मां लक्ष्मी, गौरी पुत्र गणेश तथा धन के देवता कुबेर की विशेष अनुकम्पा सदैव ही बनी रहे तथा आपके जीवन में सुख समृद्धि का सदैव ही वास रहे, ऐसी मेरी मनस्कामना है।

☆☆☆

समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए महासभा में, शिक्षा प्रकोष्ठ तथा आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ स्थापित किया जाएगा

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, कहा कि महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला के समय में महासभा में शिक्षा कोष पहले से ही था और अब हम इस पर कार्य करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अक्टूबर की महासभा की जांगिड ब्राह्मण पत्रिका के, प्रथम पृष्ठ पर एक क्यू आर कोड जारी किया जाएगा, जिसको स्कैन करके आप यह दान राशि महासभा के शिक्षा प्रकोष्ठ तथा आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ कोष में भेज सकते हैं। उन्होंने समाज के भामाशाहों और दानदाताओं से अपील की है कि वह इस क्यूआर कोड के माध्यम से 11 हजार, 21 हजार और 51 हजार नहीं, अपितु 10 रुपए भी हर रोज दान करेंगे, तो आप समाज के गरीब परिवारों और गरीब होनहार बच्चों के भविष्य के निर्माण में भागीदार बनेंगे । उन्होंने भावुक होकर कहा कि अगर महासभा के परिवार का प्रत्येक सदस्य, हर रोज एक रुपया भी क्यूआर कोड के माध्यम से दान करेगा, तो एक दिन में महासभा में लगभग सवा लाख रुपए जमा हो सकतें है और यह समस्या खत्म हो जाएगी। रायपुर के लाल चंद शर्मा ने इस कोष में 1100 रुपए देने की घोषणा की।

प्रधान रामपाल शर्मा ने, 28 सितंबर को रायपुर के सालासर बालाजी धाम में छत्तीसगढ़ प्रदेशसभा के सौजन्य से आयोजित, महासभा की तीसरी त्रैमासिक बैठक और प्रदेशसभा के शपथ ग्रहण समारोह के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह उद्गार व्यक्त किए। इस समारोह के शुरू होने से पहले एक रंग की साड़ी पहने हुए महिलाओं द्वारा एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई जो बड़े ही मनोहारी दृश्य प्रस्तुत कर रही थी। इसके साथ ही महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ द्वारा हवन यज्ञ का आयोजन किया गया।

समारोह का श्री गणेश भगवान श्री विश्वकर्मा और महर्षि अंगिरा की आरती और पूजन के साथ किया गया और सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत गणेश वंदना और महिलाओं द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। सभी मेहमानों को मोतियों की माला, दुपट्टा और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया और इससे पहले प्रधान रामपाल शर्मा ने, समाज के गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में झंडारोहण किया तथा प्रधान ने, महासभा रुपी परिवार को दशहरा और दीपावली की भी अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए इन त्योहारों को आपसी प्रेम और सौहार्दपूर्वक मनाए जाने की अपील भी की है।

रामपाल शर्मा ने छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक और उत्तराखंड प्रदेशों के सर्वसम्मति से निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए कहा कि यह एक सकारात्मक संदेश है। हमारा पहला एजेंडा महासभा भवन था जो बनकर तैयार हो गया है और दूसरा प्रोजेक्ट दिल्ली में, अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल बांकनेर है और इस स्कूल की नई बिल्डिंग बनाने का काम अगले एक महीने में शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही मैं, निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, गुजरात और कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्षों को हार्दिक मुबारक और शुभकामनाएं देता हूँ। उन्होंने हरियाणा प्रदेश से आए लोगों से भी अपील की है कि वह भी आगामी प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध रूप से करवाएं ताकि समाज में एक अच्छा संदेश जाए। समाज के लोगों के लिए छोटी मोटी समस्याओं के निराकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि, मेरे पास फोन आते रहते हैं और उस समस्या के निराकरण के लिए मैं समाज का एक जिम्मेदार व्यक्ति ढूंढता हूँ। दिल्ली के श्री विश्वकर्मा प्राचीन मंदिर पहाड़गंज के प्रधान गंगादीन जांगिड को, उदार स्वभाव और और विनम्रता की प्रतिमूर्ति बताते हुए उन्होंने कहा कि वह पिछले 30 सालों से समाज सेवा के कार्य में संलग्न है और इसीलिए उनको लगातार तीसरी बार निर्विरोध रूप से विश्वकर्मा मंदिर का प्रधान बनाया गया है। उन्होंने अपनी जिंदगी के 30 अमूल्य साल समाज सेवा में लगा दिए और बहुत बड़ा उपकार किया है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के पास इस पहाड़गंज विश्वकर्मा मंदिर में समाज बंधुओं के ठहरने की बेहतर व्यवस्था की गई है। मैं गंगादीन जांगिड के बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना करता हूं ।

रामपाल शर्मा ने कहा कि, देश में जाति जनगणना करवाई जा रही है और मेरा, आपसे यह हाथ जोड़कर विनम्र अनुरोध है कि कई लोग अपने सरनेम में जांगिड, जांगड़ा, रामगढ़िया, खाती और शर्मा इत्यादि लिखते हैं और हम आपस में बटे हुए हैं। इस बारे में, महासभा की तरफ से भी एक गाइडलाइंस जारी की जाएगी और सभी प्रदेश अध्यक्ष भी अपने–अपने विचार लिख कर भेजें। आपने जाति जनगणना के मुख्य कालम में अपनी जाति के नाम के आगे पहले कॉलम में जांगिड शब्द लिखना है ताकि आपकी एकता और संगठन का पता चल सके, बाद में आप चाहे जो भी सरनेम लगा सकते हैं, बाकी सभी प्रदेश अध्यक्ष, जो भी सलाह देंगे उसे पर भी महासभा द्वारा विचार करके अंतिम निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने महासभा की कार्यकारिणी के सदस्यों से विनम्र अनुरोध किया कि कार्यकारिणी में लगभग 800 सदस्य हैं और अगर एक सदस्य पांच मेंबर भी बनाए तो कम से कम 4000 मेंबर बना सकते हैं। आपको पद इसलिए दिया गया है और इस पद की आप शपथ लेते हैं ताकि पद के अनुरूप कार्य कर सके, इसीलिए मैं आपसे विनम्र अनुरोध करता हूँ कि महासभा परिवार को बढ़ाने के लिए आप सभी आगे आए। जिस प्रकार से जींद के सुल्तान सिंह आर्य जांगिड अब तक अकेले ही, महासभा के लगभग 500–600 सदस्य बना चुके हैं।

मध्यप्रदेश में जिला अध्यक्षों के चुनाव निर्विरोध करवाने के लिए, उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्होंने पिछली बार भी शत–प्रतिशत जिला अध्यक्ष निर्विरोध रूप से बनाए थे और उनको महासभा द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदेश अध्यक्ष का पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया था। अब भी मध्य प्रदेश में 22 जिला अध्यक्षों के चुनाव होंगे और मुझे उम्मीद है कि वह सभी जिला अध्यक्ष भी निर्विरोध रूप से बनाए जाएंगे। उन्होंने सभी प्रदेश अध्यक्षों से भी अपील कि है कि वह अधिकतर चुनाव निर्विरोध संपन्न करवाने के प्रयास करें ताकि समाज में एकता का सकारात्मक संदेश जाए और सद्‌भाव का वातावरण बनाए रखा जा सके। उन्होंने कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष के लिए 6 सितंबर को हुए, चुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि बैंगलुरू में, प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव हुआ और उसमें सभी ने मिलकर, सर्वसम्मति से बाबूलाल शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष बनाया और इससे समाज में आपसी मनमुटाव समाप्त हो गया और रमेश शर्मा और संतलाल शर्मा, जो उम्मीदवार थे, वह आज यहां है, उन्होंने बड़ा दिल दिखाते हुए अपने नाम वापस लिए और निर्विरोध निर्वाचन होने का रास्ता प्रशस्त किया। मै कर्नाटक के सभी महानुभावों का आभार व्यक्त करता हूँ।

इसके साथ ही मैं, महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी, प्रवीण कुमार शर्मा का भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिनको मेरे पहले कार्यकाल के दौरान ही मुख्य चुनाव अधिकारी बनाया गया है और मुझे खुशी है कि मेरे कार्यकाल के दौरान सभी पदों पर अब तक 90 प्रतिशत चुनाव निर्विरोध रूप से संपन्न हुए हैं।

उन्होंने महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा से भी आग्रह किया कि वह अपने कार्य में तेजी लाएं और सभी प्रदेशों में महिला प्रकोष्ठों की स्थापना के साथ ही, महिला कार्यकारिणी को विशाल रूप देने का प्रयास करें। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में प्रदेश सभा के चुनाव करवाने के लिए समाज के लोगों की एक टीम बनाने की घोषणा भी की है। पश्चिम बंगाल में चुनाव करवाने के लिए राधेश्याम मांडण और छत्तीसगढ़ से बजरंग लाल शर्मा की डियूटी लगाई गई है, जबकि उड़िसा में छत्तीसगढ़ के पूर्व अध्यक्ष सतीश जांगिड को कम से 50 सदस्य बनाकर, वहां चुनाव करवाने का दायित्व सौंपा गया है। मातृशक्ति की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि जयपुर, इन्दौर और अजमेर के बाद महिलाओं की 50 प्रतिशत भागीदारी है।

महासभा के मुख्य संरक्षक, विनम्रता और सादगी के प्रतीक, महान् समाज सेवी और भामाशाह, भंवरलाल कुलरिया, ने त्रैमासिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि, पिछले दो कार्यक्रमों में, मैं उपस्थित नहीं हो सका था, जिसके कारण प्रधान रामपाल शर्मा ने मुझे फोन किया कि आपको 28 सितम्बर को महासभा की त्रैमासिक बैठक में रायपुर आना है और मैं उनके आग्रह को टाल नहीं सकता था, क्योंकि उनका मुझसे, असीम प्रेम है। मैं सबसे पहले आप सबको और विशेषकर मातृशक्ति को मेरी तरफ से घणा–घणा राम–राम । उन्होंने स्पष्ट कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है तभी समाज आगे बढ़ेगा। आपको मुझसे, जो भी सहायता चाहिए, मैं उसके लिए हमेशा ही तत्पर रहूंगा और मेरा समर्थन जांगिड–सुथार समाज के लोगों के साथ है, आगे भी इसी तरह जारी रहेगा। इस प्रोग्राम में महिलाएं और माताएं कितनी भारी संख्या में आई हुई है, मै मातृशक्ति का वंदन अभिनन्दन करता हूँ।

मुख्य संरक्षक ने, पुनः दोहराया कि हम सभी मिलकर कार्य करेंगे ताकि समाज को आगे बढ़ाया जा सके। मैंने पहले भी सन् 2019 में महासभा के मुण्डका में भवन के निर्माण के लिए 31 लाख रुपए का सहयोग किया था

और आगे भी यह सहयोग यथासंभव जारी रहेगा। पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला का भी मेरे पास फोन आया था और उन्होंने भी मुझसे आग्रह किया था कि समाज को आपकी सहायता और समर्थन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हमारे समाज को आगे बढ़ाने में सहयोग दे रहे हैं और विश्वकर्मा समाज के लोगों के लिए प्रधान मंत्री विश्वकर्मा कल्याण योजना शुरू की गई है और इस महत्वाकांक्षी योजना का अधिकतर लोगों को लाभ उठाना चाहिए और हम सब का यह नैतिक दायित्व भी है कि हम सब मिलकर समाज को आगे बढ़ाने में भरपूर सहयोग दे ताकि समाज प्रगति की नई मिसाल कायम कर सके।

महासभा की त्रैमासिक बैठक को सम्बोधित करते हुए, महामंत्री सांवरमल जांगिड ने अपने सारगर्भित भाषण में कहा कि महासभा प्रधान रामपाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में, नए संकल्पों और नई आशाओं और आकांक्षाओं के साथ हम आगे बढ़ रहे हैं ताकि समाज को नई ऊंचाइयों पर ले जाया जा सके। उन्होंने महासभा परिवार में शामिल नए सदस्यों का लेखा जोखा, समाजहित और प्रदेश सभाओं को आवभगत (प्रोटोकॉल) से सम्बंधित और प्रदेश सभाओं द्वारा महामंत्री लिखे जाने और अन्य पदों के बारे में भी सभी की समस्यों का निराकरण करते हुए, महासभा की उपलब्धियों का उल्लेख और बड़े ही सटीक और आसान तरीके से आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया ।

महामंत्री ने कहा कि जून 2025 में महासभा के सदस्यों की संख्या एक लाख 9 हजार 713 थी और विगत तीन महीनों के दौरान 5093 नए सदस्यों को महासभा के साथ जोड़ा गया है और इनमें से 4566 सदस्य राजस्थान से, 215 सदस्य हरियाणा से और शेष 312 अन्य राज्यों से जोड़े गए हैं और अब सितंबर 2025 तक महासभा परिवार के सदस्यों की संख्या बढ़कर लगभग 1 लाख 14 हजार तक पहुंच गई है।

उन्होंने महासभा की कार्यकारिणी के पदाधिकारियों से भी विनम्र प्रार्थना करते हुए कहा कि कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को उनके पद के अनुसार ने सदस्यों को जोड़ने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है और इस दायित्व का निर्वहन करते हुए, महासभा परिवार को बढ़ाने में सहयोग दें ताकि प्रधान जी के मिशन डेढ़ लाख को पूरा किया जा सके।

उन्होंने याद दिलाया कि 17 जून 2023 को प्रधान रामपाल शर्मा द्वारा एक पत्र लिखकर महासभा के लगभग 1200 कार्यकारिणी के सदस्यों को, सदस्य बनाने का दायित्व सौपा गया था, जिसमें प्रत्येक प्रदेश अध्यक्ष को महासभा का प्लैटिनम सदस्य बनने के साथ ही एक और प्लैटिनम सदस्य बनाना है और इसी प्रकार कोर कमेटी, कोर कमेटी के सदस्यों को भी प्लैटिनम सदस्य बनना जरूरी है। अब 16 अगस्त 2025 को भी प्रधान जी द्वारा एक पत्र लिखकर कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का, सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसमें, उपप्रधान 50, संगठन मंत्री 35 और प्रचार मंत्री 25 को सदस्य बनाने होंगे। सभी से आग्रह है कि आगामी तीन महीनों में प्लैटिनम, स्वर्ण, रजत और पत्रिका सहित अधिक से अधिक सदस्यों को महासभा के परिवार में जोड़ने का प्रयास करें ताकि महासभा की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हो सके।

महासभा कोषाध्यक्ष की अनुपस्थिति में, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड द्वारा, एक अप्रैल 2025 से 30 सितंबर तक का, महासभा की आय और व्यय का पूरा विवरण समुचित तरीके से दिया गया। इसका विवरण प्रस्तुत करते हुए करते हुए उन्होंने कहा कि आज यहां, पिछले 1 अप्रैल 2025 से 30 सितंबर तक का हिसाब रखा जा रहा है, महासभा के खाते में 1 अप्रैल 2025 को 9 लाख 26 हजार 131 रुपए थे, इसमें से 4 लाख 33 हजार 293 केनरा बैंक में जमा थे और 12 हजार 125 रुपए महासभा के पास कैश था। महासभा के ऑनलाइन नए सदस्य बनने वालों से सदस्यता फीस के रूप में पिछले 9 महीने में कुल 37 लाख 79 हजार 175 रुपए प्राप्त हुए हैं और ऑफलाइन सदस्यता के लिए 4 लाख 44 हजार 180 रुपए प्राप्त किए हैं। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त इस दौरान तीन नए प्लैटिनम सदस्यों से महासभा को 3 लाख रुपए प्राप्त हुए हैं और इसके अतिरिक्त इस दौरान महासभा भवन को, डोनेशन के रूप में भी 7 लाख 86 हजार रुपए प्राप्त हुए हैं । महासभा का जो पुराना सामान बेचा गया था उसे भी 27 हजार 799 रुपए की राशि प्राप्त हुई है। इसी प्रकार से अगस्त 2025 और सितम्बर में चार प्रदेश सभाओं के, जो चुनाव हुए हैं, उनसे भी महासभा को, एक लाख 68 हजार रुपए की राशि प्राप्त हुई है। मुंडका भवन के किराए के रूप में 34 हजार रुपए प्राप्त हुए हैं और 5 लाख 77 हजार रुपए आयकर विवरणी से वापस मिलें हैं। इस प्रकार से

पिछले 9 महीनों के दौरान महासभा को विभिन्न स्रोतों से कुल 75 लाख 90 हजार 842 रुपए की राशि प्राप्त हुई है।

महासभा में हुए खर्च की विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए, महामंत्री ने बताया कि महासभा में अधूरे पड़े काम को पूरा करने और रंग रोगन, सीवेज ठीक करवाने के लिए 8 लाख लाख 2 हजार 500 रुपए खर्च हुए हैं और अंगिरस भारती पब्लिक स्कूल के जीर्णोद्धार, रंग रोगन करवाने के लिए वन टाइम डोनेशन के रूप में 5 लाख रुपए का डोनेशन दिया गया है।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष धनश्याम शर्मा ने अपने उद्बोधन में, महासभा के प्रधान रामपाल का आभार जताते हुए कहा कि, समाज के प्रति उनकी सकारात्मक सोच और दृष्टिकोण स्पष्ट है, कि समाज में सामाजिक समरसता की भावना जागृत हो और शिक्षा के क्षेत्र में समाज तेजी से आगे बढ़े और संगठन के बल पर राजनीति में, हमारे समाज की एक विशेष पहचान बने। इसके साथ ही समाज में परिव्याप्त कुरितियों का भी सम्मानजनक ढ़ग से निवारण हो और इन सब कार्यों को गति देने के लिए प्रधान रामपाल शर्मा निरंतर प्रयास कर रहे है। इसके लिए समाज के लोगों को भी आगे आना होगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने अपने मन की पीड़ा को, अभिव्यक्त करते हुए कहा कि बार-बार यह सवाल उठता है कि हम राजनीति में आगे क्यों नहीं है? इसका सबसे सटीक जवाब यह है कि, इसके लिए हम सबको संगठित होना होगा और एकता के सूत्र में बंधना होगा तथा हमारे प्रधान जी, जिस भी राजनैतिक पार्टी के प्रति हरी झंडी दिखाएं, हमारे समाज को बिना कोई विचार किए ही उनके आदेश को शिरोधार्य करते हुए उस दिशा में आगे बढ़ना होगा। इसी तरह से प्रदेश स्तर व जिला स्तर पर भी, अगर हम एक दिशा में चलेंगे तो, यह एक अकाट्य सत्य भी है कि, सभी राजनैतिक पार्टियां भी, हमारे समाज को सर्वाधिक महत्त्व देंगीं और हमारे समाज के लोगों को विधानसभा और लोकसभा की टिकट भी मिलेगी और समाज की राजनीति में हिस्सेदारी बढ़ेगी समाज समृद्ध और शक्तिशाली होगा।

घनश्याम शर्मा ने संकल्प लेकर आगे बढ़ने की वकालत करते हुए कहा कि, शायद हम, ज्यादा संख्या में सांसद या विधायक तो नहीं बना सके, लेकिन अगर हम संकल्प कर ले, तो हम निश्चित रूप से आई.ए.एस. और आर.ए.एस. जैसे वरिष्ठ अधिकारी बड़ी संख्या में बना सकते हैं। इसके लिए हमें राष्ट्रीय स्तर पर तैयारी करनी होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि हमें समाज के लिए शिक्षा एवं आपदा के लिए एक राष्ट्रीय कोष के गठन की भी अत्यंत आवश्यकता है। मातृशक्ति का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि मातृशक्ति ही बच्चों की प्रथम गुरु होती है, बच्चों को संस्कार देने का कार्य उनसे बेहतर और कोई भी नहीं कर सकता है। राजस्थान में 2 सितंबर को आयोजित प्रेरणा सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह समाज का, शिक्षा के प्रति एक अनूठा कार्यक्रम, प्रदेश सभा राजस्थान द्वारा किया गया था जोकि बहुत ही सफल रहा और भविष्य में भी हम शिक्षा के लिए ऐसे कार्यक्रम करते रहेंगे। प्रदेश सभा निरंतर अपने प्रकोष्ठों के माध्यम से अनेक कार्यक्रम कर रही है, जिसमें महिलाओं द्वारा किया गया सशक्तिकरण सम्मेलन और लहरिया कार्यक्रम शामिल है और भविष्य में भी महासभा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे ।

महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष नानूराम जांगिड ने, समाज में बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए और समाज के जरुरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए आगे आने की अपील कि, ताकि किसी का जीवन बचाया जा सके। शिक्षा आज का एक बहुत बड़ा विषय है। मैंने भी अपने बच्चों को पढ़ाया है और उसका मुझे फल भी मिला है, मेरा एक बेटा यू.एस., में सी.ए. है । इसी प्रकार से हम प्रदेश सभा की त्रैमासिक बैठक में 85 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले 10 वीं 12 वीं के बच्चों को पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित करते है। प्रधान रामपाल शर्मा ने एक मुहिम शुरू की है शिक्षा और समाज के गरीब बच्चों की सहायता करने के लिए, उसमें आप अपना क्यूआर कोड के माध्यम से अपनी श्रद्धा अनुसार एक हजार 1500 रुपए दान कर सकते हैं ताकि समाज के जरुरतमंद लोगों की सहायता की जा सके और यह पैसा महासभा खर्च नहीं करेगी अपितु आपके ही काम आएगा, जैसे किसी ने सर्जरी करवानी है, उससे आपके किसी परिचित की जान भी बच सकती है। इतनी भारी संख्या में, मातृशक्ति के इस बैठक में शामिल होने पर उन्होंने हृदय से आभार व्यक्त किया।

हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड ने कहा कि, सबसे पहले तो मैं प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़, भोलाराम शर्मा व उनकी कार्यकारिणी को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं, जिन्होंने इतना भव्य कार्यक्रम आयोजित किया है, जिसमें मातृशक्ति ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया है और आपने हरियाणा प्रदेश के लोगों को जो मान-सम्मान दिया है, उसके लिए आपकी और युवा कार्यकारिणी की टीम बधाई की पात्र है। शिक्षा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हरियाणा प्रदेश सभा द्वारा, छात्र-छात्राओं को, जिन्होंने 10वीं और 12वीं कक्षा में 90 प्रतिशत अंक

हासिल किए हैं, उनको प्रत्येक वर्ष सम्मानित किया जा रहा है और इसके अतिरिक्त, सरकारी स्कूल में बीपीएल कार्ड धारक बच्चों का, एम.बी.बी.एस. में दाखिला होने पर, उनको प्रदेशसभा द्वारा एक मुश्त 50 हजार रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की दी जा रही है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इसी प्रकार से विधवा बहन की लड़की की शादी में भी प्रदेशसभा द्वारा 11 हजार रुपए की राशि, कन्यादान के रूप में दी जा रही है। उपस्थित मातृशक्ति से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि, जो माताएं अपनी, बहू से यह अपेक्षा करती है कि वह घर का सारा काम भी करें और नौकरी भी करें, ऐसी ही अपेक्षा वह अपनी लड़की से भी करें। जिस समय आप अपनी लड़की को बेहतर शिक्षा और उच्च संस्कार देकर के सुसराल भेजेंगे तो, आपसी संबंध–विच्छेद की कभी भी नौबत नहीं आएगी। जो उम्मीद आप अपनी बहू से रखते हो, वहीं उम्मीद अपनी बेटी से भी सुसराल जाने पर रखें और अगर यही सोच रही तो, दोनों परिवार में सुख और शांति का साम्राज्य होगा।

उत्तराखंड के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार शर्मा ने कहा कि डिजिटलाईजेशन और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस आधुनिक युग में, शिक्षा का महत्त्व और भी अधिक बढ़ गया है और आगे भविष्य में भी अनेक चुनौतियां भी आने वाली हैं और इन चुनौतियों का सामना करके केवल वही समाज आगे बढ़ेगा, जो भावी पीढ़ी को संस्कारवान बनाने के साथ ही गुणात्मक और उच्च शिक्षा भी प्रदान करेगा। शिक्षा ही एकमात्र ऐसा साधन है, जिससे परिवार एवं समाज को सम्मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सहायता मिलती है।

उन्होंने मातृ शक्ति का आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को शिक्षित और संस्कारवान बनाने से ही परिवार एवं समाज दोनों का ही कल्याण होना निश्चित है। महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच है और यही कारण है कि समाज के आर्थिक रूप से कमजोर और प्रतिभावान छात्र–छात्राओं को प्रोत्साहित करने के लिए, महासभा द्वारा सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी प्रकार सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए विधायका और कार्यपालिका में भी समुचित भागीदारी जरूरी है। देश में हो रही जाति–जनगणना, इस पर, उन्होंने कहा कि, जाति, हमें ''जांगिड'' लिखनी है, किंतु **हम ''जांगिड ब्राह्मण'' हैं, अत: हमें सामाजिक परिपेक्ष में अपने ब्राह्मणत्व को भी नहीं भूलना है**।

छत्तीसगढ़ प्रदेश के अध्यक्ष भोलाराम शर्मा ने कहा कि आज यहां पर उपस्थित मातृशक्ति का और आप सभी अतिथियों का, मैं हृदय से स्वागत और आभार करता हूँ, यहां पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया और इसके साथ ही युवा अध्यक्ष सुरेश बरनेला और उसकी टीम का भी दिल से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने अथक परिश्रम किया और आशा करता हूँ कि भविष्य में भी हम सभी मिलजुल कर छत्तीसगढ़ में एक नया स्वर्णिम अध्याय लिखेंगे और यह सब समाज अनन्य सहयोग और समर्थन से ही संभव हो सकता है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रीमती रंजना दीपेन्द्र साहू, छत्तीसगढ़ लोह शिल्पकार बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा और महासभा के उच्च स्तरीय समिति के सदस्य एडवोकेट पुखराज जांगिड ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज में आपसी सहयोग और सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

इस बैठक की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा, महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, महासभा के मुख्य सलाहकार श्री गोपाल चोयल, महासभा महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सविता जांगिड, महामंत्री सांवरमल जांगिड, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला, महासभा के राजनैतिक सलाहकार राकेश जांगिड, श्री विश्वकर्मा मंदिर पहाड़गंज के प्रधान गंगादीन जांगिड, आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सत्यपाल वत्स, जांगिड रत्न शंकर लाल लदोया, महासभा के कार्यालय अधीक्षक ऋषि प्रकाश जांगिड, हरियाणा से पूर्व अधीक्षक अभियंता सोहनलाल शर्मा और उप प्रधान सुल्तान सिंह आर्य जांगिड और मास्टर वीरेंद्र जांगिड, हिसार से पूर्व जिला पार्षद ओम प्रकाश जांगिड, दीप विश्वकर्मा के सम्पादक हरिराम जांगिड, महासभा के मीडिया प्रभारी महेश जांगिड, बजरंग लाल जांगिड, बनवारी लाल जांगिड, नन्दलाल जांगिड, महेंद्र कुमार शर्मा, मुकेश चंद शर्मा, राकेश कुमार शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, मामचंद शर्मा, बाबूलाल शर्मा, कमलेश कुमार शर्मा, गौरी शंकर जांगिड, मनोज कुमार जांगिड, लालचंद शर्मा, सीता राम शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा मध्य प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष माया शर्मा, प्रदेश प्रभारी एवं उच्च स्तरीय कमेटी, कोर कमेटी, विधि सलाहकार, वित्तीय सलाहकार समिति के सदस्य तथा विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी गण एवं मातृशक्ति शामिल है। इस कार्यक्रम का सफल एवं सुनियोजित ढंग से मंच संचालन राधेश्याम मांडण, बजरंगलाल दुर्ग तथा मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल बरनेला ने किया और इसकी क्रमबद्धता को निरन्तर बनाए रखा।

अन्त में, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष भोलाराम जी एव उनकी पूरी टीम तथा जिला सभा रायपुर के अध्यक्ष बनवारी लाल तथा रमेश बरनेला अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ रमेश बरनेला की टीम द्वारा अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए ओजस्वी मातृ शक्ति संगठन की भी भूरि–भूरि प्रशंसा की गई।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

युवक युवतियों के वैवाहिक जीवन में आने वाली समस्या का समाधान करना आज समय की जरूरत है

महासभा के पूर्व प्रधान, कैलाश बरनेला

महासभा के पूर्व प्रधान मुख्य अतिथि,कैलाश बरनेला ने, रायपुर में, 28 सितम्बर को आयोजित की गई महासभा की त्रैमासिक बैठक और छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा की कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह के बाद, एक साक्षात्कार समाज में युवक-युवतियों के होने वाले विवाह के बारे में अपने मनोभावों को खुलकर अभिव्यक्त करते हुए कहा कि, आज जांगिड-सुथार समाज में योग्य युवक-युवतियों के विवाह को लेकर एक गम्भीर और चिन्तनीय समस्या पैदा हो रही है। **समाज में लड़के-लड़कियों की विवाह योग्य आयु निकलती जा रही है और इसका प्रमुख कारण यह है कि आधुनिकता की चकाचौंध की इस दौड़ से प्रभावित होकर युवा अपनी स्वच्छंदता चाहता है और वह विवाह नहीं करना चाहता है।** उन्होंने कहा कि आज की नई युवा पीढ़ी के पहले तो अपना कैरियर बनाने के चक्कर में लगी रहती है और **अगर वह उच्च अधिकारी बन भी गए या अच्छे पैकेज वाली किसी, बहुराष्ट्रीय कंपनी में अच्छी नौकरी लग गई तो, फिर एक और गम्भीर समस्या खड़ी हो जाती है और वह समस्या है, अपने समकक्ष जीवन साथी की तलाश में, इसी ऊहापोह की स्थिति में फंसे रहते हैं और फिर उनकी विवाहयोग्य आयु निकलती जाती है।**

इस गम्भीर समस्या के समाधान के लिए, सभी को एक साथ मिलकर आगे आना होगा, क्योंकि यह सर्वमान्य समस्या सारे समाज की है। मेरा यह व्यक्तिगत सुझाव है कि इस गम्भीर समस्या समाधान के लिए, **महासभा को एक परिचय सम्मेलन प्रकोष्ठ की स्थापना करनी चाहिए।** ताकि लोगों को, महासभा के **प्रकोष्ठ के माध्यम से न्यायसंगत और विश्वसनीय रिश्ते मिल सके और इसके माध्यम से जहां युवा-युवतियां धोखे से बच सकती हैं, वहीं लोगों का एक दूसरे पर विश्वास भी सुदृढ़ होगा।** आज जो झूठ व्हाट्सएप और फेसबुक तथा मैट्रीमोनियल के लिए बनाई गई साइट के माध्यम से परोसा जा रहा है उससे लोगों का विश्वास उठ गया है और ऐसे रिश्ते अधिक समय तक नहीं चलते हैं क्योंकि उनमें आपसी विश्वास की कमी होती है।

पूर्व प्रधान ने कहा कि आपको मालूम है कि **भारतीय सभ्यता और संस्कृति में विवाह की परम्परा को सात जन्मों का बंधन माना जाता है और वास्तव में यह विवाह बन्धन दो, अनजान आत्माओं का एक मधुर मिलन है जहां सात फेरों के माध्यम से वह एक दूसरे पर विश्वास करने लगते हैं लेकिन इतना पवित्र रिश्ता होते हुए भी आज विवाह की इस प्रक्रिया में अनेक गम्भीर समस्याएं जुड़ गई हैं।इस आधुनिक युग में जांगिड-सुथार समाज भी इन समस्याओं से अछूता नहीं है। इस समस्या का मूल कारण, आज के बच्चों की बढ़ती हुई महत्वकांक्षाएं और उच्च शिक्षा भी है और उसके बाद मोटा सा पैकेज या उच्च पद पर सरकारी नौकरी है।** आज उन्होंने अपना कैरियर **केवल मात्र पैकेज या सरकारी नौकरी के साथ जोड़ दिया है।** इसलिए ही आज उनके विवाह में देरी हो रही है। इसलिए मेरा यह अपना सुझाव है कि **महासभा के तत्वावधान में अधिक से अधिक परिचय सम्मेलन आयोजित किए जाए ताकि समाज के युवक युवाओं को एक उचित और भरोसे का एक प्लेटफार्म मिल सके।** अपने बच्चों को बेहतर संस्कार प्रदान करें, ताकि वह अपने माता-पिता और भगवान पर भरोसा रखते हुए ही, 7 जन्मों के बंधन का निर्णय लें सकें।

पूर्व प्रधान ने कहा कि इसके साथ ही **एक दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु, जातिगत जनगणना के बारे में है और इस बारे में महासभा की पिछली दो त्रैमासिक बैठकों में भी विचार विमर्श किया गया है और आगे भी जारी रहेगा।** प्रधान रामपाल शर्मा ने भी इस बारे में अपना सुझाव दिया है कि **मुख्य कालम में जांगिड ही लिखना चाहिए,** लेकिन इसमें भी कई राज्यों में परेशानी आने वाली है और वह समस्या यह है कि, **जैसे हरियाणा में आपको पिछड़े वर्ग का सर्टिफिकेट बनवाना है तो वह जांगिड के नाम से नहीं बनेगा, वह केवल जांगड़ा, जांगड़ा ब्राह्मण या खाती के नाम से ही बनेगा, क्योंकि हरियाणा सरकार की सूची में यह जांगिड नाम अभी तक मान्य नहीं है।** उन्होंने कहा कि **यह जांगडा और जांगड़ा ब्राह्मण शब्द भी पूर्व राज्य सभा सांसद पंडित रामजी लाल के समय में, उन्होंने ने ही पिछड़े वर्ग की इस सूची में शामिल करवाया था, उस समय वह तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी भजनलाल के शासनकाल में, हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के चेयरमैन थे।** इसी प्रकार अन्य राज्यों में भी उनके अनुसार नाम लिखा जायेगा तभी, उसका पिछड़े वर्ग का सर्टिफिकेट बनेगा और तभी उसका लाभ मिल पाएगा। **इस जटिल समस्या का समाधान, प्रदेश सभाओं के साथ विचार विमर्श करके सन्तोषजनक ढ़ग से निकालने का प्रयास किया जाएगा।** उन्होंने इस बैठक की शोभा बढ़ाने वालों का, हृदय के अन्त:करण से सभी का आभार व्यक्त किया ।

☆☆☆

प्रदेश सभाओं को, महासभा के प्लैटिनम, गोल्डन और सिल्वर सदस्य बनाने के लिए राशि का 10 प्रतिशत हिस्सा दिया जाए।

मध्यप्रदेश अध्यक्ष, प्रभु दयाल बरनेला

रायपुर छत्तीसगढ़ में हुई महासभा की त्रैमासिक बैठक और प्रदेश सभा और युवा सभा छत्तीसगढ़ के शपथ ग्रहण समारोह में प्रभु दयाल बरनेला ने न केवल कुशल एवं उत्कृष्ट ढंग से इस बैठक का संचालन किया अपितु इस बैठक के बारे में भी अपने सारगर्भित विचारों को कलमबद्ध करके भेजा है। उन्होंने इस त्रैमासिक बैठक को संबोधित करते हुए, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा से निवेदन किया कि, प्रदेश सभाओं द्वारा महासभा के जो प्लैटिनम, गोल्डन और सिल्वर सदस्य बनाए जाते हैं, उसकी सदस्यता राशि का 10 प्रतिशत हिस्सा देने का प्रावधान करते हुए, उस राशि का भुगतान संबंधित प्रदेश को, तुरंत ही किया जाना चाहिए। इससे महासभा के अधिक सदस्य बनेंगे तथा इसके साथ ही प्रदेश सभाओं की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ हो सकेगी। उन्होंने, भगवान विश्वकर्मा जी को नमन, करते हुए, छत्तीसगढ प्रदेश सभा के प्रदेश अध्यक्ष भोला राम शर्मा एवं उनकी समस्त कार्यकारणी को, मध्यप्रदेश सभा की तरफ से हार्दिक बधाई देते हुए उनके यस्शवी कार्यकाल की मनस्कामना भी की। छत्तीसगढ़ प्रदेश में, संख्या कम होने के बावजूद भी इतना भव्य कार्यक्रम आयोजित करके इन्होंने सभी का दिल जीत लिया और इसके साथ ही नवनिर्वाचित, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, उत्तराखंड के नरेन्द्र शर्मा, कर्नाटक के बाबूलाल शर्मा को भी बहुत-बहुत हार्दिक बधाई देता हूँ।

मैं, महासभा प्रधान रामपाल शर्मा के प्रति भी अपनी कृतज्ञता प्रकट करता हूँ, जिन्होंने 22 जून 2025 को प्रदेश सभा को, महासभा की पिछली त्रैमासिक मीटिंग आयोजित करने का सुअवसर प्रदान किया और प्रदेश सभा द्वारा सभी का पलक पांवड़े बिछाकर स्वागत किया गया, फिर भी कोई असुविधा हुई हो तो, इसके लिए मैं क्षमा प्रार्थी हूँ। **मध्यप्रदेश सभा द्वारा एक छोटी सी पहल करते हुए समाज में पारिवारिक विवादों को दूर करने के लिए एक निराकरण कमेटी का गठन किया जा रहा है,** जिसका उद्देश्य रिश्तों में, आपसी मनमुटाव, भाईयों में सम्पत्ति का बंटवारा आदि विवादों का हल किया जा सके, इससे भाईचारा बढ़ेगा तथा पैसा व समय की भी बचत होगी ।

मध्यप्रदेश में महासभा के विस्तार अलख जगाते हुए, मध्यप्रदेश में, एक साथ 22 जिला सभाओं का चुनाव करवाने के लिए अधिसूचना जारी की गई है। हर जिले में पहले की तरह ही निर्विरोध निर्वाचन के प्रयास होंगे, ताकि समाज में आपसी भाईचारे के साथ ही समाज के पैसे की भी बचत होगी । **महिलाओं के उत्थान के बारे में उन्मुक्त भाव से विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि, जब तक समाज में महिलाओं की समाज के मंच पर भागीदारी नहीं होगी तब तक समाज आगे नहीं बढ़ सकता है।** मध्यप्रदेश में महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती माया शर्मा द्वारा जिला स्तर पर महिला प्रकोष्ठों का गठन करके उन्हें महासभा से जोड़ने क प्रयास किया जा रहा है और आज समाज की महिलाएं आगे आ रही है और यह हमारे लिए एक सुखद पहलू है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक जिले के युवाओं को भी, जिला युवा प्रकोष्ठ के माध्यम से समाज की गतिविधियों के साथ जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है और इसके साथ ही युवाओ के लिए, प्रदेश सभा द्वारा समय-समय पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जा रहा है। उन्होंने प्रधान रामपाल शर्मा से निवेदन किया कि, अब मुण्डका में महासभा का ऐतिहासिक भवन का लोकार्पण भी हो चुका है तथा अब महासभा के द्वारा **समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ का शीघ्रातिशीघ्र गठन किया जाना चाहिए ताकि समाज का विकास सुनिश्चित हो सके ।** इसके साथ ही शिक्षा को भी बढ़ावा दिया जाए। प्रधान जी से मेरा निवेदन है कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भी **शिक्षा कल्याण प्रकोष्ठ का भी गठन किया जाए।**

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, **घनश्याम शर्मा द्वारा 2 सितम्बर को जयपुर में, युवाओं के लिए जो मोटिवेशनल कार्यक्रम किया गया था, आज के परिपेक्ष्य में इस प्रकार का आयोजन सभी प्रदेश सभाओं द्वारा भी किया जाना चाहिए।** अन्त में, मै, प्रदेश अध्यक्ष भोला राम शर्मा और युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष, रमेश बरनेला और उनकी टीम का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

☆☆☆

'जीवन में सफलता का मूल मंत्र है, उत्कट जिजीविषा, जुनून, एकाग्रता , लक्ष्य, संकल्प और आत्मविश्वास'।

राजस्थान सरकार में शासन सचिव और प्रख्यात मोटिवेशनल स्पीकर, डॉ. समित शर्मा

डॉ. समित शर्मा राजस्थान सरकार में शासन सचिव, राजस्थान प्रदेश के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी, जैनरिक औषधियों के प्रणेता, मुख्यमंत्री, राज्यपाल और प्रधानमंत्री पुरस्कार सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित, विनम्रता और सौम्यता के अदम्य स्रोत, सरल स्वभाव की प्रतिमूर्ति, एक विख्यात मोटिवेशनल स्पीकर ही नहीं, अपितु मानवीय मूल्यों के संवाहक और सहृदयता की प्रतिमूर्ति होने के साथ ही, स्पष्टवादी और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण भी हैं।

राजस्थान के जयपुर में 2 सितंबर को जयपुर में जांगिड समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा हेतु एक कार्यक्रम **''प्रेरणा और प्रयास से परिणाम तक''** राजस्थान प्रदेश सभा द्वारा जयपुर के प्रसिद्ध **बी. एम. बिड़ला सभागार** में आयोजित किया गया था इसमें डॉ. समित शर्मा ने एक मोटिवेशनल वक्ता के रूप में सभी का दिल जीत लिया ।

इस कार्यक्रम के आयोजक राजस्थान प्रदेश सभा के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा और उनकी कर्मठ टीम के कार्यकर्ताओं का हृदय से आभार व्यक्त किया और उन्होंने अनुरोध किया कि इस प्रकार का मोटिवेशनल कार्यक्रम वर्ष में एक बार प्रत्येक जिले में भी आयोजित किया जाना चाहिए क्योंकि बच्चों को प्रेरणा की बहुत ही जरूरत है। उनको राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष गजानंद जांगिड और महामंत्री कैलाश शर्मा द्वारा शॉल, पगड़ी और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

अपने मोटिवेशनल उदगारों को व्यक्त करने से पहले उन्होंने सृष्टि रचयिता भगवान विश्वकर्मा और मां शारदे हंस वाहिनी, विद्या वाहिनी, मां सरस्वती की पूजा अर्चना करते हुए सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया और सभी ने मिलकर अराधना करते हुए उनके स्वर में स्वर मिलाए।

उन्होंने कहा कि आज का यह एक घंटा आप सभी के लिये यादगार बन जाए, इसके लिए आपको समझने और जानने की जरूरत है यह बात दिल में उतरने के बाद ही आप अपने बच्चों का भविष्य बदल सकते हैं, इस अवसर को आप खाली ना जाने दें और यह एक घंटा युवाओं और विद्यार्थियों के जीवन को बदल सकता है। इस कार्यक्रम मे डॉ. समित शर्मा ने निम्न बिंदुओं के माध्यम से सफलता कैसे हासिल करने के गुर बताये ।

1- अपने आप को बदलना मुश्किल काम है - डॉ. समित शर्मा ने कहा कि दुनिया में सबसे मुश्किल काम है किसी को बदलने का और उससे भी अधिक मुश्किल काम है, अपने आप को बदलना। यह बहुत ही मुश्किल है अतः दूसरों से पहले अपने को बदलने का प्रयास करें और आज आप यहां से वह शक्ति लेकर जाएं। सफलता हासिल करने और परिणाम तक पहुंचने के लिए एक दीवानापन, पागलपन, जुनून ऐसा होना चाहिए, जैसा जुनून भक्त शिरोमणी मीराबाई का भगवान श्री कृष्ण के प्रति था, हीर का रांझा के प्रति या रोमियो का जूलियट के प्रति था और यही जुनून और पागलपन, सफलता के लिए हो तो, सफलता अवश्य ही मिलेगी। जो शब्द अपनी प्रेमिका के लिए कहें जाते हैं कोई दीवाना कहता है, कोई पागल समझता है मगर धरती की बेचैनी को बादल समझता है। यह शब्द आप सफलता के लिए भी प्रयोग कर सकते हैं और आप इसे अपने अंतर्मन से करेंगे तो सफलता अवश्य मिलेगी। सफलता हासिल करने के लिए

बार-बार प्रयास करने पड़ते हैं, यह जुनून एक ऐसा जुनून और पागलपन है, जो अपने अंतर्मन से ही करना चाहिए।

2- अपना लक्ष्य निर्धारित करें और सपने पूरा करने का प्रयास करें - सफलता के लिए यह जरूरी है कि अपने लक्ष्य को तय करना चाहिए, सपने देखना वह नहीं है जो सोते समय देखे जाते हैं, बल्कि सपने वह हैं, जो जागते समय देखे जाते हैं। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि वह जिस समय आईसीडीएस विभाग में नियुक्त थे, तो उस समय वह सुबह 6 बजे काम पर लग जाते थे मुझे अपने काम से दीवानापन था एक जुनून था और जब तक जुनून नहीं होगा दीवानापन नहीं होगा तो सफलता आपसे बहुत दूर है। इसके बारे में तो मैं सिर्फ इतना ही कह सकता हूं दिल है छोटा सा छोटी सी आशा, मस्ती भरे मन की छोटी सी आशा, चांद तारों को छूने की आशा।

उन्होंने कहा कि राइट ब्रदर्स ने भी 125 साल पहले एक सपना देखा था और वह सपना 17 सितंबर 1903 को पूरा हुआ, वह पहला दिन था जिस दिन उन्होंने वायुयान को पहले दिन 19 सेकंड तक उड़ाया और चौथे प्रयास में 3 मिनट तक उड़ाया, उडयन और एविएशन के इतिहास में एक नया अध्याय लिख दिया। धीरूभाई अंबानी यमन में, एक पेट्रोल पंप पर कार्य करते थे और उन्होंने सोचा कि मुझे कुछ अलग करना है और उन्होंने रिलायंस का पूरा साम्राज्य अपने जीवन काल में खड़ा कर दिया। जो व्यक्ति अपना लक्ष्य निर्धारित करते हैं और उसको धरातल पर उतारते हैं वही सफलता हासिल करते हैं जिस प्रकार से धीरूभाई अंबानी ने पहले अपना लक्ष्य निर्धारित किया, फिर उसको धरातल पर उतार कर उस परिकल्पना को हकीकत में बदला और यही दीवानापन सफलता की पहली सीढ़ी है। इसलिए सपनों की कल्पना की रस्सी बना कर उसे मुर्त रूप देने का प्रयास करें।

3- लक्ष्य निर्धारित करना और उसको हासिल करने का स्तुत्य प्रयास करना - उन्होंने कहा कि सन 1865 में लुई करोल नामक एक लेखक ने एक कहानी लिखी थी जिसका नाम है **''एलिस इन वंडरलैंड''**। एक बच्ची अपनी बुआ की गोद में सोई हुयी थी और सपने मे एक विचित्र दुनिया में चली जाती है और रास्ता भूल जाती है और वह बिल्ली से रास्ता पूछती है। बिल्ली उससे पूछती है कि आपको जाना कहां पर है। एलिस कहती है कि मुझे पता ही नहीं कि कहां पर जाना है तो बिल्ली कहती है तुम्हें पता ही नही तो रास्ता क्यों पूछ रही हो, तुम कोई भी रास्ता ले लो कहीं ना कहीं तो पहुंच ही जाओगी। आज यहां पर जो एलिस बैठे हुए हैं, उनको यह पता ही नहीं है कि वह कहां जाना चाहते हैं। हम लोग तो रास्ता दिखा सकते हैं। आज यहां जो युवा इस सभागार में बैठे हैं वह तय करें कि उनको जाना कहां है। जैसे ट्रेन पर एक गतंव्य स्थान लिखा होता है, दिल्ली से कोलकाता । इसी प्रकार से अगर हमने कुछ सोचा ही नहीं है, लक्ष्य तय नहीं किया है तो हम गाडियां ही बदलते रहेगें तो अपना लक्ष्य हासिल नही होगा। इसलिए यह जरूरी है कि जीवन में कोई भी लक्ष्य निर्धारित करें और उसके बाद उस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सत्य निष्ठा पूर्वक कार्य करें।

डॉ. समित शर्मा ने कहा कि जिस समय भारत-पाक का विभाजन हुआ तो तेज धावक मिल्खा सिंह, जिनको फ्लाइंग सिख भी कहा जाता है। वह अनाथ होकर भारत आ गए और उन्होंने अपना जीवन

बहुत गरीबी में व्यतीत किया और सेना में भर्ती हुए और उन्होंने अपना एक लक्ष्य निर्धारित किया कि मुझे भारत का सबसे अधिक तेज धावक बनना है और उन्होंने अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए अथक परिश्रम, प्रयास और कठिन मेहनत की और वह फ्लाइंग सिख बन गए ।

4- लक्ष्य के बाद फोकस (एकाग्रता) – उन्होंने कहा कि आपके कार्य में एक स्पष्टता होनी चाहिए और यह आती है फोकस और एकाग्रता से । जब महाभारत काल में हम चलते हैं तो गुरु द्रोणाचार्य ने पाण्डवों की धनुष विद्या की परीक्षा ली और सबने बारी-बारी से अपने हिसाब से उत्तर दिए लेकिन अर्जुन ने गुरु द्रोणाचार्य से कहा कि गुरुदेव, मुझे तो केवल पेड़ पर टंगी हुई काष्ठ की चिड़िया की आंख ही दिखाई दे रही है और मुझे कुछ नहीं दिखाई दे रहा है, मेरी दृष्टि केवल अपने लक्ष्य पर है इसीलिए अर्जुन को अपने लक्ष्य में सफलता हासिल हुई। अत: जिस बच्चे को अपना लक्ष्य स्पष्ट दिखाई देता है तो फिर उसको व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूटयूब दिखाई नहीं देती है और वही बच्चा अपने जीवन में अर्जुन की तरह निश्चित रुप से सफल होगा। आप सभी समझ सकते हैं कि अगर लक्ष्य पर आंखें और ध्यान केंद्रित रखेंगे तो, जिस समय बाण चलाएंगे, तो वह निश्चित रूप से लक्ष्य को भेदेगा ही भेदेगा और सफलता और एकाग्रता का यही नियम है।

5- मन के पटल पर चित्र बनाने से लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है- डॉ. समित शर्मा ने फलोरेंस शेडविक का उदाहरण देते हुए कहा कि वह एक ऐसी महिला थी जिसने इंग्लिश चैनल को पार किया था। उसने 1952 में यूएसए के पास 34 किलोमीटर लम्बा चैनल पार किया था । जिस समय वह पहली बार उसको पार करने गई तो वह करीब एक घंटे तक तैरती रही और उसने 33 किलोमीटर दूरी तय कर ली थी। वह अपने लक्ष्य से केवल मात्र 1 किलोमीटर दूरी पर ही रह गई थी तब उसके सामने कोहरा आ गया और उसने निराश और हताश होकर हार मान ली और वह वापस आ गई लेकिन बाद में पता चला कि वह अपने लक्ष्य के बिल्कुल नजदीक पहुंच गई थी । यह जानकर उसे बहुत दु:ख हुआ और उसने इस चैनल को कड़ाके की सर्दी के बावजूद इसी वर्ष, दोबारा पार करने का संकल्प लिया और कहा कि मैं निश्चित रूप से चैनल पार करने वापस जाऊंगी और विजय होकर वापस आऊंगी और वह वापस गई और इस बार जैसा कि उसने तय किया था उसने केवल मात्र 43 मिनट में 34 किलोमीटर की दूरी पूरी कर ली। जब उनसे पूछा गया कि तुमने यह कैसे किया तो उसने स्पष्ट उत्तर दिया वह बड़ा ही अनुकरणीय है। उसने कहा कि पिछली बार जब कोहरा आ गया तो, मुझे सामने किनारा दिखाई नहीं दे रहा था और मैं निराशा हो गई थी, इस बार भी कोहरा और धुंध आई, लेकिन मुझे पता था कि एक किलोमीटर दूर किनारा है, क्योंकि मैंने अपने मस्तिष्क में अपने लक्ष्य का मानसिक चित्र बना रखा था, इसलिए मैंने उस लक्ष्य को प्राप्त किया। इसलिए जिसके दिमाग में यह पिक्चर है और लक्ष्य में स्पष्टता है तो विजय निश्चित है। हम में से बहुत लोग सफलता से मात्र कुछ दूरी से ऐसे ही वापस लौट आते हैं और हार मान लेते हैं। आपको लक्ष्य हासिल किए बिना कभी भी जीवन में हार नहीं माननी चाहिए।

6- अपना फोकस निर्धारित करके उस पर सकारात्मक सोच से आगे बढ़ना – डॉक्टर

समित शर्मा शर्मा ने कहा कि, जिस समय आपका किसी कार्य के प्रति फोकस होगा तो उसमें आपको निश्चित रूप से सफलता हासिल होगी, जब कोई व्यक्ति या कोई बच्चा अपने हाथ में मैग्नीफाइंग लेंस को लेकर सूर्य की बिखरी हुई किरणें एकत्रित करके उनको किसी कागज पर फोकस करता है तो वह कागज़ जल उठता है। इसी प्रकार जब लक्ष्य और प्रयास बिखरे हुए रहते हैं तो यह एक सामान्य घटना होती है और जब लक्ष्य और प्रयास मिलकर एक हो जाते हैं तो इससे चमत्कारी घटनाएं होती है। इसलिए सकारात्मक सोच होने से कुछ भी संभव हो सकता है। अगर आप सकारात्मक सोच रखेंगे तो अवश्य जीत जाएंगे। हमारा अंतर्मन, हमारा परिवार और भगवान हमारे साथ है यह सकारात्माक सोच रही तो निश्चित रूप से जीतेंगे ही जीतेंगे।

7- सकारात्मक सोच सफलता की पहली सीढ़ी है - डॉ. समित शर्मा ने कहा कि विश्व के महानतम वैज्ञानिकों में से एक थॉमस अल्वा एडिसन है जिन्होंने इतने आविष्कार किए हैं जितने शायद ही आज तक किसी वैज्ञानिक ने किए होंगे और जब तक यह दुनिया रहेगी शायद ही कोई कर पाएगा। जिस समय उसको स्कूल में दाखिल करवाया गया तो उनके अध्यापक ने उन्हें मंदबुद्धि माना और एक पत्र लिखकर उसको पकड़ा दिया और कहा कि इसे अपनी मां को दे देना । उस लैटर में लिखा हुआ था कि हमारा स्कूल इस मंदबुद्धि को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है। उसकी मां टॉमी से कहा कि मैं इसे पढ़ाऊंगी लेकिन विडम्बना देखिए कि उसकी मां की मृत्यु के कई वर्षों के उपरांत, जिस समय वह अपना घर शिफ्ट कर रहे थे उस समय थॉमस को अपने टीचर द्वारा लिखी गई वह चिट्ठी मिली जिसके बारे में उसको पहले पता नहीं था कि उसके टीचर्स ने क्या लिखा है। उस चिट्ठी को पढ़ कर वह भावुक हो गए और रोने लगे। उसकी मां ने उसके टीचर्स की बात नहीं मानी और उसको खुद पढ़ाया और वह एक महान वैज्ञानिक बन गया।

8- सकारात्मक दृष्टिकोण उत्कट जिजीविषा और विश्वास - डॉ. शर्मा ने कहा कि जो भी दुनिया की बातों में आ गया और जिसने नकारात्मक विचारों को आत्मसात कर लिया वह जीवन में कभी भी आगे नहीं बढ़ सकता है और जो आत्मविश्वास से लबरेज है और जिसने तय कर रखा है वह बहरे मेंढक की तरह पहाड़ पर चढ़ जाएगा क्योंकि उसने तय कर रखा है और अपने ऊपर विश्वास है तो आखिर में वह विजयी हुआ है । थॉमस अलवा एडिसन का ही उदाहरण लें जिसने बल्ब का आविष्कार किया था और अपने प्रयोगो मे 1000 बार फेल हुआ और 1001 वे प्रयोग में सफल हुआ इससे यह तय हुआ कि एक हजार ऐसी वस्तुएं हैं, जिनसे बल्ब नहीं बन सकता है। इसलिए सकारात्मक भाव से चीजों को स्वीकार करें हम प्रयास करेंगे मेहनत करेंगे तो अवश्य ही सफलता मिलेगी ।

इसी प्रकार अमिताभ बच्चन को भी शुरू मे ऑल इंडिया रेडियो और फिल्मों में भी निराशा और असफलता का सामना करना पड़ा। उनके पिता हरिवंश राय बच्चन बहुत बड़े कवि और लेखक थे। अमिताभ बच्चन के असफल रहने पर पिता ने एक जिम्मेदार पिता के रूप में बड़ी बात कही बेटा जो अपनी इच्छा है, वह मन की इच्छा है, वह अगर वह पूरी हो तो बहुत अच्छी बात है, पर यदि अपनी इच्छा पूरी

नहीं हो तो, भी वह और भी अच्छी बात है, क्योंकि वह प्रभु इच्छा है और जो भगवान की इच्छा है वही होगा, जो राम रची राखा। आज वही अमिताभ बच्चन, भारत के ही नहीं अपितु विश्व भर की फिल्म इंडस्ट्री में सबसे बड़े अभिनेता और नायक के रूप में विख्यात हैं। इसलिए पॉजिटिव भाव से चीजों को स्वीकार करना चाहिए और बाकी हरि इच्छा पर छोडे। प्रयत्न, प्रयास और मेहनत करना आपका काम है, लेकिन यह याद रखना कि हमेशा विजयश्री हासिल नहीं होती है और यही स्वीकार करते हुए जीवन में आगे बढ़ना होगा।

डॉ. समित शर्मा ने अपनी उत्कट जिजीविषा का उदाहरण देते हुए निःसंकोच भाव से कहा कि आई ए एस की तैयारी करते समय मुझे कई बार यूपीएससी की परीक्षा देनी पड़ी और मुझे बताते हुए गर्व हो रहा है कि पहली बार में तो मुझे इंटरव्यू का कॉल ही नहीं आया और दूसरी बार एलाइड सर्विस रेलवे में नियुक्ति मिली और तीसरी बार इंटरव्यू कॉल ही नहीं आया तो मैं बहुत व्यथित हुआ लेकिन चौथी बार प्रभु इच्छा से मूल भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन भी हुआ और राजस्थान कैडर भी मिला। मैं और पापा हमेशा एक बात कहते हैं कि पापा अपने पास 100 करोड़ रुपए नहीं हैं और अगर हम किसी को 100 करोड रुपए दें तो भी वह चीज नहीं मिल सकती है जो प्रभु ने हमें निःशुल्क दे दी है और जो कृपा भगवान ने की है उसका मुकाबला पैसे से नहीं किया जा सकता है।

9– दृष्टिकोण में परिवर्तन– हेलेन केलर एक ऐसी महिला थी जो सुन नहीं सकती थी लेकिन फिर भी उसने शिक्षा ग्रहण की और वह दुनिया की एक महानतम लेखिका और वक्ता बनी । आज कोई भी दृष्टि बाधित व्यक्ति है जो सुन नहीं सकता है या उसमें कोई निःशक्तता है तो वह हेलेन केलर के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को सार्थक और सफल बना सकता है। आप अगर दृष्टिकोण को सच में परिवर्तन करना चाहते हैं तो आपको चीजों को जिस दृष्टि भाव से पहले देखते हैं उनको अलग भाव से देखने से 100 प्रतिशत परिणाम मिल सकते हैं। एक ऐसी अंग्रेज सरकार जिसका राज्य पूरब से पश्चिम तक फैला हुआ था और जिसका सूर्य कभी भी अस्त नहीं होता था उस सरकार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हथियारों से नहीं अपितु सत्य और अहिंसा के बल पर भारत से भगाया और भारत को 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश शासन के सूर्य को अस्त करके आजाद कराया और हमारा राष्ट्रीय झंडा फहराया और देश ने आजादी का नया सवेरा देखा।

10- नई टैक्नोलॉजी को आत्मसात करें - आपको मालूम है कि पहले फोन का अर्थ केवल मैसेज आना था लेकिन टैक्नोलॉजी में क्रांति आई और स्टीव जाब्स ने समझाया कि फोन का मतलब इंटरनेट, म्यूजिक, व्हाट्सएप, कैमरे और आईफोन का मतलब सब कुछ है और उन्होंने आईफोन, माडर्न एंड्रायड फोन आविष्कार किया और आज देश में 99 प्रतिशत लोगों के पास आधुनिक मोबाइल, आईफोन मौजूद है । यह सब टेक्नोलॉजी का ही फर्क है आप पूरे डेस्टिनेशन को ध्यान में रखते हुए इसे मोबाइल में समेट सकते हैं। ज्ञान को मोबाइल में समझ सकते हैं या क्रिएटिव बन सकते हैं आज विजडम की जगह है। उन्होंने युवाओं को सुझाव दिया कि वह आई फोन का उपयोग सोच समझकर करें क्योंकि आपके मन पर इसका दुष्प्रभाव भी पड़ सकता है।

11- मनोभावों को समझ कर अपने व्यवहार में परिवर्तन करना - इसको पैराडाइम शिफ्ट कहते हैं । कई बार हम एक व्यक्ति को या चीजों को देखते हैं और जैसा उनको समझते है वैसी ही हमारी फीलिंग होती है और वैसा ही हम सोचते हैं । हम जिस तरीके से सोचते हैं, वैसा ही हम महसूस करते हैं और उसी के अनुरूप व्यवहार करते हैं। कई बार वास्तविकता जानने के बाद व्यक्ति का पहले वाला दृष्टिकोण बदल जाता है। पहले जिसके प्रति आपको क्रोध आ रहा था उसकी वेदना की कहानी सुनाने के बाद उसके प्रति दृष्टिकोण ही बदल गया और उसको भिन्न रूप में देखना शुरू किया इसको ही (पैराडाइम शिफ्ट) दृष्टिकोण में परिवर्तन कहते हैं।

ऐसे दुष्कर समय में एक व्यक्ति की परिस्थितियों को, मानवीय दृष्टिकोण के साथ अपने नजरिए से समझने और देखने की कोशिश करो, हो सकता है कि आपकी भी सोच बदल जाए, आपकी फीलिंग बदल जाए और हो सकता आपका व्यवहार भी बदल जाए और यहीं पैराडाइम शिफ्ट का तरीका है। इसलिए कहा गया है कि अलग-अलग नजरिया के अलग-अलग परिणाम सामने आते हैं।

12- ज्ञान को सीखने की कोई उम्र नहीं होती केवल संकल्प होना चाहिए - डॉ. समित शर्मा ने कहा कि सीखने की कोई भी उम्र नहीं होती है। उम्र कितनी भी हो, मनोयोग से सीखने का प्रयास करें और सीखने के परिणाम कभी भी खराब नहीं होते, आपको हमेशा सीखते ही रहना चाहिए जापान के एक 95 साल के व्यक्ति ने अंग्रेजी की टयूशन लेनी शुरू की है। 79 साल की आयु में जोधपुर के मनोहर लाल जांगिड ने राजस्थान विश्वविद्यालय से पर्यटन पर पीएचडी की डिग्री हासिल की है। बिहार के दशरथ मांझी ने इलाज के अभाव में अपनी पत्नी भागुनी की मृत्यु होने से बचा नहीं पाए तो उन्होंने पहाड़ रुपी बाधा को हटाने का संकल्प लिया और पहाड़ को काटकर रास्ता बनाया। उसके पास सिर्फ तीन चीज थी, एक छैनी, एक हथोड़ा और तीसरा संकल्प शक्ति । उसे पहाड़ को काटने में 22 साल लगे और 55 किलोमीटर का रास्ते को अपने प्रयास से 15 किलोमीटर का रास्ता बना दिया और इतिहास में अपना नाम दर्ज करवा लिया । आपके जीवन में भी बाधाएं आएगी और हमें लगता है कि परेशानी आ गई तो दशरथ मांझी की तरह जीवन में संकल्प के आधार ही उन बाधाओं पर विजय पा सकते हो। इसलिए, जिसमें भी सीखने की प्रबल जिज्ञासा होगी वह जीवन में उस उपलब्धि को हासिल कर ही लेता है लेकिन उसके लिए संघर्ष, संकल्प और दृढ़ इच्छा शक्ति होनी चाहिए और सीखने की भावना होनी चाहिए । अवनी लेखरा का नाम आप सब ने सुना होगा। 11 साल की आयु में उसकी रीड की हड्डी टूट गई और कमर के नीचे का पूरा हिस्सा बेकार हो गया लेकिन उस चोट ने उसके सपनों को नहीं तोड़ा। उसने शूटिंग की प्रैक्टिस शुरू की और टोक्यो पैरा ओलम्पिक में गोल्ड मेडल जीता और पैरा ओलम्पिक खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाली देश की पहली महिला बनीं और देश का नाम गौरवान्वित किया।

13- धर्म और संस्कृति का सम्मान - उन्होंने बेबाकी से कहा कि आज के बच्चे अपने कैरियर को लेकर बड़े ही फोकस्ड हैं। एक मैडम ने एक बच्चे से पूछा कि आप क्या व्यवसाय करना चाहते हैं। उन्होंने धर्म और संस्कृति के बारे में पूछा कि आप संस्कृति को क्यों आत्मसात करना चाहते हैं, तो उस बच्चे का बड़ा सुंदर जवाब था कि मैं खुश रहना चाहता हूं । उसने कहा सभी का धर्म और संस्कृति एक ही समान हैं। आपके मन में सभी धर्मो और संस्कृति का हमेशा मान सम्मान होना चाहिये और मेरी खुशी

किसी के दु:ख का कारण नहीं बनना चाहिए ।

14– जीवन में पाच तत्व हैं इसमें एक आत्मविश्वास भी है – एक व्यक्ति में इतना आत्मविश्वास तो होना ही चाहिए कि वह कह सके कि वह इस काम को कर सकता है। लक्ष्य के प्रति उसका प्रेम होना चाहिए । एक इंजीनियर अपने लक्ष्य से प्रेम करेगा तो उसके जीवन में एक परिवर्तन आएगा। अच्छे के लिए एक व्यक्ति स्पोर्ट्समैन बनना चाहता है तो उसको स्पोर्ट्समैन बनने के लिए अच्छी आदतें विकसित करनी होगी । कई लोग कहते हैं कि हमारे पास टाइम नहीं है लेकिन वह 4 घंटे मूवी देखते है । अपने समय को मैनेज करना सीखो और जो समय को मैनेज करता है वही सफल होता है । इसलिए समय की पहचान ही आपके जीवन में सफलता दिलाने के काम आएगी। उन्होंने कहा कि एक विद्यार्थी के जीवन में 10 साल बड़े ही महत्त्वपूर्ण होते हैं और अगर समय रहते हुए इन पर ध्यान केंद्रित कर लिया तो सफलता अवश्य ही कदम चूमेगी।

एलन मस्क दुनिया के सबसे धनवान व्यक्ति हैं और वह कहते है कि उनको मोटिवेशन की जरूरत ही नहीं है, क्योंकि उन्होंने पहले ही सोच लिया है । मैं 10 साल का काम 5 साल में और 5 साल का काम 1 साल में करवाने के लिए अपनी टीमें हायर करता हूं और यही मेरी सफलता का रहस्य है। हम तो बहाने बनाते हैं।

वलीमा रूडोल्फ उसको 9 साल की आयु में पोलियो हो गया, डॉक्टर ने कहा कि वह कभी चल नहीं पाएगी और उसने भी ओलंपिक में तीन गोल्ड मेडल जीते और वह तीन मेडल जीतने वाली इस दुनिया में पहली महिला है जबकि डॉक्टर ने कहा था वह चल नहीं पाएगी ।

15– असफलता ही सफलता की पहली सीढ़ी है– अगर मैं आईएएस परीक्षा के लिए तीन बार प्रयास नहीं करता तो, शायद आज मैं आईएएस टॉपर में नहीं होता और मुझे राजस्थान कैडर नहीं मिलता। कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जो जीवन में कभी न कभी असफल ना हुआ हो इसलिए असफलता की सीढ़ी पर पैर रखकर ही सफलता हासिल की जा सकती है। सफलता और असफलता जीवन के यह दो पहलू हैं। किस प्रकार से रामेश्वर में पैदा हुए भारत के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम, जिनके पिता एक नाविक थे और वह बचपन में अखबार बेचते का काम करते थे। उन्होने जीवन में बड़ी बाधाएं देखी और संघर्ष किया और इसी कारण वह जीवन में आगे बढ़े। जिसने बाधा नहीं देखी और संघर्ष नहीं किया वह आगे नहीं बढ़ सकता है। अब्दुल कलाम आजाद का एक सपना था कि मुझे मिसाइल बनानी है और सबसे पहले उन्होंने सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल बनाया फिर एसएलवी 3 बनाया जिसमें वह फेल हुए लेकिन आखिर उनकी मेहनत रंग लाई और भारत ने अपना उपग्रह अंतरिक्ष में छोड़ा। उन्होंने इंटीग्रेटेड गाइडेड मिसाइल डेवलपमेंट प्रोग्राम बनाया । पृथ्वी, अग्नि, आकाश, त्रिशूल और नाग यह पांच जो भारत के सबसे बड़े शस्त्र थे वे भी डॉक्टर अब्दुल कलाम ने बनाए ।

असफलता से ही सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है इसलिये असफलता को हथियार बनाकर आगे बढ़ना सीखो ।

कार निर्माता हैनरी फोर्ड घड़ियों की रिपेयरिंग का काम करते थे और वह 15 साल की उम्र में ही अनाथ हो गए थे। उन्होंने प्रयास किया और न केवल कार का निर्माण किया, बल्कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को भी एक बड़ी चीज दी, जिसे हम असेंबली लाइन के नाम से जानते हैं । वह अपने हाथ से मेहनत करते थे और यही उनकी सफलता का रहस्य है। जीवन में जो भी व्यक्ति अपने हाथ से मेहनत करता है वह निश्चित रूप से सफल होता है। मेहनत करके तो देखो, आपको सफलता अवश्य ही मिलेगी और यही हैनरी फोर्ड की सफलता का रहस्य था।

16– कड़ी मेहनत ही सफलता का मूल मंत्र है – इसका उदाहरण माइकल फिलिप्स का है। इनसे बड़ा, कड़ी मेहनत और अभ्यास का शायद ही कोई उदाहरण इस दुनिया में कोई हो । डाक्टरों ने उसके पिता को कहा शायद यह पढ़ नहीं पाएगा तो उसके पिता ने उसको स्वीमिंग करना सिखा दिया । स्वीमिंग में वह हर रोज 8 घंटे प्रैक्टिस करता था और वर्ष के 365 दिन में कभी भी क्रिसमस, अन्य

त्यौहार और अपने जन्मदिन की एक दिन की भी छुट्टी नहीं ली और उस व्यक्ति ने बीजिंग ओलंपिक में 8 गोल्ड मेडल लेकर अब तक के ओलंपिक के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल्ड मेडल लेने वाले व्यक्ति के रूप मे अपना नाम दर्ज करवाया । माइकल फिलिप्स ने अपने देश के लिए 23 मैडल जीते हैं।

डॉ. समित शर्मा ने विख्यात चित्रकार पिकासो का उदाहरण देते हुए कहा कि वह दुनिया का एक महानतम चित्रकारों में से एक था। वह एक बार किसी मेले में गए और किसी महिला ने उनको कहा कि आप मेरी पेंटिंग बना दो, पिकासो ने कहा मैडम सामने बैठो तो उन्होंने 30 सेकंड में उसकी एक बढ़िया सी पेंटिंग बना दी, पिकासो ने कहा मैडम, यह पेंटिंग 50000 डॉलर की है। महिला को विश्वास नहीं हुआ और वह बाजार में गई तो कुछ लोगों से पूछ रही है कि यह पिकासो की पेंटिंग है। लोगों ने कहा कि यह एक लाख डालर की है तो वह महिला वापस आकर पिकासो से बोली सर, आपने तो कमाल ही कर दिया 30 सेकंड में 50 हजार डॉलर की एक पेंटिंग बना दी और यह मुझे भी सिखा दो तब पिकासो ने कहा जो पेंटिंग मैंने 30 सेकंड में तुम्हें बनाकर दी है, उसे बनाने और सीखने के लिए मैंने अपने जीवन के 30 साल खर्च किए हैं। तुम भी अगर अपने जीवन के 30 साल दे सकती हो तो तुम्हें भी पेंटिंग बनानी आ जाएगी । उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह प्रेरणा से प्रयास और प्रयास से परिणाम की बात है और इसे हासिल करने के लिये कठिन परिश्रम, लगातार अभ्यास और लगन की आवश्यकता होती है । ***''करत करत अभ्यास के जड़मती होत सुजान''*** । बार-बार अभ्यास करने से जीवन में सफलता मिलती है इसलिए अपने जीवन में अभ्यास करो और अभ्यास ही एक ऐसा मूलमंत्र है जो आपकी छोटी-छोटी कमियों को दूर करके सफलता की और अग्रसर करता है और उसके लिए अदम्य इच्छा शक्ति होनी चाहिए ।

इसी प्रकार प्रसिद्ध क्रिकेट खिलाड़ी सचिन जिन्होंने 16 साल की उम्र में इतना बड़ा काम कर दिया। वह हर रोज 8 घंटे नेट प्रैक्टिस करते थे । इसलिए सचिन को क्रिकेट का भगवान कहा जाता है और लोग ब्रेडमेन और गावस्कर को भूल गए । यह सब प्रैक्टिस और मेहनत से ही संभव हुआ हैं और जिसकी इच्छाशक्ति कमजोर है और छोटी-छोटी बातों से जो घबरा जाते है उनको सफलता नहीं मिलेगी। सफलता के लिये सोचते तो सभी हैं, लेकिन इसे कोई-कोई ही कर पाता है। कौन कर पाता है, जिसके अंदर इच्छा शक्ति होती है और जिसका दमन नहीं किया जा सके।

इसी प्रकार गुरु गोबिंद का उल्लेख करते हुए कहा कि उसके दो पुत्रों फतेह सिंह और जोरावर सिंह को औरंगजेब ने दीवार में जिंदा चुनवाने का आदेश दिया, तो उन्होंने हंसते-हंसते इसे स्वीकार किया। क्या इतना दृढ़ संकल्प वाला कोई व्यक्ति हो सकता है। वह कहते थे कि **''सवा लख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरू गोबिंद सिंह नाम कहाऊं''।** आपको भी इतना ही संकल्पित होना पड़ेगा, इतना मजबूत होना पड़ेगा, इसके बाद कोई भी लक्ष्य बड़ा नहीं रहेगा।

इसलिए जीवन में, जैसा कर्म करोगे तो वैसी ही आदत की उत्पत्ति होगी और उस कार्य को बार-बार करोगे तो, वह आपका चरित्र और पहचान बन जाएगा और आपके विचारों के अनुसार ही आपका चरित्र बन जाएगा। इसलिए हमेशा कर्म में विश्वास रखो और कर्म करना ही जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है। भगवान श्री कृष्ण ने भी गीता के दूसरे अध्याय के 47वें श्लोक में अर्जुन को कर्मयोग का संदेश दिया था। इसलिए अपने जीवन में सफलता के लिए अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उनको लिख लीजिए और बोर्ड पर चिपका लीजिए, परिवार के साथ साझा करें और रोजाना उन पर निशान लगाए कि आपके द्वारा किए जा रहे हैं या नहीं, तभी तो जीवन में कुछ बदलाव आएगा ।

जीवन में कुछ योग्यता और गुण चाहिए, जिनमें इंटीग्रिटी, ईमानदारी, मानवता, धैर्य, अनुशासन, साहस, वफादारी, क्षमा, जिम्मेदारी, स्पष्टता कठिन परिश्रम, आभार व्यक्त करना और शालीनता पूर्ण व्यवहार और सबसे महत्वपूर्ण है, अपनी जिंदगी की मंजिल और सटीक लक्ष्य, तभी सफलता हासिल हो सकती है।

विपुल धन्यवाद।

☆☆☆

जोधपुर में आयोजित शिल्पी फाउंडेशन संस्थान द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में भामाशाहों द्वारा करोड़ों रुपए के दान की घोषणा की गई

राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर के अध्यक्ष अमराराम जांगिड

भारतीय प्रशासनिक सेवा के, राजस्थान कैडर के वरिष्ठ अधिकारी और पंचायती राज विभाग के शासन सचिव, डॉ. जोगा राम जांगिड ने कहा कि आज के इस डिजिटल युग में बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ बेहतर संस्कार और सामाजिक मूल्यों की जानकारी देना भी जरूरी है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि बदलते हुए इस वैश्विक परिदृश्य में, कड़ी मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच ही सफलता की वास्तविक कुंजी है। उन्होंने युवाओं को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान करते हुए कहा कि विद्यार्थी जीवन में 10 साल बड़े ही महत्वपूर्ण है और इन 10 सालों में ही विधार्थियों के जीवन की आधार शिला रखी जाती है और शिक्षा ही वह नींव है, जिस पर भविष्य की एक भव्य इमारत खड़ी की जा सकती है। शिक्षा और संस्कारों के द्वारा ही देश की भावी पीढ़ी का निर्माण हो सकता है। इसलिए विद्यार्थी जीवन में सत्य निष्ठा, लगन और लक्ष्य और तथा संकल्प के साथ आगे बढ़े, इससे जीवन में सफलता मिलना निश्चित है।

शिल्पी फाउंडेशन के निष्ठावान और समाज सेवा के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, जिस प्रकार से भामाशाहों पर मां लक्ष्मी ने अनुकम्पा करते हुए, उनके मुंह से जो दान की राशि घोषणा करवाई है, वह वास्तव में अभूतपूर्व है और शिल्पी भवन निर्माण के लिए जमीन की घोषणा सहित कुल मिलाकर लगभग 5-6 करोड़ रुपए की घोषणा दानदाताओं और भामाशाहों द्वारा इस समारोह के दौरान की गई है। ऐसे सभी दानदाताओं का शिल्पी फाउंडेशन के अध्यक्ष और पदाधिकारी हृदय के अन्त-करण से आभार व्यक्त करतें है।

डॉ. जोगा राम 14 सितम्बर को जोधपुर में शिल्पी फाऊंडेशन संस्थान द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में बोल रहे थे। इस समारोह में में 10वीं, 12वीं, कक्षा से स्नातक तक 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले 115 विद्यार्थियों तथा संस्था के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयनित 48 युवाओं और भामाशाहों को, साफा माला अर्पण एवं स्मृति चिह्न प्रदान प्रदान कर संस्थान के अध्यक्ष प्रेम सुख शर्मा और उसकी टीम के सदस्यों द्वारा सम्मानित किया गया। शिल्पी फाउंडेशन संस्थान, जोधपुर द्वारा इस सम्मान समारोह का आयोजन श्री विश्वकर्मा पब्लिक स्कूल, शास्त्री नगर जोधपुर में आयोजित किया गया था ।

डॉ. जोगा राम सुथार ने कहा कि आज के युग में शिक्षा के बिना जीवन निरर्थक है समाज को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ उच्च शिक्षा की कोचिंग कक्षाओं के माध्यम से प्रतिभाओं को तरसते एवं उनका आर्थिक सहयोग प्रदान करके आगे बढ़ाने में सहायता करनी चाहिए, उन्होंने कहा कि शिल्पी फाउंडेशन संस्थान के पदाधिकारी इस मामले में आगे आएं और समाज के गरीब और जरूरतमंद बच्चों को प्रोत्साहन दें ताकि वह वह जीवन में आगे बढ़ सके और समाज का तीव्र गति से विकास संभव हो सके।

महासभा के अंतरराष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं राजस्थान फाउंडेशन दुबई के अध्यक्ष अमराराम जागिड ने कहा कि सुथार-जांगिड समाज ने मेहनत एवं लगन से अपनी कार्य कुशलता के आधार पर, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर औद्योगिक जगत एवं अन्य क्षेत्रों में अपनी विशेष पहचान कायम की है। उन्होंने कहा कि वह विदेश में राजस्थान के उद्योगपतियों को, राजस्थान में निवेश करके, उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन देने के जनजागरण के कार्य में लगे हुए हैं ताकि राजस्थान प्रदेश के विकास में भागीदारी हो सके। उन्होंने कहा कि शिल्पी फाउंडेशन संस्थान के गठन का प्रमुख उद्देश्य शिक्षा को बढ़ावा देकर, समाज को शैक्षणिक रूप से उन्नत एवं विकसित करना रहा है और मुझे खुशी है कि मेरी पहल पर समाज के भामाशाहों ने अभूतपूर्व आर्थिक सहयोग किया है।

शिल्पी फाउंडेशन संस्थान सुचारू रूप से कार्य प्रेम सुख शर्मा के नेतृत्व में कर रहा है। उन्होंने कहा कि की कई बार आर्थिक विषम परिस्थितियों के कारण प्रतिभा मां छात्र-छात्राएं आगे नहीं पढ़ पाते हैं और उन्होंने भरोसा दिलाया और संकल्प व्यक्त किया कि ऐसी जरूरतमंद विद्यार्थियों के कैरियर चैन में हर तरह का सेल्फ फाउंडेशन द्वारा सहयोग किया जाएगा।

राजस्थान सरकार में विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष, रामगोपाल सुथार ने युवाओं का आह्वान किया कि आज के इस आधुनिक युग में शिक्षा के साथ-साथ लोगों को हुनर और उद्यमिता के अवसरों की पहचान की जरूरत है, क्योंकि शिक्षा के साथ-साथ स्किल का बेहतरीन सामंजस्य स्थापित होने से युवाओं में आत्मविश्वास की भावना पैदा होगी और वह जीवन में आशातीत सफलता हासिल कर सकते हैं।

समारोह को संबोधित करते हुए प्रख्यात उद्योगपति और विनम्रता और सरल स्वभाव की प्रतिमूर्ति और समाज रत्न, धर्म कुलारिया ने शिक्षा सुधार और बालिका शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए, युवाओं का आह्वान किया कि आज के इस आधुनिक युग में महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में, प्रगति की नई इबारत लिख रही हैं और मेरा तो सभी अभिभावकों से यही विनम्र सुझाव है कि अगर समाज की बालिकाएं शिक्षित होगीं, तो पूरा समाज शिक्षित होगा, क्योंकि एक लड़की के शिक्षित होने से दो परिवार शिक्षित होते हैं। सबसे पहले वह लड़की अपने भाई-बहिन को शिक्षित करती है और शादी के पश्चात अपने बच्चों को शिक्षा प्रदान करती है। इसलिए आज के इस सूचना एवं प्रौद्योगिकी युग में बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने की महत्ती आवश्यकता है और किसी भी समाज की प्रगति भी इसी शिक्षा पर निर्भर करती है और इस पुण्य और समाज उत्थान के कार्य में, हर परिवार को इसमें सहयोगी बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि गांव सिलवा में सर्व शिक्षा के लिए आध्यात्मिक एवं शैक्षणिक केंद्र आधुनिक संसाधनों से युक्त बनाकर शिक्षा को समर्पित किया गया है। उन्होंने जोधपुर शिल्पी फाउंडेशन संस्थान को 21 लाख रुपए की दान राशि देने की घोषणा भी की ताकि, छात्र-छात्राओं की मदद की जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय उद्यमी लंदन से आए, सुखदेव जांगिड ने भरोसा दिलाया कि उनके द्वारा समाज के होनहार और प्रतिभावान युवाओं की उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। **उन्होंने कहा कि इस समाज में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और उन्होंने भरोसा दिलाया कि**

जो युवा आई.ए.एस., आर.ए.एस. और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और कठिन परिश्रम और संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं, ऐसी प्रतिभाओं को समाज और प्रवासी भारतीय हर स्तर पर सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि समाज के युवाओं को इंजीनियरिंग एवं तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित करके, ईमानदारी, निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करते हुए अपना भविष्य सुनिश्चित करना चाहिए ताकि समाज का नाम विश्वभर में रोशन हो सके।

शिल्पी फाउंडेशन जोधपुर के अध्यक्ष प्रेमसुख शर्मा ने कहा कि, शिल्पी फाउंडेशन जोधपुर ने समाज के सहयोग से, शैक्षणिक क्षेत्र में प्रतिभावान विद्यार्थियों को कोचिंग करवाने, करियर के बारे में मार्गदर्शन करने, आर्थिक सहयोग एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवारकर, उन्हें आर.ए. एस, आई.ए.एस, डॉक्टर, इंजीनियर एवं तकनीकी के क्षेत्र में दक्ष करने के कार्य में में कार्यरत है। समाज की भामाशाहों को साधुवाद देते हुए उन्होंने कहा कि इन दानदाताओं और भामाशाहों ने शिल्पी फाउंडेशन को अपार आर्थिक सहयोग प्रदान करके समाज के उत्थान का मार्ग प्रशस्त किया है। उन्होंने कहा कि शिल्पी फाउंडेशन वर्ष 2014 से एक सक्रिय फाउंडेशन के रूप में कार्य कर रहा है और विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग प्रदान कर रहा है। इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करना है।

जोधपुर के उद्योगपति एम.डी. शर्मा एवं पूनाराम बरनेला द्वारा बड़ा दिल दिखलाते हुए शिल्पी फाउंडेशन का भवन निर्माण करने के लिए भूमि देने की घोषणा की और इस जमीन की कीमत लगभग दो-तीन करोड़ रुपए होगी और इस घोषणा का सभी उपस्थित महानुभावों ने तालियां बजाकर स्वागत किया और इस उदार वित्तीय सहायता के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान उनकी इस उदात्त दान भावना को इसी प्रकार से बनाए रखे।

शिल्पी फाउंडेशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गणपत लाल सुथार ने समाज के भामाशाहों और कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए, नागौर बीकानेर, पाली बाड़मेर, सांचौर और जालौर के सभी ब्लॉक अध्यक्षों और समाज की विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों द्वारा किए गए कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। इस कार्यक्रम की समुचित व्यवस्था करने वालों में, जिन्होंने समारोह का सारा खर्च वहन किया उनमें, एम.डी. शर्मा, वासुदेव बुडढ, पूनाराम बरनेला एवं जीवाराम शर्मा का भी आभार व्यक्त किया कि, उन्होंने कार्यक्रम का खर्चा अपने स्तर पर वहन करके शिल्पी फाउंडेशन का भरपूर सहयोग किया है। उन्होंने समाज के सभी आगुन्तकों एवं समाज बंधुओ का धन्यवाद व्यक्त किया । इसी प्रकार आर.ए.एस अधिकारी अशोक कुमार सहित अनेक गणमान्यों ने शिक्षा, हुनर और आत्मनिर्भरता को, समाज के उत्थान का मूल आधार बताया।

एडवोकेट पुखराज जांगिड ने बताया कि **लंदन के सुखदेव जांगिड द्वारा 1 करोड़ रुपए, मुंबई के उद्योगपति भामाशाह धर्म कुलरिया सिलवा, द्वारा 21 लाख रुपए, महासभा के अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड 11 लाख 51 हजार रुपए, दुबई के उद्योगपति तुलसा राम द्वारा 11 लाख 51 हजार रुपए, आयकर विभाग के ट्रिब्यूनल के पूर्व सदस्य रमेश शर्मा द्वारा 11 लाख रुपए, जगदीश कनोई द्वारा 11 लाख रुपए, मुम्बई के उद्योगपति सूरजमल मांकड़ द्वारा 11 लाख रुपए, अहमदाबाद के उद्योगपति भंवरलाल आसदेव द्वारा 5 लाख 51 हजार रुपए, भंवरलाल गुगरिया द्वारा 5 लाख रुपए, श्रीराम जांगिड द्वारा 5 लाख रुपए, बेंगलुरु के उद्योगपति मनीष बामनिया द्वारा 2 लाख 51 हजार रुपए, लक्ष्मण सांड और सोहनलाल सांड प्रत्येक द्वारा 1.50 लाख रुपए, रावलराम चोयल, एक लाख रुपए, पीरामन मीनवाल के द्वारा 51 हजार रुपए। जोधपुर के उद्योगपति एम.डी. शर्मा और पूनाराम बरनेला द्वारा भवन निर्माण के लिए भूमि देने के लिए घोषणा की गई।**

शिल्पी फाउंडेशन के निष्ठावान और समाज सेवा के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, जिस प्रकार से भामाशाहों पर मां लक्ष्मी ने अनुकम्पा करते हुए, उनके मुंह से जो घोषणा दान के रूप में करवाई है वह वास्तव में अभूतपूर्व है। शिल्पी भवन निर्माण के लिए जमीन की घोषणा सहित कुल मिलाकर लगभग 5-6 करोड़ रुपए की घोषणा, दानदाताओं और भामाशाहों द्वारा समारोह के दौरान की गई है। ऐसे सभी दानदाताओं का शिल्पी फाउंडेशन के अध्यक्ष और पदाधिकारियों की तरफ से हृदय के अन्त-करण से आभार।

इस कार्यक्रम की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, जिला एवं सत्र न्यायाधीश एम.एस. जांगिड, उपभोक्ता संरक्षण कोर्ट के अध्यक्ष, आर.ए.एस श्रीमती गोमती शर्मा, राजकुमार सुथार, इनकम टैक्स ट्रिब्यूनल के पूर्व जज, आर. सी. शर्मा, राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा पवार, प्रदेश महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष डॉ. रेणु शर्मा जांगिड, उपाध्यक्ष श्रीमती मीना जांगिड, महासभा के उच्च स्तरीय समिति के सदस्य एडवोकेट पुखराज जांगिड और उपप्रधान एडवोकेट भारत भूषण शर्मा, डीटीपी अशोक जांगिड, प्रोफेसर सी.आर. सुथार, शिल्पी फाउंडेशन के उपाध्यक्ष, ओम प्रकाश किंजा, सचिव चंचल राजशर्मा, कोषाध्यक्ष बाबूलाल भदरेचा, एम.जी. शर्मा, किशनलाल भदरेचा, सूरजमल माकड़, जैसलमेर के जगदीश कुलरिया, जोधपुर के प्रमुख उद्योगपति एवं भामाशाह एम.डी. शर्मा भंवरलाल वासुदेव पाली, अशोक कुमार जांगिड, दुबई के उद्योगपति तुलसाराम जोपिंग, अतिरिक्त महाधिवक्ता श्याम सुंदर भदरेचा, भारत सरकार के पैरोकार निमेष सुथार, प्रदेश सभा के विधि प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एडवोकेट हरीश जांगिड, जांगिड विकास संस्थान के अध्यक्ष गणेश बिजानी, विश्वकर्मा जांगिड पंचायत जोधपुर के अध्यक्ष वासुदेव बुडढ, एडवोकेट कैलाश जांगिड, हरीश जांगिड बाड़मेर, गुलाब प्रसाद बरड़वा, रावल राम कुलरिया, जगदीश खंडेलवाल कार्यकारी प्रदेशअध्यक्ष दिल्ली, किशोरी लाल भदरेचा, गोपी किशन दुगेसर, जीवाराम रालडीया, स्वाति इंटीरियर के सूरजमल, नरेन्द्र जांगिड, उद्यमी - जगदीश कनोई, वासुदेव बुढ़ल, भोमाराम, प्रदीप माकड़ सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य शामिल हैं।

☆☆☆

वर चाहिए

1. Wanted a suitable match for Jangid Brahmin girl in Delhi D.O.B- 18/05/1996, Birth time 10:55 PM, Ht-5'1", Birth Place- Village Hassangarh, Rohtak, Haryana. Education Bsc, B.Ed, MSc Chemistry,C.T.E.T.. Teacher by profession in private school Delhi. **Gotra Self**-Kalonia, **Mother**-Baiday, **Grandmother**-Khandelwal, **Maternal Grandmother-** Kagtaan. Contact:- Mr. Parshant - 9728008171.

2. Wanted a suitable match for Jangid Brahmin girl in Delhi D.O.B- 06/05/2001, Birth time 07:05 AM, Ht-5'1", Birth Place- Swai Madhopur, Rajasthan, . Education: BA, B.Ed, Computer RSCIT & Accounts (Tally/Busy). **Gotra Self**- Bahrawadiya, Mother-Pachriya, **Grandmother**-Palwad,Godhdiwal, **Maternal** Grandmother-Bukariya. Contact:- Mr. Devendra Kumar Jangid - 9413153268, 9413719477.

मातृशक्ति के सशक्तिकरण और बढ़ते हुए कदमों को परिलक्षित करने के लिए कारगर कदम

राजस्थान की उप मुख्यमंत्री और समारोह की मुख्य अतिथि दिया कुमारी ने अपने ओजस्वी भाषण में कहा कि महिलाएं, अपनी प्रतिभा और दक्षता के बल पर आज प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। महिलाओं का सम्मान करना हमारी सनातन संस्कृति की पहचान है। आज महिलाओं के लिए एक स्वर्ण युग है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक कदम उठाए हैं कि कैसे महिलाओं को आगे बढ़ाया जाए और उनकी योजनाओं का केंद्र बिन्दु महिलाएं ही रहीं हैं चाहे घर में पीने का पानी या शौचालय निर्माण का प्रश्न है।

उप मुख्यमंत्री ब्यावर में 7 अक्टूबर को, राजस्थान महिला प्रकोष्ठ द्वारा महिला सशक्तिकरण के बारे में आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य, महिलाओं को जागृत करने के साथ ही उनकी सामाजिक और आर्थिक हालत को कैसे सुधारा जाए । इस कार्यक्रम का आयोजन, प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रेणु जांगिड और उसकी टीम के द्वारा किया गया था, जिसमें प्रदेश भर की महिलाओं और मातृशक्ति ने उपस्थित होकर इसकी भव्यता को और जाज्वलयवान और गरिमामय बना दिया। यह प्रदेश स्तरीय मातृशक्ति अधिवेशन 2025 'महिला सशक्तिकरण एक कारगर कदम' का आयोजन महिलाओं में एक सकारात्मक संदेश देने में सफल रहा ।

उप मुख्यमंत्री ने, नारी सशक्तिकरण पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लोकसभा में महिलाओं के लिए लोकसभा और विधानसभा चुनाव में 33 प्रतिशत का आरक्षण प्रदान करके महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया। इस तरह के अनूठे एवं अनुकरणीय अधिवेशन के आयोजन के लिए, उन्होंने महिला प्रकोष्ठ प्रदेश सभा अध्यक्ष डॉ. रेणु जांगिड का आभार व्यक्त किया और भविष्य में ऐसे व्यापक और साथ गर्वित आयोजनों और योजनाओं में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज राजस्थान की महिलाओं का इस तरह से भारी संख्या में उपस्थित होना हमारे समाज के लिए गौरव की बात है और इससे परिलक्षित होता है कि आज समाज की महिलाएं पुरुषों के बराबर ही नहीं, बल्कि नेतृत्व करने की क्षमता भी रखती है और आने वाले समय में महासभा की कमान भी किसी महिला के हाथों में हो सकती है। उन्होंने सोल्जर सिस्टर पार्वती सुथार को हार्वाड द्वारा मार्च 2025 में विश्व की 100 सर्वश्रेष्ठ महिलाओं में पार्वती जांगिड को तीसरा स्थान हासिल होने पर इस उपलब्धि पर बधाई दी और इसके साथ ही मनिका विश्वकर्मा सुथार को भी मिस यूनिवर्स इण्डिया बनने पर बधाई देते हुए कहा कि आशा है और समाज का आशीर्वाद उनके साथ है और वह नवम्बर में होने वाली मिस यूनिवर्स जीतकर समाज का नाम गौरवान्वित करेगी।

राजस्थान सरकार की पूर्व मंत्री एवं अजमेर दक्षिण की विधायक श्रीमती अनीता भदेल ने अपने भावपूर्ण उद्बोधन से, उपस्थित महिलाओं में एक नई ऊर्जा का संचार किया उनकी आत्मीयता और सदैव सेवा को तत्पर रहने का भाव जांगिड समाज के लिए एक विशेष उपलब्धि है। उन्होंने महिलाओं के बारे में अपनी सकारात्मक सोच का उदाहरण देते हुए कहा कि महिलाएं, हीरे के समान हैं, उनको हीरे की तरह संभाल कर रखना चाहिए और आधुनिक युग में महिलाओं को, अपने आप को हीरे की तरह ढककर रखना चाहिए ताकि उसकी गरिमा बनी रहे।

श्री विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष राम गोपाल सुथार ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में अधिवेशन की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए, महिला सशक्तिकरण के लिए किए जाने वाले प्रत्येक कार्य में भरपूर सहयोग का

विश्वास दिलाया। उन्होंने कहा कि आज महिलाओं ने प्रत्येक क्षेत्र में अपनी दक्षता और प्रतिभा से नए-नए आयाम स्थापित किए हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड ने नारी सशक्तिकरण सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए कहा कि सबसे पहले तो मैं, नारी सशक्तिकरण के लिए आयोजित इस भव्य कार्यक्रम के लिए महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. रेणु जांगिड को बधाई देता हूं, जिन्होंने इतना भव्य कार्यक्रम आयोजित किया है। आज के इस आधुनिक युग में मातृशक्ति समाज की वह सुदृढ़ नींव है, जिस सृजन की आधारशिला पर, एक विशाल महल खड़ा किया जा सकता है। मातृशक्ति में वह दिव्य ऊर्जा हैं, जिनके आशीर्वाद से यह सृष्टि मुस्कुराती है और जो परिवार को जोड़ने के साथ ही समाज को संवारती हैं, और सृष्टि को चलाती हैं।

अमरा राम जांगिड ने, समाज में महिलाओं के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि, कभी समय था कि एक नारी, घर की चौखट तक ही सीमित थी, पर आज वह चौखट लाँघकर प्रत्येक क्षेत्र में नए-नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं और इसके साथ ही शिक्षा ने, महिलाओं की सोच और सपनों को भी नए पंख लगाएं हैं। आज मातृशक्ति केवल गृहलक्ष्मी नहीं है, अपितु समाज की निर्माता हैं तथा आज की नारी एक डॉक्टर है, इंजीनियर है, शिक्षिका है, वैज्ञानिक हैं और मातृशक्ति ने प्रधानमंत्री से लेकर राष्ट्रपति तक के पदों को सुशोभित किया है और मातृशक्ति वह दीपक हैं, जो घर, समाज और देश को रोशन करने के साथ ही घर में मुस्कान और घर में उजाला लाती हैं।

महासभा की महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा ने महिलाओं के उत्थान के बारे में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, महिला परिवार और समाज की धूरी है, पाश्चात्य की आंधी में आसक्त हो कर, मातृशक्ति अपनी भारतीय संस्कृति का परित्याग कर रही है। एक सशक्त सुसंस्कृत नारी ही परिवार को संस्कारित कर सकती है, जिससे समाज के समग्र विकास व देश का भी खुद ब खुद विकसित सुनिश्चित हो सकेगा। एक महिला, नांव बनकर, वह महिला एक नही अपितु दो-दो कुलों की तारक बनती है। समाज की मातृशक्ति के सशक्तिकरण के लिए मैं, वर्षो से प्रयासरत हूँ और इस सुअवसर मैं बहनो को जागृत करती हूं उठो जागो क्योंकि - शिव भी मुझ बिन शव, उनकी भी शक्ति हूँ मैं।

महासभा के पूर्व प्रधान रवि शंकर शर्मा ने, अपने भावपूर्ण उद्बोधन में यहां तक कह दिया कि आज के इस भव्य आयोजन से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि आने वाले समय में महासभा प्रधान पद पर एक महिला सुशोभित होगी। प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा एवं पूर्व अध्यक्ष संजय हर्षवाल ने भी संक्षेप में महिलाओं के लिए अपने श्लाघनीय और शक्तिवर्धक विचार व्यक्त किए।

महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेसर डॉ. रेणु जांगिड ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि, इस अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक आर्थिक राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से सशक्त बनाना है और महासभा के 118 सालों के इतिहास में, इतना विशाल महिला अधिवेशन और अनूठा कार्यक्रम पहली बार ब्यावर की इस ऐतिहासिक धरा पर आयोजित किया गया है। ब्यावर की धरती पर जांगिड - सुथार समाज की हजारों की संख्या में महिलाओं का जो हजूम उमड़ा है, उसने देश-दुनिया को दिखा दिया है कि जांगिड-सुथार समाज की महिलाएं भी अब दूसरे समाजों की तरह जागृत हो चुकी हैं और यह कदम महिला सशक्तिकरण के एक कारगर कदम सिद्ध होगा।

महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती कंचन जांगिड ने कहा कि महिला प्रकोष्ठ को पहली बार एक जुझारू और उच्च शिक्षित महिला अध्यक्ष मिली है और उनके उद्बोधन के एक-एक शब्द ने महिलाओं को अभिभूत कर दिया और समाज की महिलाओं की यह आम धारणा है और महिलाओं को एहसास हुआ की पहली बार नीलू

शर्मा के बाद महिला प्रकोष्ठ को एक ऐसा सशक्त और ऊर्जावान अध्यक्ष मिली है, जिनके नेतृत्व में हम समाज में उचित और सम्मानजनक मुकाम हासिल कर सकती हैं।

कार्यक्रम में जांगिड समाज की संत परम्परा की महान विभूति श्रीमती भूरी बाई के जीवन दर्शन पर आधारित, अलख आश्रम की महिलाओं ने भजन की प्रस्तुति दी एवं भूरि बाई के पद चिह्नों पर चलने का आह्वान किया कि किस प्रकार से पारिवारिक जीवन के अपने दायित्वों को निभाते हुए आध्यात्मिकता के मार्ग पर चलकर जीवन का कल्याण सुनिश्चित हो सकता है।

भारतीय स्त्री शक्ति की सचिव श्रीमती पुष्पा जांगिड ने महिलाओं के सशक्तिकरण के विभिन्न आयामों का उल्लेख करते हुए राष्ट्र और समाज के विकास में महिलाओं की अहम भूमिका पर अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किए।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि देश में पहली बार महिलाओं के लिए एक हेल्पलाइन नंबर जारी किया गया है जिसका कोऑर्डिनेटर श्रीमती सुषमा जांगिड एवं श्रीमती प्रेरित शर्मा को बनाया गया है। इस हैल्पलाईन के माध्यम से संपूर्ण प्रदेश में जांगिड समाज की महिलाओं को किसी भी प्रकार की सहायता के लिए दिए गए नंबर पर कॉल करके, अपनी समस्याओं के लिए मदद मांग सकती है और जांगिड महिला हेल्पलाइन का नंबर **7014853963-7014853963** है। इस हैल्पलाइन नंबर के द्वारा एक प्रयास किया गया कि महिलाएं अपनी समस्या घर बैठे ही साझा कर पाए और इसके माध्यम से महिलाओं को मानसिक रूप से सशक्त बनाने का प्रयास किया गया है। आर्थिक सशक्तिकरण के संदर्भ में इंगित करते हुए, यह बताया गया कि किस प्रकार से महिला घर से, बंदरवाल, पूजा का सामान, ठाकुर जी की वेशभूषा आदि कलात्मक चीजों से आर्थिक रूप से सशक्त हो सकती है। इसके साथ ही महासभा की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती सविता शर्मा ने भी महिला सशक्तिकरण पर प्रकाश डालते हुए अपने सारगर्भित विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के प्रदेश मंत्री अजीत मांडन, प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष गजानन शर्मा, प्रदेश के महामंत्री कैलाश शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती नीलू शर्मा ने भी इस सशक्तिकरण सम्मेलन को संबोधित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ब्यावर जिले की महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती रीटा कवंलेचा एवं शाखा सभा अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी पाटोदिया की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण रही।

इस अवसर को शोभा को द्विगुणित करने वालों में, ब्यावर जिला अध्यक्ष ब्रह्मदेव, राजस्थान मुख्य चुनाव अधिकारी बसंत गेपाल, कमल, जगदीश, पुष्कर एवं उनकी समस्त टीम ने महिलाओं के साथ अपने अथक प्रयासों से इस कार्यक्रम को मूर्त रूप दिया। अंत में महिला प्रकोष्ठ की कार्यकारी अध्यक्ष, श्रीमती कंचन जांगिड ने सभी अतिथियों और सम्मेलन में उपस्थित मातृशक्ति व अन्य महानुभावों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। राष्ट्रीय गान के साथ अधिवेशन का समापन हुआ।

राजस्थान महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष, डॉ. रेणु जांगिड

प्रदेश सभा राजस्थान द्वारा समाज की होनहार प्रतिभाओं को सम्मानित करने के लिए 16 नवम्बर 2025 को एक राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है और इस अवसर का लाभ उठाने के लिए, इच्छुक प्रतिभागियों द्वारा अपना प्रतिवेदन आवश्यक दस्तावेजों सहित 30 अक्टूबर तक प्रदेश सभा को भेजना सुनिश्चित करें। अधिक जानकारी के लिए आवेदन पत्र मे दिये गये नम्बरों पर सम्पर्क कर सकते है। विपुल धन्यवाद।

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष, घनश्याम शर्मा

गुजरात प्रदेश से महासभा के सर्वाधिक प्लेटिनम सदस्य बनाने वाले गुजरात के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कैलाश जांगिड

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष गुजरात, कैलाश जांगिड

गुजरात के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, कैलाश जांगिड ने अपने कार्यकाल मे किए गए कार्यों का ब्यौरा देते हुये बताया कि मेरे तीन वर्षों के कार्यकाल के दौरान गुजरात प्रदेश में सर्वाधिक 26 प्लेटिनम सदस्य बनाये साथ ही मुंडका मे महासभा भवन के निर्माण के लिए सहयोग के रूप मे 31.85 लाख रुपए की राशि गुजरात प्रदेश के भामाशाहों द्वारा भेजी गयी । इस धनराशि के साथ-साथ सूरत जिला अध्यक्ष, एकलिंग जांगिड ने मुंडका मे महासभा भवन निर्माण में लगने वाले सारे पत्थर की निःशुल्क आपूर्ति कर भवन निर्माण में अहम योगदान किया है। इस प्रकार से प्रदेश सभा के सौजन्य से कुल 67 लाख 54 हजार 111 रुपए की राशि महासभा को जमा करवाई गई है। मेरे कार्यकाल मे कुल 1900 सदस्य महासभा के बनाए गए हैं जिसमे अकेले सूरत शहर में ही महासभा के लगभग 1125 सदस्य महासभा रुपी परिवार में जोड़कर, प्रधान रामपाल शर्मा के मिशन डेढ़ लाख सदस्य के अभियान को एक मजबूती प्रदान की गई। वर्तमान मे गुजरात में महासभा के सदस्यों की संख्या बढ़कर 6000 तक पहुंच गई है। इसी दौरान गुजरात प्रदेश सभा सूरत मे 3 जनवरी 2023 को महासभा कार्यकारिणी की त्रैमासिक बैठक का भव्य आयोजन भी किया गया था ।

गुजरात प्रदेश अध्यक्ष कैलाश शर्मा को 2024 का सर्वश्रेष्ठ प्रदेश अध्यक्ष का पुरस्कार दिया गया था।

कैलाश जांगिड ने भावुक होते हुए कहा कि समाज ने मुझे 3 वर्ष तक प्रदेश सभा के अध्यक्ष के रूप में सेवा करने का का मौका दिया। इस दौरान मैंने समाज के लोगों को साथ लेकर चलने का हर संभव प्रयास किया है ताकि महासभा परिवार में अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ा जाए और साथ ही गुजरात प्रदेश में जांगिड ब्राह्मण - सुथार समाज का एक मजबूत संगठन तैयार किया जा सके । इसके साथ ही प्रदेश सभा भवन बनाने के लिए भी **''अंगिरा चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत''** का गठन किया गया है जिसके 5 लाख रुपए वाले सदस्य बनाए जा रहे हैं इस ट्रस्ट के अब तक कुल 21 सदस्य बनाए जा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि महासभा प्रधान रामपाल शर्मा के आदेशो को शिरोधार्य करते हुए ही मैंने अपने कार्यकाल के दौरान इस बात का भरसक प्रयास किया है कि चाहे जिला अध्यक्ष हो या तहसील अध्यक्ष सब निर्विरोध रुप से निर्वाचित हों ताकि समाज में एक सकारात्मक संदेश जाए और मुझे इस बात का गर्व है कि 16 जुलाई 2025 को ही गुजरात प्रदेश में 7 जिला अध्यक्ष निर्विरोध रूप से निर्वाचित हुए हैं और इससे पहले भी गुजरात में जितने भी जिला अध्यक्ष के चुनाव हुए हैं उनमें सभी को निर्विरोध निर्वाचित किया गया है। मेरे कार्यकाल के दौरान 17 जिला अध्यक्षों के चुनाव हुए और वह सभी निर्विरोध रुप से निर्वाचित हुए हैं। इसके साथ ही सभी तहसील अध्यक्ष भी निर्विरोध बनाए गए हैं। साथ ही प्रदेश स्तर पर पहली बार महिला प्रकोष्ठ की स्थापना कर महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष की नियुक्ति की गई और उन्होंने महिला प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति की ।

कैलाश जांगिड ने कहा कि 6-7 सितंबर को प्रदेश सभा के अध्यक्ष के पद के लिए चुनाव निर्धारित किया गया था और इस चुनाव में कुल तीन उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए थे जिसमें डभाण से राजेंद्र शर्मा, सूरत से कैलाश जांगिड और अहमदाबाद से राम अवतार जांगिड शामिल थे। लेकिन प्रधान रामपाल शर्मा के सर्वसम्मति बनाने के आदेश का पालन करते हुए प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में भी सर्वसम्मति बनाने का प्रयास किया गया। मैंने तथा अहमदाबाद के रामावतार जांगिड ने राजेंद्र शर्मा के पक्ष में नामांकन पत्र वापस लेकर राजेंद्र शर्मा के निर्विरोध निर्वाचन का रास्ता प्रशस्त किया। मैं राजेन्द्र शर्मा को अध्यक्ष बनने पर बधाई देने के साथ ही उनको विश्वास दिलाता हूं कि हम सभी मिलकर एक टीम के रूप में गुजरात प्रदेश में महासभा के सदस्यों की संख्या को बढ़ाने के साथ-साथ गुजरात मे प्रदेश भवन बनाने के लिए भी अथक प्रयास करेंगे। आपस में मिलकर समाज के बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवाने के प्रयास करेंगे ताकि हमारा समाज आगे बढ़ सके और समाज के बच्चे शिक्षित होकर वरिष्ठ अधिकारी बनकर समाज का नाम रोशन हकर सके।

इसके साथ मैं गुजरात प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद शर्मा का भी आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपनी मां के नाम से **''सन्तोष राधेश्याम चैरिटेबल ट्रस्ट सूरत''** का गठन कर समाज के आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को एक संबल प्रदान किया है। प्रमोद शर्मा ने समाज के बच्चों के सपनों को साकार करने के लिए पिछले 6 महीनों के दौरान उदारता पूर्वक 14 बच्चों की सारे सत्र की कुल फीस जमा करवाकर 4 लाख 12 हजार 865 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की है। समाज के ऐसे भामाशाह का मैं अपनी तरफ से और गुजरात प्रदेश के लोगों की तरफ से हृदय की गहराइयों से आभार और धन्यवाद व्यक्त करता हूँ। मैं समाज के उन सभी लोगों का भी आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होने मुझे पिछले तीन सालों के दौरान भरपूर सहयोग दिया और इसी सहयोग के कारण मैं प्रदेश के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को पूरा करने में कुछ हद तक सफल रहा । मैं नव निर्वाचित अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा और कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद शर्मा को पुन: बधाई देता हूं और आशा करता हूँ कि उनके नेतृत्व में समाज नई ऊंचाइयां हासिल करेगा ।
विपुल धन्यवाद...........

सम्पादक, राम भगत शर्मा

गौरी शंकर जांगिड
लावा मालपुरा तहसील अध्यक्ष

सागर जांगिड
देवली तहसील अध्यक्ष

कैलाश चंद जांगिड
अलीगढ तहसील अध्यक्ष

कृष्ण कुमार जांगिड
पीपलू तहसील अध्यक्ष

ओम प्रकाश जांगिड
नगरफोर्ट तहसील अध्यक्ष

कन्हैया लाल जांगिड
निवाई तहसील अध्यक्ष

राधेश्याम जांगिड
उनियारा तहसील अध्यक्ष

नरेन्द्र जांगिड
दूनी तहसील अध्यक्ष

अशोक कुमार जांगिड
टोंक तहसील अध्यक्ष

गोपाल जांगिड
टोडाराय सिंह तहसील अध्यक्ष

टोंक जिला अध्यक्ष, हनुमान प्रसाद जांगिड

भोलाराम शर्मा, छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

श्री भोलाराम शर्मा

भोला राम शर्मा एक साधारण परिवार में पैदा होकर अपने संघर्ष, मेहनत, परिश्रम और पुरुषार्थ के बल पर एक साधारण कार्यकर्ता से छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष पद पर पहुंचे हैं। उनको 16 अगस्त 2025 को निर्विरोध रूप से छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा का अध्यक्ष नियुक्त करके प्रदेश के समांज बंधुओ ने एकता की मिसाल कायम करते हुए, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा के सर्वसम्मति से अध्यक्ष बनाने के सपनों को मूर्त रूप देते हुए आपसी सौहार्द और सहयोग का एक अनूठा उदाहरण पेश किया है।

छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष के पद पर निर्विरोध रुप से चयनित होने वाले भोलाराम शर्मा, संघर्ष की एक साक्षात प्रतिमूर्ति है। विनम्र स्वभाव और हंसमुख प्रवृत्ति के धनी, भोलाराम शर्मा के संघर्ष की कहानी हरियाणा के महेन्द्रगढ़ जिले के एक छोटे से गांव बेरी से शुरू होती हैं । उनका जन्म 18 जनवरी 1955 को पिता मनोहर लाल शर्मा और माता श्रीमती गेंदा देवी शर्मा के घर हुआ था। बचपन से ही उनको गरीबी के अभिशाप से जूझना पड़ा और यही कारण था कि उनको अपनी स्नातक की पढ़ाई भी बीच में छोड़नी पड़ी और घरबार चलाने के लिए उन्हें कठोर परिश्रम और मेहनत करनी पड़ी । इसलिए कहा गया है कि संघर्ष में वह ताकत है, जो सफलता की बुनियाद रखता है और जीवन में आगे बढ़ने के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। अपने संघर्ष के दिनों की याद करते हुए भोला राम शर्मा ने बताया कि जीवन में उनको जो संघर्ष करना पड़ा और कभी कभी भूखे पेट सोना पड़ा, उसको याद करके मन सिहर उठता है।

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि वह वर्ष 1977 में काम की तलाश में इंदौर, मध्य प्रदेश में आ गए । वहां पर एक सेल्समेन के रूप में 4 वर्ष तक कार्य किया और फिर वर्ष 1981 में इंदौर को छोड़कर छत्तीसगढ़ मे दुर्ग जिले के एक छोटे से गांव कुम्हारी में आ गए। वहां पर एक कम्पनी में उन्होंने भगवान श्री विश्वकर्मा के आशीर्वाद से अपना परम्परागत लकड़ी का काम शुरू किया । इस कार्य को 20 वर्ष तक इन्होंने बड़े ही निष्ठा और ईमानदारी से करते हुए दक्षता और पारंगतता हासिल कर ली और इसी का परिणाम था कि 20 वर्षों की सेवा के बाद उन्होंने जून 2001 में अपना स्वयं का व्यवसाय शुरू किया। भगवान विश्वकर्मा की अनुकम्पा और आशीर्वाद से काम चल निकला और उनके पुत्र ने भी इस मामले में पूरा सहयोग दिया। भोलाराम शर्मा ने बताया कि सन् 2014 में उन्होंने सौर ऊर्जा का कार्य शुरू किया और भगवान की असीम कृपा से इस कार्य में निरंतर अभिवृद्धि और आशातीत प्रगति हो रही है । समाज सेवा से जुड़ने के बारे में उन्होंने कहा कि मैं काफी लम्बे समय से महासभा से जुड़ा हुआ हूं और आज से 3 वर्ष पहले वर्ष 2022 में पहली बार सर्वसम्मति से रायपुर जिला का जिला अध्यक्ष बना और इसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए समाज के लोगों ने अब 16 अगस्त 2025 को प्रदेश अध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित करके आपसी सद्भाव और सहयोग का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि समाज द्वारा छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा का अध्यक्ष बनाकर मुझे एक बड़ा दायित्व सौंपा गया है। मैं छत्तीसगढ़ के समाज के लोगों को विश्वास दिलाता हूं कि मै महासभा और प्रदेश के लोगों की आशाओं पर खरा उतरने का प्रयास करुंगा।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने छत्तीसगढ़ का प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने पर भोलाराम शर्मा को बधाई और मंगल कामनाएं देते हुए कहा कि निर्विरोध निर्वाचित होना एक विशेष उपलब्धि है जो इस बात का सूचक है कि प्रदेश के लोग उसके नेतृत्व में विश्वास रखते हैं। मुझे विश्वास है कि आप छत्तीसगढ़ में समाज के लोगों और विशेषकर युवाओं में एक चेतना पैदा करने के साथ ही उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए शिक्षा के प्रचार प्रसार पर विशेष बल देंगे। मैं आपके सफल कार्यकाल की मनोकामना करता हूं। महासभा कोर कमेटी के सदस्य और छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा के पूर्व अध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा और पूर्व अध्यक्ष सतीश शर्मा ने भी नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को पूर्ण सहयोग करने के साथ ही शुभकामना और बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की ।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

बाबूलाल शर्मा कर्नाटक प्रदेश सभा के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

विनम्रता और सौम्यता के प्रतीक, अपने पुरुषार्थ और परिश्रम के बल पर सफलता की कहानी लिखने वाले और समाज सेवा की प्रतिमूर्ति बाबूलाल शर्मा निर्विरोध रुप से कर्नाटक प्रदेश सभा के अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। निर्विरोध निर्वाचित होने पर, उनको चुनाव अधिकारी मनोहर लाल जांगिड और रामजीलाल जांगिड द्वारा पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

उल्लेखनीय है कि 8 दिसम्बर 2024 में, महासभा के प्रधान पद के लिए भी बाबूलाल शर्मा ने 5 अन्य उम्मीदवारों के साथ अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था, लेकिन प्रधान रामपाल शर्मा के कुशल नेतृत्व और कार्यक्षमता को देखते हुए ही, बाकी उम्मीदवारों की तरह ही उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया था ताकि महासभा के प्रधान का चुनाव निर्विरोध रुप से सम्पन्न हो सके और उनके साथ ही अन्य उम्मीदवारों के प्रयासों से ही, महासभा के प्रधान का, चुनाव लगभग 30 वर्षों के अन्तराल के बाद निर्विरोध रुप से सम्पन्न हुआ है और रामपाल शर्मा पुन: निर्विरोध रुप से महासभा के प्रधान निर्वाचित हुए।

चुनाव अधिकारी जयपुर के, मनोहर लाल जांगिड ने बताया कि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली, प्रदेश सभा कर्नाटक के, प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए, श्री विश्वकर्मा मंदिर जांगिड ब्राह्मण ट्रस्ट बैंगलुरू में, शनिवार 6 सितंबर को नामांकन पत्र दाखिल किए गए थे और 7 सितंबर 2025 रविवार को नामांकन पत्र वापस लेने का दिन था। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया निर्धारित स्थान और समय पर प्रारंभ की गई और प्रदेश अध्यक्ष के लिए निर्धारित समय में, केवल तीन नामांकन पत्र ही प्राप्त हुए थे, जिनमें बैंगलुरू के रहने वाले बाबूलाल शर्मा, रमेश शर्मा और संतलाल जांगिड शामिल हैं।

चुनाव अधिकारी और जयपुर से आए, रामजी लाल जांगिड ने बताया कि रविवार 7 सितंबर को नाम वापसी के निर्धारित समय से पहले ही, समाज के प्रबुद्ध महानुभावों के अनुरोध पर और समाज हित को ध्यान में रखते हुए और महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा के सर्वसम्मति से चुनाव कराने के आदेश को शिरोधार्य करते हुए ही, रमेश शर्मा और संतलाल जांगिड ने बाबूलाल शर्मा के पक्ष में, अपने नामांकन पत्र वापस लेकर, उनके निर्विरोध निर्वाचित होने का रास्ता प्रशस्त किया और इस प्रकार तीन नामांकन पत्रों में से, दो नामांकन पत्रों की वापसी होने के पश्चात, प्रदेश सभा कर्नाटक के प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए, केवल एक ही प्रत्याशी शेष रहने से, बाबूलाल शर्मा, सुपुत्र राम अवतार शर्मा को निर्विरोध रुप से कर्नाटक प्रदेश सभा के अध्यक्ष के पद पर निर्विरोध रुप से निर्वाचित घोषित किया गया।

कर्नाटक प्रदेश सभा का अध्यक्ष चुने जाने के बाद, बाबूलाल शर्मा ने कहा कि कर्नाटक प्रदेश के लिए आज, ऐतिहासिक ख़ुशी का पल व एकता में बल का प्रतीक रहा और पंच परमेश्वरों ने मिलकर, इस निर्वाचन प्रक्रिया को निर्विरोध में परिवर्तित कर, समाज को एक नई दिशा प्रदान की है और कर्नाटक प्रदेश

चुनाव अधिकारी रामजीलाल जांगिड और मनोहरलाल जांगिड, कर्नाटक प्रदेश अध्यक्ष को पद और गोपनीयता की शपथ दिलवाते हुए

अध्यक्ष के रूप में प्रदेश की सेवा करने के लिए बागडोर सौंपी है, जिसके लिए मैं आप सभी का हार्दिक अभिनंदन एवं आभार व्यक्त करता हूँ। उन्होंने विशेष रूप से महासभा प्रधान रामपाल शर्मा, उद्योगपति रमेश शर्मा और सन्त लाल जांगिड तथा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगत राम भदरेचा का हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं, समाज के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करूंगा और आपने जो यह दायित्व मुझे सौंपा है, इसको मैं, पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ पूरा करते हुए हर संभव प्रयास करूंगा।

उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह सभी को साथ लेकर समाज को गौरवान्वित करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने, अध्यक्ष बनने के बाद, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा का भी आशीर्वाद लिया और उनसे सफल कार्यकाल के लिए मार्गदर्शन करने की अपील भी की ताकि वह लोगों के आकांक्षाओं पर खरा उतर सकें। उन्होंने जांगिड समाज ट्रस्ट बैंगलुरू के अध्यक्ष किरता राम, जांगिड ब्राह्मण समाज सेवा समिति बैंगलुरू के अध्यक्ष, मुकेश जांगिड, तेजस लूंजा, पोलाराम, रवि जांगिड, सवाई सिंह, गिरीराज, कृष्ण, घनश्याम, उद्योगपति नरेश शर्मा, राजेंद्र, प्रदीप, बलकेश, पीताम्बर, महेश, भंवरलाल, जोराराम, किशोर का भी विशेष रूप से आभार व्यक्त किया, जिनकी उपस्थिति ने चार चांद लगा दिए।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, बाबूलाल शर्मा को कर्नाटक प्रदेश का अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि जिस प्रकार से कर्नाटक के लोगों ने उन पर अगाध विश्वास करते हुए, उनको अध्यक्ष के पद पर सुशोभित किया है, उससे उनका दायित्व और भी अधिक बढ़ गया है और मुझे आशा है कि वह प्रदेश के लोगो आकांक्षाओं पर खरा उतरते हुए, प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि कर्नाटक प्रदेश सभा के चुनाव से सर्वसम्मति से सम्पन्न हुआ है और सर्वसम्मति बनाने के इस महायज्ञ में जांगिड समाज ट्रस्ट मन्दिर बिन्नी मिल, के अध्यक्ष किरता राम सुथार और भंवरलाल लाल गुगरिया, जांगिड ब्राह्मण सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार शर्मा, उद्योगपति नरेश शर्मा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जगत राम भदरेचा और तेजस लूंजा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिससे समाज में आपसी सहयोग और सौहार्द की एक नई मिसाल कायम हुई है और इसका सर्वोत्तम उदाहरण यह है कि इस चुनाव में खड़े दोनों प्रत्याशियों का मान सम्मान रखते हुए संतलाल जांगिड को महासभा का वरिष्ठ उप प्रधान, उद्योगपति रमेश शर्मा को दक्षिण का प्रभारी मनोनीत किया गया है।

इसके साथ ही बाबूलाल शर्मा को बधाई देने वालों में, महासभा के पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला और रविशंकर शर्मा, महिला प्रकोष्ठ की मुख्य संरक्षक मधु शर्मा, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष प्रभू दयाल बरनेला, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष खुशी राम जांगिड, महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष नानूराम जांगिड, बैंगलुरू से भंवरलाल गुगरिया, सीता राम जांगिड, कर्नाटक प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष जगत राम भदरेचा, प्रबंधक दयाराम जांगिड, मनीष शर्मा, नाशिक से जांगिड रत्न मोहनलाल दायमा और हरियाणा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. शेर सिंह जांगिड शामिल हैं।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

राजेन्द्र कुमार शर्मा,गुजरात प्रदेश के अध्यक्ष बने'

श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा

जीवन में समाज सेवा की उत्कट जिजीविषा हों और समाज में संगठन और एकता को मजबूत करने का संकल्प हो तो, ऐसे व्यक्ति की समाज भी सहायता करता है और उसे आगे बढ़ने के लिए अभिप्रेरित करता है और गुजरात प्रदेश के समाज के लोगों ने 6 सितंबर को हुए, गुजरात प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में यह सिद्ध करके दिखलाया है कि समाज को आगे बढ़ाना है, तो आपसी एकता और भाईचारा बनाए रखते हुए प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव निर्विरोध रुप से किया जाना चाहिए और प्रदेश के लोगों ने, राजेंद्र शर्मा पर विश्वास करते हुए उनको निर्विरोध रुप से निर्वाचित करके एकता और भाईचारे का परिचय दिया है।

चुनाव कोरडीनेटर मोहनलाल शर्मा ने कहा कि अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली, प्रदेश सभा गुजरात के प्रदेशाध्यक्ष के पद के चुनाव के लिए 6 सितंबर को चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई थी और क्योंकि यह दिन नामांकन पत्र दाखिल करने का दिन था और 7 सितम्बर को नामांकन वापस लेने का अन्तिम दिन था। इस प्रक्रिया के दौरान 6 सितंबर को नामांकन प्रकिया शुरू हुई और प्रदेश सभा के अध्यक्ष कैलाश जांगिड और कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद शर्मा तथा समाज के बुद्धिजीवियों के प्रयासों के परिणाम स्वरूप ही केवल मात्र एक, राजेन्द्र प्रसाद शर्मा द्वारा ही नांमाकन पत्र दाखिल किया गया और जिससे उसके निर्विरोध निर्वाचित होने का रास्ता प्रशस्त हो गया।

चुनाव कोरडीनेटर जयपुर के, मनोहर लाल शर्मा, ने कहा कि इस चुनाव प्रक्रिया के दौरान निर्धारित समय में केवल मात्र एक ही नामांकन पत्र, राजेन्द्र कुमार गोरधन लाल शर्मा का प्राप्त हुआ और 6 सितंबर को ही उनको निर्विरोध रुप से निर्वाचित घोषित कर दिया गया और निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित होने पर उनको 6 सितंबर को चुनाव अधिकारी प्रहलाद राय शर्मा और शंकर लाल जांगिड द्वारा प्रदेश अध्यक्ष के पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलवाई गई।

राजेन्द्र कुमार- गोरधन लाल शर्मा ने, निर्विरोध रुप से प्रदेशाध्यक्ष निर्वाचित होने पर, लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, यह इस समाज में जागृति का ही परिणाम है। **महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा की निर्विरोध रुप से निर्वाचन करने की सोच को भी मूर्त रूप दिया गया है और गुजरात प्रदेश के समाज के स्वाभिमानी लोगों ने यह सिद्ध करके दिखलाया है।**

राजेन्द्र कुमार- शर्मा ने कहा कि वह, मूल रूप से नापावाली, तहसील नीमराना के रहने वाले हैं। मुझे सन् 2015 में पहली बार, जिला खेड़ा का अध्यक्ष बनने का अवसर मिला और फिर महासभा के उपाध्यक्ष पद पर और सन् 2024 में, मुझे महासभा का प्लेटिनम सदस्य बनाया गया है।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने, राजेन्द्र कुमार शर्मा को प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए कहा कि, मुझे उम्मीद है कि उनके कुशल नेतृत्व में, गुजरात प्रदेश में समाज द्वारा सफलता के नए आयाम स्थापित किए जाएंगें।

गुजरात के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष कैलाश जांगिड और कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद शर्मा ने भी, राजेन्द्र कुमार शर्मा को, सर्वसम्मति से प्रदेश अध्यक्ष बनने पर बधाई देते हुए देते हुए कहा कि हम उसको पूर्ण सहयोग देंगे।

गुजरात प्रदेश सभा के, कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद कुमार शर्मा

उत्तराखंड प्रदेश सभा के नरेन्द्र कुमार शर्मा निर्विरोध, अध्यक्ष निर्वाचित हुए

श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा

उत्तराखंड प्रदेश, उत्तर प्रदेश राज्य के विभाजन के बाद बनाया गया, एक छोटा सा प्रदेश है, लेकिन इसके प्राकृतिक सौंदर्य और मनोहारी दृश्य स्थलों से प्रभावित होकर दूसरे प्रदेशों सहित लोग यहां आकर बस गए और अब वह सभी उत्तराखंड की संस्कृति को आत्मसात करके, यही पर रहकर प्रदेश के विकास के साथ-साथ महासभा के साथ जुड़कर समाज के उत्थान में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं। यहां पर अधिकतर परिवार, देश के आस-पास के राज्यों से आए हुए हैं और इनमें अधिकांश वह, अधिकारी और कर्मचारी हैं, जो कभी विभिन्न सरकारी विभागों में नौकरी करते थे या फिर अपना निजी व्यवसाय इत्यादि करते हुए एक समय से यहां उत्तराखंड में निवास कर रहे है।

नरेन्द्र कुमार शर्मा को 16 अगस्त को निर्विरोध रुप से प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है और वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के ग्राम सिमारिया, ज़िला रामपुर के रहने वाले हैं और उनका जन्म 27 अप्रैल 1961 को माता श्रीमती सन्तोष शर्मा और पिता रामरतन लाल शर्मा के घर हुआ। उनके पिता सरकारी नौकरी में थे और इसी कारण से इनका परिवार मुरादाबाद आ गया और वहीं पर, इन्होंने अपनी विज्ञान में स्नातक की शिक्षा पूर्ण की।

नरेन्द्र शर्मा ने, सन 1984 में अपनी उत्कट जिजिविषा और कठोर पुरुषार्थ के साथ राज्य स्तर की प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करके, भारतीय स्टेट बैंक में अपनी नौकरी शुरू की और अपनी प्रतिभा और पुरुषार्थ के आधार पर नौकरी के दौरान भी विभागीय प्रतियोगी परीक्षाएँ उत्तीर्ण करते हुए, वह भारतीय स्टेट बैंक में 'सहायक महाप्रबंधक' के महत्वपूर्ण पद पर पहुंचे और अपनी उत्कृष्ट सेवाओं के बाद वह अप्रैल 2021 में इस पद से सेवानिवृत हुए हैं और **आज कल भगवान शिव की नगरी और महाकुंभ की पुण्य धरा और आध्यात्मिकता की पावन धरा हरिद्वार में निवास कर रहे हैं।** उनकी बैंक के प्रति उत्कृष्ट कार्य पद्धति और विद्वत्ता को देखते हुए ही, भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में, वर्तमान में भी बैंक को, विजिलेन्स इन्वेस्टिगेशन ऑफ़िसर के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इनकी धर्म पत्नी स्नातकोत्तर श्रीमती नीरू शर्मा एक सुघड़ गृहणी है, जिन्होंने अपने बच्चों को बेहतर संस्कार दिए हैं।

नरेन्द्र कुमार शर्मा अपने पिता से प्रेरणा लेकर आज से लगभग 19 साल पहले ही सन् 2006 में ही महासभा से जुड़ गए थे। वह समाज के विभिन्न पहलुओं की समझ रखते है। प्रदेश अध्यक्ष चुने जाने से पहले वह उत्तराखंड प्रदेश सभा में प्रदेश मंत्री के रूप में भी समाज सेवा कर चुके हैं।

महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा ने प्रदेश अध्यक्ष को बधाई देते हुए कहा है कि प्रदेश के लोगों ने आप पर जो आस्था और विश्वास व्यक्त किया है उनकी आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। मैं आपके सफल कार्यकाल की मनस्कामना करता हूँ। महासभा की कोर कमेटी के सदस्य और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा ने भी उनको बधाई दी है।

सम्पादक, राम भगत शर्मा

अहमदाबाद में 5 अक्तूबर को सम्मान समारोह और युवक -युवती परिचय सम्मेलन आयोजित किया गया

हरियाणा के पूर्व वरिष्ठ आईएएस अधिकारी और पूर्व सूचना आयुक्त तथा आदमपुर के विधायक चंद्रप्रकाश जांगिड ने कहा कि इस तरह के सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को एकता के सूत्र में बांधने के साथ ही, भविष्य में समाज के लोगों को एक दूसरे के साथ जुड़ने और उनको आगे आने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने इस कार्यक्रम के आयोजन की व्यवस्था की, भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि जिस प्रकार से सत्य निष्ठा एवं एवं ईमानदारी के साथ डॉ. दिनेश कुमार सारंग ने अपने दायित्व का भलीभांति निर्वाह किया है, वह एक वरिष्ठ आई.आर.एस. अधिकारी की समाज के प्रति सोच का एक अनूठा उदाहरण है।

विधायक चन्द्र प्रकाश जांगिड ने यह विचार, एक स्वयं सेवी संगठन **विश्वकर्मा युवा मित्र मंडल द्वारा अहमदाबाद में आयोजित सम्मान समारोह और युवक युवतियों के परिचय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए अभिव्यक्त किए।** उल्लेखनीय है कि युवा मित्र मंडल की स्थापना 23 अप्रैल 2016 में अहमदाबाद में की गई थी और यह संगठन समाज युवाओं की सामाजिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक उत्थान के लिए स्थापित एक संगठन है और इसकी शाखाएं वर्तमान अहमदाबाद, जयपुर, नागौर एवं हैदराबाद में हैं। इस समारोह का श्रीगणेश, दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में बालिकाओं द्वारा शानदार गणेश वंदना नृत्य के साथ पेश की गई। इस समारोह की अध्यक्षता मुम्बई के स्वाति इंटीरियर्स के प्रबंध निदेशक सूरजमल मिस्त्री द्वारा की गई।आए हुए अतिथियों का औपचारिक भाषण के माध्यम से स्वागत शर्मा हुंडई के प्रबंध निदेशक सुरेन्द्र शर्मा द्वारा किया गया। इसके पश्चात मेहमानों का स्वागत किया गया।

पूर्व सूचना आयुक्त ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में एकता की क्रांति का उद्घोष होगा और इसके लिए मैं, विशेष रूप से आईआरएस अधिकारी दिनेश सारंग का समाज उत्थान के प्रति जज्बे को सलाम करते हुए उनका इस प्रकार का प्रेरणा दायक समारोह आयोजित करने के लिए आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने यह यह क्रांतिकारी कारण कदम उठाकर समाज में एक जागृति पैदा की है और मैं आशा करता हूँ कि वह भविष्य में भी वह इसी प्रकार से समाज में, अपने स्वयं सेवी संगठन के माध्यम से एक क्रांति का उद्घोष करते हुए, इसे आगे बढ़ने का प्रयास करते रहेंगे। मैं आप सभी को साधुवाद और धन्यवाद

देता हूँ कि आपने आपने मेरा इतना मान-सम्मान किया।

इस कार्यक्रम में, युवक युवतियों का प्राप्त डाटा के आधार पर मित्र मण्डल द्वारा तैयार की गई स्मारिका का विमोचन भी मुख्य अतिथि चन्द्र प्रकाश जांगिड ने किया और इसके अतिरिक्त उन्होंने इस स्मारिका के डिजिटल संस्करण का विमोचन भी किया। अहमदाबाद में इस संगठन द्वारा अब तक चार भव्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जा चुका है। इन कार्यक्रमों में विशाल युवा बाईक रैली, विशाल महिला कलश यात्रा, भव्य सांस्कृतिक समागम एवं शिक्षा एवं उद्योग पर एक सेमीनार का आयोजन शामिल है।

समारोह को, दमन में सी.जी.एस.टी. के एडिशनल कमिश्नर, विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति चूना राम सुथार ने संबोधित करते हुए कहा कि आज के इस आधुनिक युग में शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए, बेहतर अंक हासिल करने वाले, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाना, आज के समय की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही आज के इस युग में रिश्तों को लेकर जो अवधारणा बन रही है, उससे समाज में एक गंभीर समस्या पैदा हो गई है और इस समस्या के समाधान के लिए युवक- युवतियों का परिचय सम्मेलन करवाना इस समस्या का कुछ सीमा तक हल तो हो सकता है, लेकिन इसके सन्तोषजनक ढ़ग से समाधान के लिए, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा के स्तर पर ठोस कदम उठाए जाने की महत्ती आवश्यकता है। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रतिभाओं का सम्मान करना समाज का कर्तव्य है और इससे समाज के दूसरे लोगों को भी प्रेरणा मिलती है और युवक युवतियों के परिचय सम्मेलन के प्रतीक चिह्न के रूप में अंकित, प्रेम, सहयोग समरसता बढ़ाएगा और रिश्ते जोड़ेगा, इसके माध्यम से समाज के लोगों में आपसी जान-पहचान भाईचारा और सहयोग बढ़ेगा, उसकी जितनी भी भूरि-भूरि प्रशंसा की जाए वह बहुत ही कम है।

इस समारोह में, मुंबई के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टैक्नोलोजी के डायरेक्टर खुशाल जांगिड, जांगिड ब्राह्मण प्रदेश सभा राजस्थान के अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, गुजरात प्रदेश सभा के अध्यक्ष राजेन्द्र जांगिड, मुंबई के समाजसेवी एवं उद्योगपति सुखदेव मिस्त्री एवं अहमदाबाद के जाने माने समाजसेवी एवं शर्मा हुंडई के एम.डी. सुरेन्द्र शर्मा, गुजरात सरकार के पूर्व मंत्री प्रदीप परमार, बीजेपी नेता दिनेश शर्मा, कारपोरेटेर मुकेश सुथार और कारपोरेटर गिरवर सिंह, एवं सामाजिक कार्यकर्ता भवानीसिंह शेखावत भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर **मदनलाल जांगिड, मौलासर वाले की पुण्य स्मृति में आरंभ किया गया विश्वकर्मा समाज रत्न जोधपुर जांगिड पंचायत के पूर्व अध्यक्ष, रमेश प्रकाश शर्मा को समाज के प्रति उनकी उल्लेखनीय सामाजिक सेवाओं को ध्यान में रखते हुए प्रदान किया गया। यह पुरस्कार, मदनलाल जांगिड के परिवार की तरफ से प्रायोजित किया जा रहा है।** इसके साथ ही समाज के वरिष्ठ नागरिकों को उनकी उल्लेखनीय सामाजिक सेवाओं के लिए भी **विश्वकर्मा भूषण पुरस्कार** भी इस समारोह में प्रदान किए गए। इस कड़ी में विजय मोटर बॉडी के चैयरमैन वेदप्रकाश शर्मा, प्रसिद्ध सामाजिक

कार्यकर्ता बिशम्बर दयाल शर्मा, अहमदाबाद समाजवाड़ी के पूर्व ट्रस्टी पूरण मल शर्मा, समाज सेवी गिरधारीलाल शर्मा, ओ.एन.जी.सी. के पूर्व कर्मचारी एवं समाजसेवी समरभाई सुथार, विश्वकर्मा मंदिर साबरमती के प्रमुख कार्यकर्ता मधुसूदन शर्मा, गांधीनगर के पूर्व जिलाध्यक्ष शिवप्रसाद जांगिड, सक्रिय समाजसेवी रामेश्वर लाल शर्मा, समाज सेवी किशनलाल जांगिड और वयोवृद्ध समाजसेवी शंकरलाल शर्मा का, पधारे हुए अतिथियों एवं **मित्रमंडल टीम द्वारा साफा, स्मृतिचिह्न, प्रशस्ति–पत्र एवं श्रीफल देकर, विश्वकर्मा भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया।**

इस समारोह में शिक्षा, खेल, व्यापार एवं सरकारी नौकरी के क्षेत्र में अपनी बेहतरीन प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले बालक–बालिकाओं को भी सम्मानित किया गया था। **इस कार्यक्रम के दौरान राजस्थानी भाषा के विश्व प्रसिद्ध कॉमेडियन एवं यूटयूबर श्री मुरारीलाल पारीक ने अपनी हास्य कला से सबका मनोरंजन किया। समारोह के संयोजक एवं विश्वकर्मा युवा मित्र मंडल के संस्थापक, डॉ. दिनेश सारंग ने अहमदाबाद विश्वकर्मा युवा मित्रमंडल की कर्मठ टीम के एक–एक सदस्य का सभी का परिचय करवाया।**

समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, सूरत से प्रदेश सभा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमोद जांगिड, पूर्व जिलाध्यक्ष एकलिंग जांगिड, भंवरलाल जांगिड, नवसारी से मानाराम सुथार, बड़ौदा से मदन लाल जांगिड, जोधपुर से सुरेश शर्मा, ज्योतिस्वरूप शर्मा और एडवोकेट निमेष सुथार, गांधीनगर ए.आर.टी. ओ.एम. आर. गज्जर, सीमा शुल्क एवं जीएसटी के अधीक्षक तेजस मिस्त्री, खेड़ा जिलासभा अध्यक्ष नेमीचंद जांगिड, पाली जिलाध्यक्ष भंवरलाल आसदेव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जोगाराम कुलरिया, द्वारका प्रसाद शर्मा और महावीर जांगिड, पाली से ओमप्रकाश जांगिड की टीम, गांधीनगर जिलाध्यक्ष गौरीशंकर जांगिड और नवसारी जिलाध्यक्ष चुन्नीलाल सुथार, मुंबई से प्रदीप कुमार माकड और उद्यमी नाथूराम सुथार सहित अहमदाबाद, गांधीनगर, बड़ौदा, जोधपुर, बीकानेर, सूरत, हिम्मतनगर, वापी, पालनपुर, मेहसाणा, डभाण, जयपुर, दिल्ली, पाली, सोजत सहित देश के विभिन्न शहरों एवं कस्बों से गणमान्य समाज बंधु शामिल हैं।

इस समस्त कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डी. जी., एच.बी.डी., दिल्ली डॉ. दिनेश कुमार सारंग ने किया और इस कार्यक्रम के संचालन में भरपूर सहयोग प्रसिद्ध युवा एंकर त्रिलोक सुथार ने किया।

दिनेश कुमार जांगिड, 'सारंग'

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

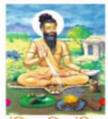

Website: {HYPERLINK "http://www.abjbmahasabha.com"}, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक:- अ.भा.जां.ब्रा. महासभा-दिल्ली/2792/2025 **दिनांक:- 18/10/2025**

प्रतिष्ठा में ,

श्रीमान प्रमोद कुमार जांगिड,
39, सांईद्वार सोसाइटी, थोमस स्कूल के सामने,
न्यु सिटीलाइट, सूरत (गुजरात) पिन - 395007
मोबाइल नम्बर- 9898541000

विषय :- अध्यक्ष, शिक्षा कल्याण प्रकोष्ठ - महासभा के पद पर मनोनयन ।

महोदय,

आपको सूचित करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि महासभा एवं समाज के प्रति आपके सराहनीय योगदान, समाज में सक्रियता एवं आपकी समाज सेवा एवं शिक्षा कल्याण के प्रति अटूट आस्था को ध्यान में रखते हुए, मैं, **रामपाल शर्मा, प्रधान महासभा,** आपको **अध्यक्ष, शिक्षा कल्याण प्रकोष्ठ, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के पद पर** मनोनीत करता हूँ।

आशा करता हूँ की आप **अध्यक्ष, शिक्षा कल्याण प्रकोष्ठ महासभा के पद** पर कार्य के दौरान महासभा संविधान का पालन करते हुये अपनी पूर्ण निष्ठा, लगन, एवं सकारात्मक सोच के साथ **महासभा** हित में कार्य करते हुए जांगिड ब्राह्मण समाज में शिक्षा को बढ़ावा देने एवं शिक्षा का उचित प्रचार प्रसार करने के साथ ही **समाज के आर्थिक रूप से कमजोर छात्र – छात्राओं** को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढने के लिए आर्थिक सहयता की समयबद्धता को सुनिश्चित करते हुए आप निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ **शिक्षा कल्याण के प्रति महासभा की प्रतिबद्धता के प्रयास को सार्थक करते हुए महासभा** की प्रतिष्ठा को उच्च शिखर पर पहुचाने का निरंतर प्रयास करेंगे।

भगवान श्री विश्वकर्मा आपको समाज सेवा हेतु शक्ति एवं सामर्थ्य प्रदान करें ऐसी कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

समाज सेवा में सदेव तत्पर ....

आपका अपना

रामपालशर्मा

(रामपाल जांगिड)
राष्ट्रीय प्रधान – महासभा

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

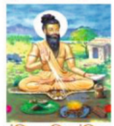

अंगिराऽसि जांगिड

रानी खेड़ा रोड, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com, **E-mail:** Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक:- अ.भा.जां.ब्रा. महासभा-2791/2025 **दिनांक:- 18/10/2025**

प्रतिष्ठा में ,

श्रीमान गोपेश जांगिड,
55 , जगदंबा कालोनी,
ढहर का बालाजी, जयपुर, राजस्थान
मोबाइल नम्बर- 9829077387

विषय :- **अध्यक्ष –युवा प्रकोष्ठ महासभा – दिल्ली के पद पर मनोनयन ।**

महोदय,

आपको सूचित करते हुए मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है कि समाज के प्रति आपके सराहनीय योगदान और समाज में सक्रियता एवं समाज को संगठित करने की योग्यता को ध्यान में रखते हुए, **मैं रामपाल शर्मा, प्रधान महासभा**, आपको **अध्यक्ष – युवा प्रकोष्ठ, अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली के पद** पर मनोनीत करता हूँ।

आशा करता हूँ की आप **अध्यक्ष, युवा प्रकोष्ठ महासभा – दिल्ली के** पद पर कार्य के दौरान महासभा संविधान का पालन करते हुये अपनी पूर्ण निष्ठा, लगन, ईमानदारी, सकारात्मक सोच एवं निष्पक्ष भाव के साथ **महासभा** हित में कार्य करते हुए सम्पूर्ण समाज के युवाओं को **जागरूक, संगठित एवं सक्रिय करने के साथ उनके विकास एवं उत्थान के लिए** महासभा की प्रतिबद्धता के लिए कृत संकल्पित होकर महासभा की प्रतिष्ठा को उच्च शिखर पर पहुंचाने का निरंतर सार्थक प्रयास करेंगे।

भगवान श्री विश्वकर्मा आपको समाज सेवा हेतु शक्ति एवं सामर्थ्य प्रदान करें ऐसी कामना करता हूँ।

शुभकामनाओं सहित।

समाज सेवा में सदेव तत्पर ....

आपका अपना

रामपालशर्मा

(रामपाल जांगिड)
राष्ट्रीय प्रधान – महासभा

जांगिड ब्राह्मण सामुदायिक जन सेवा ट्रस्ट, गुड़गांव की , आम बैठक में भवन निर्माण की रुप रेखा तैयार की गई

जांगिड ब्राह्मण समाज के युवाओं के सपनों को उड़ान देने और उनके सपनों को मूर्तरूप देने के लिए, हरियाणा ही नहीं अपितु देश-विदेश में **मिलेनियम सिटी के नाम से विख्यात गुरुग्राम में, उन युवाओं द्वारा अपने सपनों की मंजिल पाने में सहायता करने के लिए समाज के प्रतिष्ठित महानुभावों द्वारा जांगिड सामुदायिक जन सेवा ट्रस्ट का 20 दिसंबर 2018 को गठन किया गया है।** इस ट्रस्ट का उद्देश्य है कि समाज के लोगों एक मंच पर लाकर उनको समाज के साथ जोड़ने के साथ-साथ ही, समाज के उदीयमान और प्रतिभाशाली युवाओं को, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए उचित स्थान की समुचित व्यवस्था की जाए ताकि वह अपने लक्ष्य को हासिल कर सकें और जीवन में सफलता की नई ऊंचाइयों को हासिल कर सके। यह उद्गार ट्रस्ट के चेयरमैन लक्ष्मीनारायण शर्मा ने, ट्रस्ट द्वारा 24 अगस्त को गुरुग्राम में आयोजित आमसभा की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किए। बैठक का श्रीगणेश करने से पहले भगवान विश्वकर्मा जी की आरती और पूजन किया गया तथा अतिथियों को मंचासीन करवाकर उनका सम्मान किया गया। **अपने उद्बोधन में लक्ष्मीनारायण शर्मा ने कहा कि गुरुगाम एक मिलेनियम सीटी के रूप में बड़ी तेजी से विकसित हो रहा है और जांगिड समाज के बुद्धिजीवियों द्वारा मिलकर ही समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए ही जांगिड ब्राह्मण सामुदायिक जन सेवा ट्रस्ट की स्थापना की गई है** तथा इसका पंजीकरण भी सब-रजिस्टार, गुड़गांव के कार्यालय में विधिवत रूप से करवाया गया है और संयोगवश मुझे इस ट्रस्ट का चेयरमैन बनाया गया है। उन्होंने कहा कि **इस ट्रस्ट का सर्वोच्च उद्देश्य जांगिड समाज के हित में सामुदायिक भवन (एक भव्य भवन) का निर्माण करना है ताकि इसमें छात्र-छात्राओं के लिए छात्रावास एवं कोचिंग सेंटर की समुचित व्यवस्था करने के साथ ही, समाज के आर्थिक रूप से कमजोर युवा भी यहां रहकर परीक्षाओं की तैयारी कर सकें।**

उन्होंने कहा कि मैंने एक दिन अखबार में पढ़ा था कि महेश्वरी समाज ने सन् 2030 तक 100 आई.ए.एस. बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है और इसके लिए समाज के बच्चों को सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएगी। उन्होंने कहा कि मै समाज के बुद्धिजीवियों से पूछना चाहता हूं कि **हम सभी मिलकर ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं कर सकते हैं ताकि हमारे बच्चे भी आई.ए.एस. और आई.पी.एस. बनकर समाज की सेवा कर सकें। समाज के गरीब और प्रतिभावान बच्चों को उचित अवसर नहीं मिल पाते हैं इसलिए वह पीछे रह जाते हैं।** मुझे बताया गया है कि जाट समाज द्वारा आज प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले बच्चों के लिए दिल्ली में 6 होस्टल संचालित किए जा रहे हैं इनमें से दो होस्टल लड़कियों के लिए भी हैं और इन होस्टलों को चलाने के लिए पैसा बड़ी-बड़ी कम्पनियों के सी.एस.आर., फण्ड के माध्यम से आता है।

लक्ष्मी नारायण शर्मा ने कहा कि नियमानुसार और पारदर्शी तरीके से ट्रस्ट के सदस्य ट्रस्टी बनाए गए हैं और ट्रस्टी बनने के लिए पहले ट्रस्टी शुल्क एक लाख 1 हजार रुपए रखा गया और मुझे खुशी है कि इस ट्रस्ट में ट्रस्टी सदस्यों की संख्या 150 तक पहुंच गई है और लोगों में ट्रस्टी बनने के लिए इतना अधिक उत्साह है कि अब ट्रस्टी बनने के लिए इसकी राशि एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख कर दी गई है, तब भी, समाज के लोगों के उत्साह की दात देनी पड़ेगी और लोग आगे आ रहे हैं। ट्रस्ट को यह बेशकीमती जमीन हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा, धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं को भूखंड आवंटन करने की नीति के अन्तर्गत प्राधिकरण द्वारा सेक्टर-37, पार्ट-1, साइट नंबर-2 में 600 वर्गमीटर का भूखंड सामुदायिक भवन निर्माण के लिए ट्रस्ट को आवंटित किया गया है तथा इस बैठक में लगभग 7 करोड रूपए की लागत से निर्मित होने वाले भवन की रुपरेखा पर मंथन किया गया।

सेवा निवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जयसिंह जांगड़ा ने कहा कि समाज को प्राईम लोकेशन पर हरियाणा

सरकार द्वारा समाज के लोगों को एक उपहार दिया गया है। आज इस प्लाट की कीमत करोड़ों में है, लेकिन ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा प्रयास करके इसको बहुत ही थोड़ी कीमत पर समाज द्वारा हासिल किया गया है और यह समाज के लोगों के आपसी प्यार, सहयोग और समर्थन का ही सार्थक परिणाम है। गुरुग्राम जिस प्रकार से मिलिनेयम सीटी के रूप में विकसित हो रहा है और इस शहर में लगभग 50 हजार जांगिड ब्राह्मण समाज बंधु रहते हैं और इसके अतिरिक्त समाज के अनेक बड़े-बड़े सेवा निवृत्त अधिकारी भी यहां पर रह रहे हैं और इन सभी को भी ट्रस्ट के साथ जोड़ने का स्तुत्य प्रयास किया गया है और आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रसिद्ध उद्योगपति, पंडित लक्ष्मीनारायण शर्मा के नेतृत्व में इस ट्रस्ट का गठन किया गया है और मुझे भी इस ट्रस्ट का संरक्षक सदस्य बनाया गया है।

इस अवसर पर **जांगिड मोटर्स के एम.डी. और ट्रस्ट के डिप्टी चेयरमैन और प्रसिद्ध उद्योगपति तथा भामाशाह और विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति, राजेश जांगिड ने ट्रस्ट के पदाधिकारियों और विशेषकर चेयरमैन लक्ष्मीनारायण शर्मा के प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि, ट्रस्ट के पदाधिकारियों का यह संकल्प समाज के उन गरीब और प्रतिभावान बच्चों के सपनों को उड़ान भरने में अपना अमूल्य योगदान देगा, जो आर्थिक हालत के कारण अपने सपनों का गला घोंट देते हैं।** मैं इन सभी महानुभावों की सदाश्यता और उदात्त भावना से यथासंभव दान देने का स्वागत करता हूँ। सन्त कबीर दास ने कहा है कि- **चिड़ी चोंच भर ले गई नदी घट्यो ना नीर, दान दिए धन ना घटे कह गए सन्त कबीर।**

समाज की भावी पीढ़ी के उत्थान के लिए ही इस ट्रस्ट का निर्माण किया गया है और इसका अगला लक्ष्य भवन निर्माण ही है और इस यज्ञ में, मैं भी थोड़ी बहुत आहूति डालना चाहता हूं। वास्तव में तो करने-कराने वाला वह ऊपर वाला वह परमात्मा ही है, मैं तो केवल एक निमित्त मात्र हूं और जो भी मुझ से बन पड़ेगा वह राशि सहर्ष ट्रस्ट को प्रदान की जाएगी। सभी सदस्यों ने इस संकल्प का तालियां बजाकर स्वागत किया ।

जयसिंह जांगड़ा ने कहा कि इस ट्रस्ट द्वारा लगभग 7 करोड रूपए की लागत से एक पर्यावरण के अनुकूल एक अत्याधुनिक भवन का निर्माण किया जाएगा । इस भवन में शिक्षा ग्रहण करने वाले युवाओं और विशेष कर गरीब बच्चों के रहने के लिए इतने बड़े शहर में उचित व्यवस्था के लिए समुचित प्रबंध किए जाएंगे। यह एक ऐतिहासिक कदम है यह भवन आप सभी के सहयोग और समर्थन से ही बनेगा। **अकेला चना कभी भी भाड़ नहीं फोड़ सकता है।**

हरियाणा लोक निर्माण विभाग के पूर्व प्रमुख अभियंता और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के तकनीकि सदस्य के रूप में अपनी बेहतरीन सेवाओं के लिए विख्यात, विनम्रता, शालीनता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति, महावीर सिंह जांगिड ने कहा कि इस जनसेवा ट्रस्ट के चेयरमैन लक्ष्मीनारायण शर्मा और उसकी झूझारु टीम के अथक प्रयासों से ही इस ट्रस्ट को मिलेनियम सीटी गुरुग्राम में एक पॉश इलाके में यह उत्कृष्ट प्लाट हासिल हुआ है। इसके बाद इस ट्रस्ट का अगला उद्देश्य एक बेहतरीन और शानदार भवन के निर्माण का होना चाहिए जोकि एक क्रिएटिव आर्ट के रूप में स्थापित हो और जिसमें भगवान विश्वकर्मा और महर्षि अंगिरा के वंशजों के बारे में क्रिएटिव आर्ट और कारीगरी के माध्यम से चित्रित करने का प्रयास किया जाना चाहिए।

सेवा निवृत्त प्रमुख अभियंता ने, आर्किटेक्ट नवीन शर्मा को, सुझाव दिया कि ट्रस्ट द्वारा बनाए जा रहे, इस भवन का आर्किटेक्चरल डिजाइन एक ग्रीन बिल्डिंग के रूप में विकसित करने के लिए तैयार करना चाहिए और इसके साथ ही इसमें भगवान विश्वकर्मा और महर्षि अंगिरा के बारे में भी शिक्षा परक और महत्वपूर्ण जानकारियां लेखन के माध्यम से दी जानी चाहिए। उन्होंने अपने मनोभावों को अभिव्यक्त करते हुए सुझाव दिया कि भवन निर्माण के बारे में विभिन्न कमेटियों का गठन किया जाए, जैसे कि निर्माण कमेटी, वित्त-संसाधन कमेटी, परचेज कमेटी और ऑडिट कमेटी शामिल ताकि पारदर्शिता बनी रहे। **उन्होंने कहा कि वह भी इस ट्रस्ट की ट्रस्टी हैं और उन्होंने इस ट्रस्ट 5 लाख रुपए देने की घोषणा की है। यह ट्रस्ट उनको जो भी दायित्व सौंपेगा, वह स्वैच्छापूर्वक तरीके से उसे सहर्ष करने के लिए तैयार हैं।**

जांगिड ब्राह्मण सामुदायिक जन सेवा ट्रस्ट गुरुग्राम के संरक्षक और हरियाणा प्रदेश सभा के पूर्व अध्यक्ष और समाज

सेवा की प्रतिमूर्ति और विनम्रता के प्रतीक, डॉ. शेर सिंह जांगिड ने कहा कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा 22 नवम्बर 2023 को धार्मिक और चैरिटेबल कैटेगरी में संस्थाओं को भूखंड आवंटित करने के लिए एक विज्ञप्ति जारी की गई थी और इसी योजना के अन्तर्गत इस ट्रस्ट को 600 वर्ग मीटर का यह प्लाट 24 अगस्त 2024 को अलॉट किया गया था और यह संयोग की ही बात है कि आज 24 अगस्त को ही, इस प्लाट को अलॉट हुए एक वर्ष पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस प्लाट, को ट्रस्ट के चेयरमैन लक्ष्मी नारायण शर्मा और जज, जयसिंह जांगड़ा के सुयोग्य मार्गदर्शन में काम करते हुए हासिल किया है। आजकल तो इस प्राईम जमीन की कीमत लगभग 50 करोड़ रुपए है, जबकि ट्रस्ट को यह जमीन केवल 90 लाख रुपए में मिली है और इस प्लाट के अलाट करने में, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विशेष रूप से सराहनीय सहयोग रहा है । जांगिड ब्राह्मण समाज और यह ट्रस्ट मुख्यमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करती है।

महासभा के पूर्व महामंत्री और ट्रस्ट के सदस्य अनिल एस. जांगिड ने कहा कि जिस प्रकार से समाज के लोगों ने आज भामाशाह बनकर, इस मिलेनियम सिटी में, उदार हृदय और उन्मुक्त भाव से अपनी नेक कमाई में से दिल खोलकर दान करके जो, पुण्य कमाने का काम किया है, उसके लिए सभी दानदाता और भामाशाह बधाई के पात्र हैं और **आज लगभग एक करोड़ 35 लाख रुपए की की घोषणाएं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा की गई है और जांगिड मोटर्स के मुकेश जांगिड ने तो सबसे बड़ा दिल दिखाते हुए, एक खाली चैक इस ट्रस्ट को सौंप दिया, ऐसे भामाशाह का ट्रस्ट, हृदय से अभिनन्दन और आभार व्यक्त करती है।** उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में यह भवन एक भव्य और ऐतिहासिक बनेगा, जो मिलेनियम सिटी की शान होगी ।

अनिल एस. जांगिड ने कहा कि इस ट्रस्ट के प्रबंधन के लिए एक से स्थाई प्रशासनिक समिति का गठन किया गया है और इस प्रशासनिक प्रबंध समिति का अध्यक्ष प्रसिद्ध उद्योगपति लक्ष्मीनारायण शर्मा को बनाया गया है इसका संरक्षक सदस्य जय सिंह जांगड़ा और डॉ शेर सिंह जांगिड को बनाया गया है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ट्रस्ट के सभी अकाउंट्स समय-समय पर अपडेट और पारदर्शी रखे जाएं, ताकि भविष्य की योजनाओं के लिए ट्रस्ट में आपसी विश्वास और सहयोग और अधिक मजबूत हो सके और इस ट्रस्ट के माध्यम से युवाओं का भविष्य उज्ज्वल बनाया जा सके।

जांगिड ब्राह्मण सामुदायिक जन सेवा ट्रस्ट के महासचिव और गुरुग्राम जिला सभा के अध्यक्ष, सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि लक्ष्मीनारायण शर्मा को सर्वसम्मति से इस ट्रस्ट का आजीवन चेयरमैन और इसी क्रम में, जांगिड मोटर्स के एम.डी. राजेश जांगिड को भी ट्रस्ट का डिप्टी चेयरमैन नामित किया गया है और इस ऐतिहासिक निर्णय की सभी के द्वारा इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की गई।

महामंत्री ने इस अवसर पर ट्रस्ट का लेखा जोखा भी सभी सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया। **ई रिक्शा के प्रबंध निदेशक राजेश जांगिड ने ट्रस्ट को एक ब्लैंक चेक भेंट कर सभी का हृदय जीत लिया। ट्रस्ट के चेयरमैन लक्ष्मीनारायण शर्मा ने 31 लाख रुपये, महामंत्री और जिला अध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा और इन्द्रपाल जांगिड ने 11-11 लाख रुपए, नवीश शर्मा और पूर्व मुख्य अभियंता महावीर जांगिड ने 5-5 लाख रुपए, सहयोग राशि देने की घोषणा की। इसके साथ ही, एक लाख 51 हजार रुपए प्रति कमरे के हिसाब से लगभग 15 कमरों की, रूम डोनर योजना के अन्तर्गत घोषणा करके दान दाताओं ने, सराहनीय सहयोग दिया। इन सब घोषणाओं के साथ लगभग 1 करोड़ 25 लाख रुपए की राशि का संकल्प समाज के सामने आया है।**

सत्यनारायण शर्मा ने कहा कि लगभग 7 करोड़ रुपए की लागत से, अगले दो वर्षों में समाज का भव्य भवन तैयार किया जायेगा। अब ट्रस्ट की सदस्यता राशि को भी एक लाख एक हजार रुपए से बढ़ाकर, पांच लाख एक हज़ार रुपये करने का, इस बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में पहली बार इस मीटिंग में पधारे, हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर मनोज जांगिड ने पांच लाख रुपए के नई सदस्यता शुल्क, के साथ सदस्य के रूप सदस्यता ग्रहण की। युवा आर्किटेक्ट नवीस शर्मा ने भवन का नक्शा नि:शुल्क तैयार करने के साथ ही 5 लाख रुपए का दान देने की भी घोषणा की है। इस अवसर पर बैठक की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, राष्ट्रीय सहारा पार्टी के अध्यक्ष परमानंद जांगडा, नवीस शर्मा, जयवीर बेरवाल, मनोज जांगिड, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विद्यासागर जांगिड, पूर्व अधीक्षक अभियंता सोहनलाल जांगिड, सेवानिवृत्त एक्शन ईश्वर सिंह जांगिड और रामनिवास जांगिड, मातृशक्ति में डॉ. शील शर्मा और श्रीमती बिमला जांगिड शामिल थे।

अन्त में, ट्रस्ट के चेयरमैन लक्ष्मीनारायण शर्मा ने हृदय की गहराइयों से सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह बैठक समाज की एकता और सहयोग दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी। विपुल धन्यवाद।

महासभा के पूर्व महामंत्री, अनिल एस जांगिड

जय श्री विश्वकर्मणे नमः

पंजीकरण संख्या एस. – 27 / 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली

रानी खेड़ा रोड़, मुंडका मेट्रो स्टेशन के पास,
मुंडका, नई दिल्ली – 110041
दूरभाष : 9990070023

Website: www.abjbmahasabha.com, E-mail: Jangid.mahasabha@gmail.com

रामपाल शर्मा	सांवरमल जांगिड	अरुण कुमार जांगिड
प्रधान	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
9844026161	9414003411	9810988553

क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2790/2025 **दिनांक 17/10/2025**

*** रायपुर - प्रदेशाध्यक्षो की त्रैमासिक मीटिंग का सार ***

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा दिल्ली अंतर्गत कार्यरत प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्षों, प्रदेश प्रभारियों एवं पदाधिकारियों की द्वितीय त्रैमासिक बैठक छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा के सौजन्य से **दिनांक 27/09/2025, शनिवार** को रात्रि 9 बजे **श्री सालासर बालाजी धाम,** छोकरा नाला के आगे, अग्रसेन धाम के पास, **रायपुर** में महासभा प्रधान **श्री रामपाल जांगिड** की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

जिसके मुख्य अतिथि महासभा के पूर्व प्रधान श्री कैलाश चंद जी बरनेला इंदौर थे। जिसमें महासभा के निम्न प्रदेशाध्यक्ष / प्रदेश प्रभारी एवं महासभा पदाधिकारी उपस्थित होकर मुख्य रूप से महासभा कार्यकारिणी का ही एजेंडा जो महासभा के पत्रांक- अ.भा.जां.ब्रा.महासभा-दिल्ली/2719/2025 दिनांक:-13/09/2025 के तहत जारी किया गया था, उसी पर विस्तृत चर्चा करके सर्व सहमति से निर्णय लिए गये, जो निम्नानुसार है:-

1.	श्री रामपाल शर्मा	महासभा प्रधान	17.	श्री श्रीगोपाल चोयल	मुख्य सलाहकार महासभा
2.	श्री कैलाश चंद बरनेला	पूर्व प्रधान महासभा	18.	श्रीमती सविता जांगिड	अध्यक्ष, महिला प्रकोष्ठ
3.	श्री नानु राम जांगिड	प्रदेशाध्यक्ष – महाराष्ट्र	19.	श्री भोला राम शर्मा	प्रदेशाध्यक्ष – छत्तीसगढ़
4.	श्री घनश्याम शर्मा	प्रदेशाध्यक्ष - राजस्थान	20.	श्री ख़ुशी राम जांगिड	प्रदेशाध्यक्ष – हरियाणा
5.	श्री प्रभु दयाल बरनेला	प्रदेशाध्यक्ष-मध्य प्रदेश	21.	श्री राजेंद्र कुमार शर्मा	प्रदेशाध्यक्ष – गुजरात
6.	श्री कैलाश शर्मा	उच्यस्तरीय कमेटी	22.	श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा	प्रदेशाध्यक्ष – उत्तराखंड
7.	श्री रमेश चंद शर्मा	प्रदेश प्रभारी–उत्तराखंड	23.	श्री मदन लाल जांगिड	प्रदेश प्रभारी-दिल्ली
8.	श्री चंपा लाल जांगिड	प्रदेश प्रभारी-महाराष्ट्र	24.	श्री रमेश शर्मा	प्रदेश प्रभारी-दक्षिण भारत
9.	श्री संतलाल जांगिड	वरिष्ठ उपप्रधान	25.	श्री ओम प्रकाश शर्मा	कोर कमेटी सदस्य
10.	श्री गंगादीन जांगिड	कोर कमेटी सदस्य	26.	श्री बजरंग लाल शर्मा	कोर कमेटी सदस्य
11.	श्री द्वारका प्रसाद शर्मा	उच्यस्तरीय कमेटी	27.	श्री कैलाश चंद जांगिड	उच्यस्तरीय कमेटी
12.	श्री पतराम शर्मा	उच्यस्तरीय कमेटी	28.	श्री जगदीश प्रसाद खंडेलवाल	कार्यकारी अध्यक्ष दिल्ली
13.	श्री सतीश जांगिड	पूर्व प्रदेशाध्यक्ष–छत्तीसगढ़	29.	श्री धर्म चंद शर्मा	प्रदेश प्रभारी छत्तीसगढ़
14.	श्री सांवर मल जांगिड	महामंत्री महासभा	30.	श्री मोहन लाल जांगिड	प्रदेशप्रभारी गुजरात
15.	श्री ऋषि प्रकाश जांगिड	कार्यालय प्रभारी	31.	श्री ओम प्रकाश जांगिड	उच्यस्तरीय कमेटी

सर्वप्रथम महासभा **महामंत्री सांवरमल जांगिड** ने रायपुर में सम्पन्न होने जा रही प्रदेशाध्यक्षों / प्रदेश प्रभारियों की दूसरी त्रैमासिक मीटिंग में उपस्थित सभी प्रदेशाध्यक्षों एवं प्रदेश प्रभारियों तथा महासभा पदाधिकारियों का मीटिंग में पधारने पर गर्म जोशी के साथ हार्दिक स्वागत, वंदन एवं अभिनंदन किया गया। तत्पश्चात मीटिंग की शुरुआत करते हुए महामंत्री ने मीटिंग के पूर्व निर्धारित एजेंडा अनुसार चर्चा करने हेतु विधिवत शुरुआत की गयी जो निम्नानुसार हैं :--

एजेंडा नम्बर – 1 नव निर्वाचित प्रदेशाध्यक्षो एवं मनोनीत प्रदेश प्रभारियों का परिचय , स्वागत एवं अभिनंदन:-

मीटिंग की एजेंडा अनुसार शुरुआत करते हुए महासभा महामंत्री ने हाल ही में महासभा के चार प्रदेशाध्यक्षों का चुनाव निर्विरोध सम्पन्न होने पर समस्त उपस्थित पदाधिकारियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। तदुपरांत मीटिंग में प्रथम बार उपस्थित हुये निर्विरोध नव निर्वाचित **प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र कुमार जांगिड - गुजरात, नरेन्द्र कुमार शर्मा - उतराखंड एवं भोला राम शर्मा - छत्तीसगढ़ तथा महासभा प्रधान द्वारा मनोनीत महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा श्रीमती सविता शर्मा अजमेर, प्रदेश प्रभारी रमेश चंद शर्मा – हरिद्वार को उत्तराखंड, रमेश शर्मा – बेंगलुरू को दक्षिण भारत, मोहन लाल जांगिड – गांधीधाम को गुजरात, कैलाश शर्मा सूरत को सदस्य उच्य स्तरीय कमेटी, बजरंग लाल शर्मा को सदस्य कोर कमेटी, संतलाल जांगिड बेंगलुरू को वरिष्ठ उपप्रधान, ऋषि प्रकाश जांगिड – दिल्ली** को महासभा कार्यालय प्रभारी का परिचय करवाने के पश्चात उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने नव आगन्तुक पदाधिकारियों का तालियों की गडगड़ाहट के साथ गर्म जोशी से स्वागत, अभिनंदन किया एवं मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने अपना अपना परिचय देते हुए एक दूसरे का अभिवादन भी किया।

एजेंडा नबर – 2 इंदौर त्रैमासिक मीटिंग दिनांक 22/06/2025 को लिए गये निर्णयों का अनुमोदन।

महामंत्री ने एजेंडे के अनुसार अगले बिंदु का उल्लेख करते हुए कहा कि दिनांक 22/06/2025 को प्रदेशाध्यक्षों / प्रदेश प्रभारियों की प्रथम त्रैमासिक मीटिंग, जो इंदौर में आयोजित की गई थी उस मीटिंग में लिए गये निर्णयों की सम्पूर्ण रिपोर्ट (मिनट्स) महासभा के पत्रांक:- अ.भा.जां.ब्रा.म.-2635/2025 दिनांक 14/07/2025 के तहत समस्त प्रदेश अध्यक्षों को प्रेषित किये जाने के साथ ही महासभा पत्रिका **माह जुलाई 2025 के पेज नम्बर 43 से 46** पर प्रकाशित की जा चुकी है। अत: उक्त मीटिंग के मिनट्स का पुनः वाचन नही करके प्रकाशित मिनट्स को पढ़ा हुआ मानकर मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों से महासभा की इंदौर मीटिंग में लिए गये निर्णयों का अनुमोदन करने हेतु निवेदन किया, जिसे उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने अपने- अपने हाथ उठाकर करतल ध्वनि के साथ अनुमोदन किया।

एजेंडा नम्बर – 3 महासभा के नवनिर्मित भवन को संचालित करने हेतु संचालन कमेटी का गठन एवं कार्यालय प्रभारी के पद पर मनोनयन का अनुमोदन :--

इंदौर में सम्पन्न मीटिंग में उक्त कमेटी गठन बाबत महासभा प्रधान रामपाल शर्मा एवं कार्यकारी प्रधान लादूराम जांगिड को अधिकृत किया था तथा उक्त निर्णय की अनुपालना में महासभा प्रधान एवं कार्यकारी प्रधान ने **महासभा पत्रांक 2680/2025 दिनांक 25/08/2025 के तहत भवन को संचालित करने हेतु श्री देवी सिंह ठेकेदार यमुनापार – दिल्ली** की अध्यक्षता में एक पांच सदस्यीय संचालन कमेटी का गठन किया गया जिसके चार सदस्य निम्नानुसार है :-

1. श्री रमेश चंद शर्मा — कृष्णाविहार- दिल्ली
2. श्री जगदीश राय जांगड़ा नांगलोई-दिल्ली
3. श्री बंकट लाल शर्मा — संगमविहार -दिल्ली
4. श्री दामोदर जांगिड — फरीदपुरी-दिल्ली

इसके साथ ही **महासभा पत्रांक 2679/2025 दिनांक 25/08/2025 के तहत महासभा कार्यालय में प्रभारी के पद पर श्री ऋषि प्रकाश जांगिड पपरावट -दिल्ली** को मनोनीत किया गया है। उक्त कमेटी का गठन एवं कार्यालय प्रभारी के पद पर मनोनयन करने बाबत महासभा प्रधान एवं कार्यकारी प्रधान द्वारा लिए गये निर्णयों से अवगत करवाने के साथ ही उक्त नियुक्तियों का अनुमोदन करने का भी निवेदन किया। जिसका उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने उक्त दोनों ही निर्णयों का स्वागत करते हुए एक स्वर में अनुमोदन किया गया।

एजेंडा नम्बर - 4 महासभा अधीनस्थ ईकाइयों में प्रकोष्ठ गठन करने सम्बन्धी दिशा निर्देशों का अनुमोदन :--

एजेंडा नम्बर – 5 महासभा अधीनस्थ ईकाइयों के नाम, पदाधिकारियों के पदनाम सम्बन्धी दिशा निर्देशों का अनुमोदन करने बाबत ::--

एजेंडा नम्बर – 6 महासभा अधीनस्थ ईकाइयों के समारोहों में पदाधिकारियों का वरिष्ठता क्रम (प्रोटोकोल) समारोह के बेनर एवं निमन्त्रण कार्ड प्रिंट करवाने सम्बन्धी दिशा निर्देशों का अनुमोदन करने बाबत::-

एजेंडा नम्बर – 7 महासभा कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के वार्षिक लक्ष्य एवं दायित्व सम्बन्धी दिशा - निर्देशों का अनुमोदन करने बाबत::--

एजेंडा नम्बर – 8 महासभा अधीनस्थ कार्यरत प्रदेश सभा / जिला सभा / तहसील सभा एवं शाखा सभा के विरुद्ध संवैधानिक अनियमितता की शिकायत प्राप्ति पर कार्यकारिणी को भंग करने सम्बन्धी दिशा - निर्देशों का अनुमोदन करने बाबत ::--

बन्धुओं, जैसा की आप सभी को विदित है कि महासभा संविधान में कई नियमों का स्पष्ट उल्लेख नही होने के कारण विभिन्न संवैधानिक समस्याओं के निराकरण के लिए महासभा को तत्काल विभिन्न दिशा निर्देश जारी करने पड़ते है उसी सन्दर्भ में महासभा द्वारा उक्त एजेंडा बिंदु 4 से 8 तक के तहत दिशा निर्देश भी दिनांक 30/07/2025 से 10/09/2025 तक जारी करते हुए सोशल मीडिया पर भी वायरल किये गये थे जिनका महासभा के अंतर्गत कार्यरत समस्त इकाइयों के अध्यक्षों द्वारा एवं महासभा की वर्तमान कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारियों तथा विभिन्न कमेटियों के सदस्यों द्वारा पालन किया जाना अति आवश्यक हैं। साथ ही महासभा द्वारा जारी उक्त दिशा निर्देशों को आप सभी पदाधिकारियों ने **सोशल मीडिया पर** या महासभा की मासिक पत्रिका **माह अगस्त-2025 के पेज नम्बर 50 से 53 एवं माह सितम्बर–2025 के पेज नम्बर 16** पर प्रकाशित होने पर पढ़ लिए होंगें।

मीटिंग के **एजेंडा क्रमांक 4 से लेकर क्रमांक 8 तक** के समस्त दिशा-निर्देशों पर बारी बारी से चर्चा एवं विचार विमर्श करने के उपरांत महासभा महामंत्री ने मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों से उक्त दिशा-निर्देशों का अनुमोदन करने हेतु निवेदन करते हुए यह भी स्पष्ट किया की महासभा कार्य संचालन के दौरान जैसे- जैसे कुछ समस्याएं / दिक्कतें संज्ञान में आती है उन्हीं को ध्यान में रखते हुए महासभा संविधान के तहत आपसी विचार विमर्श करने के उपरांत ही उक्त समस्त दिशा निर्देश जारी किये गये है फिर भी यह दिशा - निर्देश अंतिम नहीं है किसी को भी यदि इन दिशा निर्देशों के सम्बन्ध में और भी कोई अच्छा सुझाव ध्यान में आये तो अवश्य अवगत करवाने का कष्ट करें ताकि समाज हित में उक्त निर्देशों को आवश्यक संशोधन के साथ पुनः जारी करने के साथ ही भविष्य में होने वाले संविधान संशोधन के एजेंडे में शामिल किये जा सकें। **तदुपरांत बैठक में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने उक्त सभी दिशा निर्देशों का स्वागत करते हुए अपने-अपने हाथ खड़े करके पूर्ण समर्थन के साथ अनुमोदन किया।**

एजेंडा नम्बर – 9 महासभा एवं महासभा के अधीन प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव में नामांकन के पश्चात यदि प्रत्याशी एवं समाज बन्धु सर्वसम्मति से एकमत होकर चाहे तो नाम वापसी का कार्य उसी दिन करवाकर प्रत्याशी की घोषणा करने बाबत अनुमोदन::--

उक्त बिंदु पर महासभा महामंत्री ने सभी को अवगत कराया कि महासभा चुनाव निर्देशिका-2024 के नियमों एवं निर्देशों अनुसार महासभा प्रधान एवं प्रदेश सभाओं के प्रदेशाध्यक्ष पद हेतु दो दिवसीय नामांकन प्रक्रिया के तहत शनिवार को नामांकन पत्र प्रस्तुत करना एवं रविवार को नाम वापसी के लिए निर्धारित है। परंतु पिछली चुनाव अधिसूचना के अनुसार चार प्रदेशों के चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रदेश चुनाव अधिकारियों के माध्यम से यह संज्ञान में आया है कि नामांकन के दिन प्रत्याशियों की अंतिम सूची प्रकाशित होने के उपरांत वहाँ चुनाव में भाग लेने वाले समस्त उम्मीदवार एवं उपस्थित समाज बंधुओं ने यह मांग उठाई की दो दिवसीय चुनाव प्रक्रिया को घटाकर एक ही दिन में सम्पन्न किया जाना चाहिए। उपरोक्त मांग पर मुख्य चुनाव अधिकारी ने वरिष्ठ पदाधिकारियों से विचार विमर्श करके यह निर्णय दिया कि चुनाव में भाग लेने वाले समस्त प्रत्याशीगण नामांकन प्रस्तुत करने की दिनांक को ही किसी एक प्रत्याशी के पक्ष में नाम वापस लेना चाहते हैं और नामांकन निर्विरोध हो रहा हो तो प्रत्याशीगण एवं उपस्थित समाज बधुं सम्मिलित रूप से हस्ताक्षर करके

आवेदन देने पर चुनाव अधिकारी प्रथम दिवस पर ही नामांकन प्रक्रिया समाप्त कर सकेंगे। इस निर्णय के परिपेक्ष्य में उत्तराखंड, गुजरात एवं छत्तीसगढ़ में निर्विरोध नामांकन हुआ और एक ही दिन में प्रक्रिया पूर्ण कर दी गई।

महासभा के मुख्य चुनाव अधिकारी **प्रवीण कुमार शर्मा ने दो दिवसीय चुनाव प्रक्रिया** को एक ही दिन में सम्पन्न करवाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए उक्त लिखित प्रक्रिया को अगले चार प्रदेशाध्यक्षों की चुनाव अधिसूचना मे महासभा पत्रिका **माह सितम्बर 2025 के अंक के पेज नम्बर 18 पर विशेष नियम** के तहत उल्लेखित

कर दिया है, जिसको आप सबने भली भांति पढ़ लिया होगा। यदि सदन में उपस्थित समस्त पदाधिकारीगण वर्तमान **चुनाव निर्देशिका-2024** मे दो दिवसीय नामांकन प्रक्रिया को उक्त उल्लिखित शर्तों के साथ संशोधन से सहमत हो तो अनुमोदन करने का कष्ट करें। **जिस पर समस्त उपस्थित पदाधिकारियों ने चुनाव नामांकन प्रक्रिया के उक्त संशोधन का हाथ उठाकर एक स्वर में अनुमोदन किया।**

एजेंडा नम्बर – 10. महासभा या किसी भी ईकाई में प्रधान / अध्यक्ष के पद पर निरंतर चुनाव लड़ने के सम्बन्ध में महासभा संविधान का विशेष नियम 12 का उपनियम 6 एवं चुनाव निर्देशिका 2024 के नियम 15 उपनियम 6 के अनुसार स्पष्टीकरण बाबत चर्चा:-

उक्त विषय पर महासभा महामंत्री ने बताया कि महासभा संविधान का **विशेष नियम 12 का उपनियम 6 एवं चुनाव निर्देशिका 2024 के नियम 15 उपनियम 6** के अनुसार महासभा का कोई भी सदस्य महासभा के प्रधान, प्रदेश सभा के प्रदेशाध्यक्ष, जिला सभा के जिलाध्यक्ष, तहसील तथा शाखा सभा का अध्यक्ष निरन्तर 2 बार से अधिक नहीं बन सकेगा। यदि कोई सदस्य तीसरी बार निरंतर उसी पद पर नामांकन करता है तो उसका नामांकन निरस्त कर दिया जाएगा।

यदि कोई सदस्य उसी पद पर तीसरी बार आना चाहता है तो उसे एक सत्र का गेप (ब्रेक) देना होगा। साथ ही **यह भी स्पष्ट करना उचित होगा कि निरंतरता का यह नियम केवल चुनाव के माध्यम से पदाधिकारी बनने वाले सदस्यों के लिए ही हैं।** यदि महासभा या इसके अंतर्गत किसी भी सभा में कोई मनोनीत पदाधिकारी **जैसे कार्यवाहक / कार्यकारी प्रधान / अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया जाता है तो वह निरंतरता के इस नियम में नहीं आएगा** क्योंकि महासभा संविधान में मनोनीत प्रधान / अध्यक्ष एवं कार्यकारी / कार्यवाहक प्रधान / अध्यक्ष की नियुक्ति बाबत कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं होने से भविष्य में कभी भी संवैधानिक / क़ानूनी दिक्कत आ सकती है।

महासभा प्रधान एवं अंतर्गत सभी इकाइयों के चुनाव सम्पन्न करवाने हेतु महासभा मीटिंगों में सर्वसम्मति से अनुमोदित महासभा की **चुनाव निर्देशिका 2024** उपलब्ध है। अत: यदि आप समस्त पदाधिकारी सहमत हो तो महासभा चुनाव निर्देशिका – 2024 के नियम 15 उप नियम 6 में यह स्पष्ट कर दिया जाये की आज के बाद महासभा संविधान का **विशेष नियम 12 का उपनियम 6 एवं चुनाव निर्देशिका 2024 के नियम 15 का उपनियम 6 सिर्फ निर्वाचित पदों के लिए ही लागू होगा तथा किसी भी प्रकार के मनोनीत पदों पर लागू नही होगा।** जिस पर समस्त उपस्थित पदाधिकारियों ने चुनाव निर्देशिका – 2024 एवं महासभा संविधान में चुनाव प्रक्रिया से सम्बन्धित उक्त नियम को स्पष्ट करके संशोधित करने का हाथ उठाकर सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।

एजेंडा नम्बर – 11. महासभा या अधीनस्थ किसी भी ईकाई में मनोनीत पदाधिकारी जैसे कार्यकारी प्रधान / अध्यक्ष एवं महामंत्री / प्रदेश मंत्री / जिला मंत्री तथा कोषाध्यक्ष आदि के लिए मनोनयन अवधि संबंधी नियम स्पष्ट करने बाबत चर्चा :-

उक्त बिंदु पर महासभा महामंत्री ने बताया कि (1) **चुनाव निर्देशिका 2024 के नियम 15 के उप नियम 1, 2 और 3** में स्पष्ट उल्लेख है कि महासभा के प्रधान, प्रदेशाध्यक्ष तथा जिलाध्यक्ष एवं निचली इकाई के अध्यक्ष द्वारा त्यागपत्र देने, मृत्यु हो जाने या सभा भंग हो जाने पर तदर्थ समिति का गठन होगा जिसमें एक सदस्य समिति का अध्यक्ष मनोनीत किया जाएगा। नए चुनाव होने तक यह समिति उस पद का कार्य देखेगी। परंतु त्यागपत्र, मृत्यु या सभा भंग हो जाने के 6 माह के भीतर उस पद के चुनाव कराने आवश्यक होंगे।

उपरोक्त बिंदु एक में दिए गए कारणों के अतिरिक्त महासभा या महासभा की किसी भी ईकाई में कोई भी मनोनीत पदाधिकारी जैसे कार्यकारी प्रधान, महामंत्री, कोषाध्यक्ष या कोई अन्य पदाधिकारी अधिकतम 3 वर्ष या मनोनीत करने वाले पदाधिकारी का कार्यकाल दोनों में जो पहले हो के साथ ही समाप्त हो जाएगा। **परन्तु** यहां यह स्पष्ट करना उचित होगा की महासभा के महामंत्री / प्रदेश सभा के प्रदेश मंत्री / जिला सभा के जिला मंत्री एवं तहसील या शाखा सभा के मंत्री तथा सभी सभाओं के कोषाध्यक्ष नए चुनाव संपन्न हो जाने तक अपने पद पर बने रहेंगे क्योंकि निर्वाचन प्रक्रिया में **अनापत्ति प्रमाण पत्र / अदैयता प्रमाण पत्र जारी** करने तथा हिसाब किताब को अंतिम रूप देने के संबंध में इनकी आवश्यकता बनी रहती है। इसलिए नव निर्वाचित कार्यकारिणी को पुराने कार्यकाल का चार्ज देने के साथ ही यह दोनों

पद भी समाप्त हो जाएंगे। साथ ही यहाँ यह भी स्पष्ट करना उचित होगा कि महासभा या इसके अंतर्गत किसी भी इकाई में कोई भी मनोनीत पदाधिकारी जैसे कार्यवाहक / कार्यकारी प्रधान / अध्यक्ष / महामंत्री / जिला मंत्री / मंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया जाता है तो वह महासभा संविधान का **विशेष नियम 12 का उपनियम 6 एवं चुनाव निर्देशिका 2024 के नियम 15 उपनियम 6 तहत निरंतरता के नियम में नहीं आएगा।** इस स्पष्टीकरण को महासभा चुनाव निर्देशिका 2024 में भी स्पष्ट कर दिया जाए। **उक्त स्पष्टीकरण के संबंध में समस्त पदाधिकारियों ने अपने-अपने हाथ खड़े करके पूर्ण समर्थन के साथ अनुमोदन किया।**

एजेंडा नम्बर – 12 जातिगत जन गणना के सम्बन्ध में चर्चा:-

महामंत्री ने चर्चा करते हुए बताया कि बंधुओं, जैसा की दिनांक 21 जून 2025 को इंदौर में सम्पन्न प्रदेशाध्यक्षों की त्रैमासिक मीटिंग में लिए गये निर्णय के सम्बन्ध में समस्त प्रदेश अध्यक्षों को महासभा क्रमांक :- अ.भा.जां.ब्रा.म.- **2636/2025 दिनांक 14/07/2025 के** तहत यह सूचित करने का निवेदन किया गया था कि प्रत्येक प्रदेश के सरकारी रिकार्ड में हमारे समाज के लोगों को जातियों के किस-किस नाम से जाना जाता है। साथ ही हमारे समाज की कौन-कौन सी जातियां वास्तव में निवास करती है तथा आपके द्वारा प्रेषित सूचना के अनुसार ही आगामी राष्ट्रीय जातीय जनगणना कार्य के लिए हमारे समाज को पुकारे जाने वाले विभिन्न नामों में एकरूपता बनाकर महासभा द्वारा सम्बन्धित प्रदेश सरकारों एवं केंद्र सरकार से पत्राचार किया जाना प्रस्तावित है।

परन्तु बड़े अफ़सोस के साथ कहना पड रहा है की सिर्फ प्रदेशाध्यक्ष मध्यप्रदेश के अलावा किसी भी प्रदेश ने आज तक कोई जवाब प्रेषित नही किया जिस पर महासभा प्रधान ने सभी के प्रति नाराजगी प्रकट करते हुए निर्देशित किया कि **बाकि सभी प्रदेश अध्यक्ष 31 अक्टूबर 2025** तक अपने अपने प्रदेश की वांछित सूचना महासभा को प्रेषित करना सुनिश्चित करेंगें। **जिस पर सभी उपस्थित प्रदेश अध्यक्षों ने अपनी-अपनी सहमति देते हुए वांछित सूचना प्रेषित करने का आश्वाशन दिया।**

एजेंडा नंबर 13 महासभा मे आर्थिक सहायता प्रकोष्ठ का गठन करने पर चर्चा:-

महामंत्री महासभा ने इस बिंदु पर चर्चा करते हुए सभी को अवगत कराया कि पिछले काफी समय से महासभा के सदस्यगण बार-बार संज्ञान में ला रहे हैं कि महासभा द्वारा समाज की विधवा महिलाओं, आर्थिक रूप से कमजोर एवं बेसहारा परिवारों, असामयिक दुर्घटनाओं में पीड़ित परिवारों तथा लाइलाज बीमारियों से ग्रसित समाज बंधुओं के लिए आर्थिक सहायता करने की व्यवस्था होना चाहिए। महासभा प्रधान जी ने इस विषय पर तुरंत संज्ञान लेते हुए महासभा में आर्थिक

सहायता प्रकोष्ठ का गठन करने के साथ ही महासभा में पूर्व में गठित शिक्षा कल्याण प्रकोष्ठ को पुनर्गठित करने का भी निश्चय किया। उक्त दोनों बिंदुओं पर मीटिंग में उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने प्रधानजी द्वारा लिए गए निर्णय का स्वागत करते हुए एक स्वर में अनुमोदन करने के साथ ही प्रदेशों से भी अधिक से अधिक आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। साथ ही सभी प्रदेशों से **प्लेटिनम, गोल्ड एवं रजत सदस्य बनाने** तथा महासभा के **निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण करने में भी पुरजोर समर्थन एवं सहयोग करने का भरोसा दिलाया।**

एजेंडा नंबर 14 अन्य कोई विषय प्रधान जी की अनुमति से:-

(1) महासभा में बनाए जाने वाले सदस्यों की सदस्यता राशि को संबंधित प्रदेशों को वापस करने बाबत चर्चा:-

मीटिंग में उपस्थित समस्त प्रदेशाध्यक्षों ने एक स्वर में उक्त बिंदु पर बोलते हुए कहा कि इंदौर मीटिंग में हुए निर्णय एवं महासभा प्रधान द्वारा मंच से की गई घोषणा के अनुसार महासभा में बनने वाले नए सदस्यों से प्राप्त राशि का माह जनवरी 2025 से रुपये 200/- सदस्य के हिसाब से संबंधित प्रदेशसभा को अविलंब भुगतान करने अनुरोध किया। साथ ही महासभा प्रधान से यह भी निवेदन किया गया कि आज के बाद महासभा में बनने वाले **प्लेटिनम, गोल्ड एवं रजत सदस्यों से प्राप्त सदस्यता राशि का 10% हिस्सा** भी संबंधित प्रदेशों को भुगतान किया जाना चाहिए। इन दोनों ही बिंदुओं पर एक बार फिर सदन की आम सहमति एवं निवेदन को ध्यान में रखते हुए प्रधान जी ने घोषणा करते हुए कहा कि महासभा

में बनने वाले नए सदस्यों से प्राप्त राशि का ₹ 200/- प्रति सदस्य के हिसाब **माह जनवरी 2025** से तथा महासभा में **प्रदेश सभाओं के प्रयास एवं प्रेरणा** से बनने वाले **प्लेटिनम, गोल्ड एवं रजत सदस्यों से प्राप्त** सदस्यता राशि का **10% हिस्सा भी अगली मीटिंग में अनुमोदन के बाद से** संबंधित प्रदेशों को बारी-बारी से भुगतान किया जाएगा। जिसका मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों **ने उक्त निर्णय का स्वागत करते हुए करतल ध्वनि से अनुमोदन किया।**

(2) महासभा के नवनिर्मित मुंड़का भवन एवं चांदनी चौक स्थित पुराने भवन को किराये पर देने हेतु चर्चा :--
महामंत्री महासभा ने बताया कि मुझे आपको सूचित करते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है कि महासभा के नवनिर्मित **मुंडका भवन में 48 केवीए का 3 फेस बिजली कनेक्शन दिनांक 25/09/25** को लग गया है। इस खुश खबर पर सभी उपस्थित पदाधिकारियों ने तालियां बजाकर खुशी का इजहार करते हुए प्रधान जी को धन्यवाद दिया तथा उनके प्रति आभार प्रकट किया।

इसके साथ ही **महासभा के पूर्व प्रधान श्री कैलाश बरनेला** ने सुझाव दिया कि अब महासभा के नवनिर्मित भवन एवं चांदनी चौक स्थित पुराने कार्यालय भवन को अविलंब किराए पर देने के लिए विचार किया जाना चाहिए ताकि महासभा को एक निश्चित मासिक आय प्राप्त हो सके और महासभा कार्यालय एवं भवन का सुचारू संचालन किया जा सके। इस बिंदु पर मीटिंग में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों द्वारा पर्याप्त विचार विमर्श के उपरांत सभी की सर्वसम्मति से निर्णय किया गया कि महासभा के **नवनिर्मित भवन एवं चांदनी चौक स्थित पुराने कार्यालय भवन को अविलंब किराए पर देने के लिए महासभा कि संचालन कमेटी को अधिकृत किया जावे तथा निर्देशित किया जाए की कमेटी के सदस्य कार्यालय प्रभारी के साथ मुंडका भवन एवं चांदनी चौक स्थित भवन क्षेत्र में जाकर किराए आदि की स्थिति का पता लगाएं और किराया एजेंटों से भी संपर्क करें तय किराया देने की कार्रवाई हेतु सकारात्मक प्रयास करें।**

इसके साथ ही कमेटी को यह भी जिम्मेदारी दी गई कि मुंडका भवन का कितना हिस्सा तथा चांदनी चौक भवन को मरम्मत के बिना या मरम्मत करवाकर किराए पर दिया जाए। उपरोक्त की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर महासभा प्रधानजी को अविलंब अवगत उक्त सभी सुझावों का उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने अनुमोदन किया।

(3) सोशल मिडिया पर महासभा प्रधान एवं पदाधिकारियों के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए बेबुनियाद एवं मनघढ़ंत आरोप लगाते हुए अनावश्यक टीका टिप्पणी करने पर चर्चा :-

यह मामला उठाते हुए राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम शर्मा ने कहा कि महासभा के ऐसे सदस्य जो सोशल मीडिया पर महासभा प्रधान एवं पदाधिकारियों के खिलाफ अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए बेबुनियाद एवं मनघढ़ंत आरोप लगाते हुए अनावश्यक टीका टिप्पणी करते है उनका प्रदेश / जिला / तहसील स्तर के प्रत्येक सामाजिक समारोह में बहिष्कार करने एवं सोशल मीडिया ग्रुप के एडमिन द्वारा उनको तुरंत ग्रुप से बाहर करने का सुझाव दिया साथ ही पतराम शर्मा गुडगाँव ने ऐसे सदस्यों की सदस्यता तुरंत समाप्त करने का भी सुझाव दिया जिसका उपस्थित समस्त पदाधिकारियों ने एक स्वर में अनुमोदन किया।

मीटिंग के अंत में महासभा महामंत्री ने उपस्थित सभी प्रदेश अध्यक्षों/ प्रदेश प्रभारियों/ उच्च स्तरीय कमेटी /कोर कमेटी सदस्यों तथा महासभा एवं अन्य पदाधिकारी गणों को मीटिंग में अपना अमूल्य समय निकालकर भाग लेने एवं अपने महत्वपूर्ण सार्थक एवं उपयोगी सुझाव देने के लिए आभार... धन्यवाद.. एवं कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए प्रधान जी की अनुमति से भगवान श्री विश्वकर्मा जी के जयकारे के साथ मीटिंग समाप्ति को घोषणा की गई।

प्रतिलिपि :- सभी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु :-
समस्त प्रदेशाध्यक्ष / प्रदेश प्रभारी एवं महासभा पदाधिकारी गण,
राजस्थान, हरियाणा, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, कर्नाटका,
तेलंगाना, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब

(सांवरमल जांगिड)
महामंत्री – महासभा

हवन यज्ञ करने से वातावरण शुद्ध होने के साथ ही नई ऊर्जा का संचार भी होता है

महासभा के आध्यात्मिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष, सत्यपाल वत्स

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा की, त्रैमासिक मीटिंग और प्रदेश सभा की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 28 सितम्बर को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आयोजित किया गया था और इस प्रतिष्ठित बैठक के शुरु होने से पहले, रायपुर के सालासर धाम भवन में आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सत्य पाल वत्स की अध्यक्षता में एक यज्ञ (हवन) का आयोजन किया गया और इस हवन में वैदिक विद्वान और समाज के प्रतिष्ठित महानुभवों ने आहुति डाल कर पुण्य का भागी होने का लाभ प्राप्त किया।

रायपुर में 28 सितंबर को महासभा की त्रैमासिक बैठक से पहले हवन किया गया

भारतीय संस्कृति और सभ्यता में सदैव से ही यह मान्यता रही है कि किसी भी शुभ कार्य को शुरू करने के से पहले, पहले हवन का आयोजन किया जाता है और प्राचीन समय में तो ऋषि-मुनि यज्ञ किए बिना भोजन ग्रहण भी नहीं करते थे। जीवन में, यज्ञ के महत्व का उल्लेख करते हुए आध्यात्मिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सत्य पाल वत्स ने बताया कि, यज्ञ क्यों जरूरी है।

स्वर्ग कामो यज्ञेत्यज्ञो वै श्रेष्ठतमं कर्म यज्ञो वै कल्पवृक्षः

अर्थात यज्ञ मानव जीवन का सर्वश्रेष्ठ कर्म है अत: प्रतिदिन यज्ञ अवश्य करना चाहिए यज्ञ औषधि रूप है और यज्ञ करने से ऋतु संधियों में उत्पन्न रोगों का भी नाश होता है और यज्ञ से जीवन भी संयमित हो जाता है और यज्ञ से समस्त वायुमण्डल शुद्ध हो जाता है तथा यज्ञ मनुष्य में त्याग की भावना जागृत करता है क्योंकि **''इदन्न मम''** त्याग का ही परिचायक है। इसी प्रकार यज्ञ से शरीर स्वस्थ एवं दीर्घायु होता है तथा यज्ञ से शरीर, इंद्रिय, मन एवं आत्मा शुद्ध होते हैं। यज्ञ से हमारे हदय में ईश्वर के प्रति विश्वास, आस्था व श्रद्धाभाव जागृत होता है।

हवन यज्ञ का विस्तृत उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि यज्ञ इसलिए भी जरूरी है कि आदमी सारा दिन शरीर के द्वारा, पसीने, मलमूत्र और श्वास के द्वारा सारा दिन वायुमंडल को दूषित करता है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य बनता है कि वह यज्ञ के द्वारा वायुमंडल को शुद्ध करें। आज के बढ़ते हुए प्रदूषण के कारण ही मनुष्यों की चिंता अधिक बढ़ गई है और यज्ञ इसमें संजीवनी का कार्य करता है। यज्ञ के माध्यम से जहां पर प्रत्येक प्राणी को शुद्ध हवा मिल सकेगी, वहीं हम प्रतिदिन अपने घर को, प्रतिष्ठान को और शरीर को शुद्ध और साफ सुथरा रख सकते हैं। इसलिए हम सबको दैनिक यज्ञ करना चाहिए, जो हमारा निजी कर्तव्य बनता है। हवन करने से जहां वायुमंडल शुद्ध होता है वहीं घर का वातावरण भी शुद्ध होता है और परिवार भी स्वस्थ रहता है तथा बच्चों में भी अच्छे संस्कार पड़ते हैं।

छत्तीसगढ़ प्रदेश सभा अध्यक्ष भोला राम शर्मा ने कहा कि इस हवन का आयोजन इस उद्देश्य को लेकर किया गया था ताकि समारोह में शामिल अतिथियों को बेहतर वातावरण के साथ ही उनमें एक नई ऊर्जा का भी समावेश हो सकेगा। इसके अतिरिक्त महासभा के मुख्य सरंक्षक भंवरलाल कुलरिया, प्रधान रामपाल शर्मा, पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला, और महामंत्री सांवरमल जांगिड, महासभा के उच्च स्तरीय समिति के सदस्य गंगादीन जांगिड, आर्य समाज के पुरोधा महासभा के उपप्रधान सुल्तान सिंह आर्य जांगिड, एडवोकेट पुखराज जांगिड, छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष भोला राम शर्मा, विश्वकर्मा मंदिर के प्रबंधक गोविन्द बरनेला, प्रदीप गौतम और रमाशंकर गौतम सहित अनेको समाज बंधुओं ने इस हवन में आहुति दी।

☆☆☆

श्री विश्वकर्मणे नमः

रजि. नं. : एस/27, 1919

अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा

प्रदेश सभा राजस्थान

कार्यालय : अ.भा.जां.ब्रा. महासभा प्रदेश सभा भवन, 2/1, सेक्टर – 4, विद्याधर नगर, जयपुर–302039 (राजस्थान)

प्रदेशाध्यक्ष	कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष
घनश्याम शर्मा पंवार	गजानन्द जांगिड़	कैलाश शर्मा साली वाले	रमेश चन्द शर्मा
मो.: 9829052920	मो.: 9829727279	मो.: 9829062211	मो.: 9828140028

राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह सत्र 2024 – 25
आवेदन प्रपत्र

क्रमांक :

रविवार, 16 नवम्बर 2025, प्रातः 11.00 बजे

फोटो यहाँ पर लगाए।

1. नाम विद्यार्थी...
2. पिता का नाम ....गौत्र ....
3. वर्तमान पता ....
   ....Email..................................
4. मोबाईल नं. (स्वयं) .... मो नं. (अभिभावक)..............................
5. शिक्षण संस्थान का नाम ....कक्षा..............................
   उत्तीर्ण करने का वर्ष.................... प्राप्तांक .... प्रतिशत ....
6. अतिरिक्त योग्यता .... अभिरूचि ....
7. भविष्य की योजना ....
8. खेलकूद / तकनीक / कला के क्षेत्र में राज्य स्तरीय एवं इससे उच्चतर प्राप्त सम्मान का विवरण, प्रमाण–पत्र की छायाप्रति संलग्न करें)..................................

आवेदन के लिए लिए योग्यता, नियम एवं शर्तें :– **आवेदन की अन्तिम तिथि : 30 अक्टूबर 2025**

1. राजस्थान प्रदेश में निवास करने वाले सभी जांगिड सुथार समाज के विद्यार्थी जिन्होनें कक्षा 10वीं, 12वीं एवं इससे उच्चतर कक्षाओं में शिक्षा सत्र 2024–25 में परीक्षाएँ उत्तीर्ण की हो।
2. राजस्थान बोर्ड एवं सी.बी.एस.ई. बोर्ड कक्षा 10वीं एवं 12वीं में 90 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी।
3. सी.ए./सी.एस. फाईनल परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी।
4. आई.आई.टी./एम.बी.बी.एस./एन.डी.ए. में वर्ष 2024–25 में चयनित होने वाले विद्यार्थी एवं एल.एल.बी, बी.एच.एम.एस., बी.ए.एम.एस., बी.डी.एस. एवं समकक्ष 2024–25 सत्र में उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थी।
5. स्नातक एवं स्नातकोत्तर एवं उच्च शिक्षा पाठ्यक्रमों बी.टेक, एम.टेक, बी.सी.ए, एम.सी.ए. में 80 प्रतिशत अथवा इससे अधिक प्राप्त करने वाले वर्ष 2024–25 सत्र के विद्यार्थी।
6. केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2024–25 में आई.ए.एस., आई.पी.एस., आर.ए.एस., आर.जे.एस. एवं समकक्ष सेवाओं में चयनित होने वाले अधिकारीगण।
7. खेलकूद कला एवं तकनीक में राज्य स्तरीय या उच्चतर स्तर से सम्मानित खिलाड़ी एवं समाज बंधु।
8. सभी ऑफलाईन फार्म भरने वाले विद्यार्थी अपने फार्म के साथ अंकतालिका, एक पासपोर्ट फोटो, विशेष योग्यता एवं खेलकूद का प्रमाण–पत्र अन्य (यदि आवश्यक हो तो) व कोई भी एक सरकारी पहचान–पत्र संलग्न करें। यह फार्म **30 अक्टूबर 2025** तक प्रदेश सभा भवन, 2/1, सेक्टर 4, विद्याधर नगर, जयपुर पर ही जमा होंगे। 30 अक्टूबर के बाद फार्म स्वीकार नहीं किये जायेंगे।
9. सभी ऑनलाईन फार्म भरने वाले विद्यार्थी दिए गए क्यू.आर. कोड के माध्यम से फार्म भर सकते है। इसके साथ अपनी अंक तालिका व एक पासपोर्ट फोटो, विशेष योग्यता एवं खेलकूद का प्रमाण–पत्र व अन्य (यदि आवश्यक हो तो) भी अपलोड़ किया जाना आवश्यक है।
10. ऑफलाईन व ऑनलाईन में से किसी एक ही प्रक्रिया से आवेदन किया जाना है। अन्य माध्यम से भेजे गए आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किये जाएगें।
11. विद्यार्थियों को अपने अभिभावको के साथ निर्धारित समय से 1 घण्टे पूर्व आकर अपने मूल दस्तावेजों का सत्यापन करवाना आवश्यक है। <u>किसी भी तरह की सहायता हेतु सम्पर्क सूत्र के पदाधिकारियों से सम्पर्क कर सकते है।</u>
12. सम्मानित किये जाने वाले विद्यार्थियों के चयन का सर्वाधिकार अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा, प्रदेश सभा राजस्थान के पास रहेगा।

सम्पर्क सूत्र :

रूपेन्द्र जांगिड, सहायक होस्टल वार्डन, मो: 8094390009 हर्ष जिठावा, वरिष्ठ मंत्री, मो: 9828050871

अभिभावक के हस्ताक्षर | हस्ताक्षर आवेदन प्राप्तकर्ता | आवेदक के हस्ताक्षर

पदनाम.............................. व मोबाईल नं. ....

क्रमांक :

आवेदन प्राप्ति रसीद

श्री .... पुत्र श्री ....

का अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महसभा, प्रदेश सभा राजस्थान द्वारा 16 नवम्बर 2025 में आयोजित किये जाने वाले सम्मान समारोह हेतु आवेदन–पत्र दिनांक .... को प्राप्त हुआ।

हस्ताक्षर आवेदन प्राप्तकर्ता

सांवरमल लदोया , जांगिड ब्राह्मण संस्थान के निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

जांगिड ब्राह्मण संस्थान गोल्याना लोहार्गल का 23 अगस्त को वार्षिक अधिवेशन आयोजित किया गया और इस वार्षिक अधिवेशन के दौरान ही सांवरमल लदोया को, जांगिड ब्राह्मण संस्थान गोल्याना लोहार्गल का दो वर्ष के लिए निर्विरोध, अध्यक्ष चुना गया और इसके साथ ही डुंडलोद के सुभाष चंद्र जांगिड को उपाध्यक्ष और बाबूलाल लदोया, पुरोहितों की ढाणी को मंत्री पद का दायित्व सौंपा गया है। इसी प्रकार कोषाध्यक्ष, गीगराज चिराना को बनाया गया है और शिवकुमार झाझड़ को हिसाब निरीक्षक बनाया गया है।

बैठक को सम्बोधित करते हुए नवनिर्वाचित अध्यक्ष सांवरमल लदोया ने कहा कि सभी ने मुझ में विश्वास व्यक्त किया है और सभी के द्वारा ही मिलजुल कर समाज उत्थान के लिए संयुक्त प्रयास किए जाएंगे और इसके साथ ही समाज में परिव्याप्त कुरितियों को समाप्त करने के साथ-साथ ही शिक्षा के प्रचार और प्रसार पर भी विशेष बल दिया जाएगा और इसी प्रकार से शादी विवाह में होने वाले अनावश्यक फिजूल खर्ची पर लगाम लगाने के लिए भी गंभीरता से विचार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जब तक समाज संगठित नहीं होगा, तब तक इसकी आशातीत प्रगति नहीं हो सकती है । उन्होंने कहा कि समाज ने, उनको जो दायित्व सौंपा है, उसका वह पूरी सत्य निष्ठा पूर्वक तरीके से पालन करते हुए लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास करेंगें।

इस वार्षिक अधिवेशन की विशेषता यह रही कि समाज की सत्य निष्ठा पूर्वक सेवा करने के लिए, इन सभी पदाधिकारियों को निर्विरोध रुप से निर्वाचित घोषित किया गया है। बैठक का श्रीगणेश भगवान विश्वकर्मा जी की आरती के साथ ही इस वार्षिक अधिवेशन की शुरुआत की गई और इसके पश्चात अधिकतर वक्ताओं ने शिक्षा के साथ-साथ ही, युवक युवतियों के विवाह में देरी के कारणों और इस समस्या के समाधान करने पर भी विचार विमर्श किया गया। इसके साथ ही एकता में बल है और इस मूल मंत्र को आत्मसात करते हुए ही, यह समाज आगे बढ़ सकता है और एकता ही संगठन की वास्तविक ताकत है। इस लिए सभी से संगठित रहने की अपील भी की गई। सभी ने संस्थान की पूर्व कार्यकारिणी को बेहतर कार्य करने के लिए धन्यवाद देते हुए नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं भी दी गई और समाज कल्याण के कार्यों में बढ़कर भाग लेने का अनुग्रह और आग्रह किया गया।

सांवरमल लदोया, अध्यक्ष जांगिड ब्राह्मण संस्थान

उद्योगपति बनवारी लाल खंडेलसर जिला सभा सीकर के निर्विरोध जिलाध्यक्ष बने

सीकर जिले के नवनिर्वाचित उद्योगपति और भामाशाह, विनम्रता और सौम्यता की प्रतिमूर्ति बनवारी लाल खंडेलकर ने, उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निवर्तमान जिला अध्यक्ष, हरि नारायण द्वारा समाज कल्याण के लिए जो भी कार्य शुरू किए गए हैं, उनको आगे बढ़ा जाएगा और जिला सभा को ऊंचाइयों पर ले जाने के साथ-साथ समाज को प्रगति के रास्ते पर तेजी से अग्रसर करने के भी हर सम्भव प्रयास किए जाएंगे, इसके साथ ही शिक्षा और राजनीति के क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने, आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों को शिक्षा से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि सीकर जिला सभा का चुनाव के लिए 2 अक्टूबर को फॉर्म भरने का दिन था और संयोगवश केवल एक ही फॉर्म बनवारी लाल का आया और जिस पर चुनाव अधिकारी ब्यावर के कमल किशोर गोठडीवाल और राजस्थान के मुख्य चुनाव अधिकारी बसंत कुमार जांगिड ने बनवारी लाल खंडेलकर के निर्विरोध रूप से जिला सीकर का अध्यक्ष चुनने की घोषणा की और उसके पश्चात उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

जिला अध्यक्ष बनवारी लाल ने वर्तमान जिला अध्यक्ष हरि नारायण को विश्वास दिलाया कि उनसे जितना भी संभव हो सकेगा, वह समाज को एकजुट करने के साथ-साथ इसे आगे बढ़ाने में भी पूरा सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि जो दायित्व और जिम्मेदारी समाज के लोगों ने उनके कंधों पर डाली है उसको इमानदारी और सत्य निष्ठा पूर्वक तरीके से पूरा करने का प्रयास करेंगे और लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे और जितना भी संभव हो सकेगा और समाज को प्रगति के पद पर अग्रसर करने के लिए सतत पर्यत्नशील रहेंगे और जितने भी कार्य पूर्व जिला अध्यक्ष द्वारा शुरू किए गए उन सभी को जारी रखा जाएगा। उन्होंने जिला अध्यक्ष बनने के बाद सभी समाज बंधुओं के साथ गोरियां में स्थित बालाजी मंदिर एवं भगवान विश्वकर्मा मंदिर की सबसे पहले धोक लगाकर उनका आशीर्वाद लिया। सभी आगुंतकों का आभार व्यक्त करते हुए और प्रसादी के बाद, कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इसके पश्चात एक सामाजिक मीटिंग का आयोजन हुआ जिसमें समाज के अनेक प्रबुद्ध वक्ताओं ने सीकर जिले में ज़िला सभा अध्यक्ष के पद के लिए निर्विरोध चुनाव प्रक्रिया पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए, आशा व्यक्त की है कि भविष्य में भी सीकर जिले में हर संस्था द्वारा सामाजिक सद्भाव बढ़ाने की एक अनूठी पहल होगी, जिससे सहज रूप से समाज आगे बढ़ेगा।

अंत में, निवर्तमान अध्यक्ष हरिनारायण जांगिड ने अपनी कार्यकारिणी के सभी सदस्यों और समाज बंधुओं का आभार व्यक्त किया और नवनियुक्त जिला अध्यक्ष बनवारी लाल को पूरा सहयोग का आश्वासन देते हुए, उसके सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं भी दी। वहां पर उपस्थित सैकड़ो समाज बंधुओ ने भी जिला अध्यक्ष को माला पहना करके बधाई दी और भरपूर सहयोग करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर समारोह की शोभा को द्विगुणित करने वालों में, महासभा के महामंत्री सांवरमल जांगिड, एक्सियन रामनिवास लदोया, खण्ड विकास अधिकारी, बद्री प्रसाद, जांगिड रत्न शंकर लाल लदोया, समाजसेवी गंगाधर गोडिया, रामकृपाल, नंदलाल खंडेला, खातीवास के चिरंजी लाल, चंद्र मोहन जांगिड, बाबूलाल एवं नौरंगलाल पालड़ी, विश्वनाथ पनलावा, लालचंद सबलपुरा, जगदीश, चौथमल झड़ाया, रामकरण, घनश्याम, सुनील धनेरवा, खाटू से केदार, ऋषि और राजेंद्र, गढ़टकनेत से रतन, रींगस से बाबूलाल, मक्खन कोटडी, कन्हैया लाल, बजरंग लाल, ओम दीनवां, सुनील पलसाना, सीताराम प्रहलाद मुंडवाड़ा शामिल हैं।

जिला सभा सीकर, मंत्री, राधेश्याम मांडण

राजस्थान फाउंडेशन और वीपीबीजी ग्रुप के सहयोग से दुबई से प्रवासी राजस्थानी का पार्थिव शरीर जयपुर भेजा गया

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः

दुबई में रहने वाले **राजू जांगीड़** पुत्र श्री कृष्णा राम जांगीड़, निवासी धावरा की ढाणी, उदयपुरवाटी, झुंझुनू (राजस्थान) का हाल ही में निधन हो गया।

राजू जांगीड़ कई वर्षों से दुबई में फर्नीचर का कारोबार कर रहे थे। कुछ दिनों पूर्व अचानक तबीयत बिगड़ने से वे रास्ते में गिर गए, जिन्हें राशिद अस्पताल, दुबई में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उनका 23 सितंबर को निधन हो गया।

परिवार से प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजू पिछले कुछ समय से अपने परिजनों से संपर्क में नहीं थे और व्यवसायिक नुकसान के कारण मानसिक रूप से परेशान थे। उनका वीजा और पासपोर्ट भी उनके पास नहीं था, जिससे स्थिति और जटिल हो गई थी।

घटना की जानकारी मिलने पर, राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर के अध्यक्ष **श्री अमरा राम जांगीड़** ने राजू जांगीड़ के परिजनों से संपर्क कर, आवश्यक कानूनी और प्रशासनिक कार्यवाही प्रारंभ की। इस प्रक्रिया में **वी पी बी जी ग्रुप (VPBG)** के सदस्यों – **श्रीमोहन जी भद्रेचा और श्री मनोहर जी कुलरिया** – ने सक्रिय सहयोग किया।

दोनों संगठनों के समन्वय और परिजनों की सहमति से सभी आवश्यक औपचारिकताएँ पूरी कर, राजू जांगीड़ का पार्थिव शरीर उनके गृह नगर राजस्थान भेजा गया।

इस पुनीत कार्य में **श्री लाला राम जी, मनोहर जी, सवाई जी, अर्जुन जी, सवाई जी (कुलरिया), पुखराज जी, सुरेंद्र जी, नरपत जी (रामसर), दलपत जी, मुकेश जी, टीकम जी, अजय जी, जसराज जी, भौम जी, पप्पू जी, जितेंद्र जी, पारस जी, चुतरा राम जी, नगारामजी, विनोदजी** सहित अनेक प्रवासी राजस्थानियोंने आर्थिक सहायता और व्यक्तिगत सहयोग प्रदान किया।

इसपूरी प्रक्रिया में **भारतीय दूतावास, दुबई** का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इंडिया जयपुर एयरपोर्ट से **वीके फर्नीचर दुबई के डायरेक्टर राधेश्याम जी व अरविंद जी** ने पार्थिव देह को घर तक पहुँचाया ! और परिवार को आर्थिक सहयोग किया !

राजस्थान फाउंडेशन की मदद से बाबूलाल कुमावत को दुबई से जयपुर भेजा गया

राजस्थान फाउंडेशन और वीबीपीजी ग्रुप के सहयोग से जोबनेर फुलेरा (जयपुर) निवासी बाबूलाल कुमावत को दुबई से उनके परिवार के पास जयपुर भेजा गया।

बाबूलाल कुमावत लंबे समय से दुबई में कार्यरत थे। हाल ही में उनकी पत्नी का स्वर्गवास हो गया, जिसके बाद उनके परिवार ने निवेदन किया कि उन्हें शीघ्र भारत भेजा जाए।

राजस्थान फाउंडेशन दुबई चैप्टर के अध्यक्ष अमरा राम जांगिड़ ने बताया कि बाबूलाल कुमावत का वीज़ा लगभग चार माह पहले समाप्त हो गया था। कंपनी ने नया वीजा लगाने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा था, वहीं उनकी चार माह की तनख्वाह भी बकाया थी। बाबूलाल पिछले 25 वर्षों से उसी कंपनी में कार्यरत थे।

परिवार की भावनाओं को देखते हुए राजस्थान फाउंडेशन और वीबीपीजी ग्रुप ने मिलकर प्रयास किया। कंपनी से उनका पुराना वीजा कैंसिल करवाया गया, ओवरस्टे की स्थिति में आउटपास जारी करवाया गया, और उन्हें इस दुःख की घड़ी में उनके परिवार के पास भेजा गया।

दुबई में उनके परिवार से कोई भी मौजूद नहीं था। ऐसे में राजस्थान फाउंडेशन प्रवासी राजस्थानियों के लिए एक सच्चे परिवार की तरह साथ खड़ा रहा।

ॐ शांतिः शांतिः शांतिः

सहृदयता और मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण दुबई में समाज के मुख्य सेवक बनकर मुसीबत में पड़े हुए परिवारों की सहायता का संकल्प धारण करने वाले सहृदयता और मानवीय मूल्यों की रक्षा करने वाले, राजस्थान फाउंडेशन के दुबई चैप्टर के अध्यक्ष अमरा जांगिड के सराहनीय कार्य की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए, महासभा के प्रधान रामपाल शर्मा और पूर्व प्रधान कैलाश बरनेला ने आशा व्यक्त की है कि वह भविष्य में भी इसी प्रकार से मुसीबत में फंसे लोगों की सेवा नि:स्वार्थ भाव से करते रहेंगे।

महासभा के पूर्व प्रधान, कैलाश बरनेला

शोक संदेश

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि श्री लीलू राम शर्मा (महासभा के प्लेटिनम सदस्य एवं उच्चस्तरीय कमेटी के सदस्य), सुन्दर लाल शर्मा एवं बलराज शर्मा सुपुत्र स्वर्गीय श्री नत्थू राम शर्मा की पूज्यनीय माताजी **श्रीमती ब्रह्मों देवी**, का स्वर्गवास दिनांक 17.09.2025 को हो गया है।

श्रीमती ब्रह्मों देवी एक सरल स्वभाव मिलनसार, हंसमुख एवं धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी। आप अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़कर गई है। परिवारजनों, सगे संबंधियों व उपस्थित समाज बंधुओं ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत पुण्यात्मा को श्रद्धाजंलि अर्पित की।

हम सभी महासभा की ओर से परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि **स्वर्गीय श्रीमति ब्रह्मों देवी** की पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान दे और शोकाकुल परिवार को इस दारुण दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। हम सभी आपके समस्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करते हुए दिवंगत पुण्यात्मा के श्रीचरणों में श्रद्धासुमन और भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित करते हैं।

।।ॐ शांति, शांति, शांति।।

महामंत्री, महासभा

अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे प्रिय पूर्व प्रदेशाध्यक्ष (उ.प्र.) **श्री अभिनन्दन कुमार जांगिड** शामली का दिनांक 28 सितम्बर 2025 रविवार को अचानक स्वर्गवास हो गया है ।

श्री अभिनन्दन कुमार जांगिड जी एक सरल स्वभाव, मिलनसार व हँसमुख प्रवृत्ति के व्यक्ति थे, जिनकी परमार्थ सेवा भावना एवं बेबाक व्यक्तित्व को हमेशा याद किया जाता रहेगा। उन्होंने अपने पैतृक व्यवसाय को आगे बढ़ाते हुए शामली में एक महत्वपूर्ण व गौरवशाली उद्यम स्थापित किया। जिसमें लकड़ी के चौखट-दरवाज़ों के निर्माण हेतु स्थापित तीन प्रतिष्ठानों को उनके सुपुत्र भली भांति संचालित कर रहे है । आपके पूज्य पिताश्री स्वर्गीय श्री मंशाराम जांगिड भी महासभा के अत्यधिक प्रभावित व्यक्तियों मे याद किये जाते रहे है। उन्होंने भी महासभा के अंतर्गत जिला सभा व उ.प्र. के अनेक पदों को सुशोभित किया है । श्री अभिनन्दन कुमार जांगिड अपने पीछे तीन सुपुत्र व एक सुपुत्री का भरा पूरा परिवार छोड़ कर गये है जिनमे पुत्रों में श्री राजेश, श्री कैलाश व श्री संजीव व पुत्री श्रीमति प्रीति शर्मा है। सभी कुशलता से अपने माता पिता के बताये रास्तों व अनुभवो से जीवन यापन करते हुए समाज मे उनके नाम को गौरवान्वित करते हुऐ कार्य कर रहे है। हम अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा, दिल्ली की ओर से परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वह दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में उचित स्थान दें और शोकाकुल परिवार को इस दारुण दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ।

।।ॐ शांति, शांति, शांति।।

हरपाल शर्मा जांगिड, यशपाल एस जांगिड, नरेंद्र कुमार सुराना, उपप्रधान, महासभा।

ब्यावर में 7 अक्टूबर को महिला प्रकोष्ठ राजस्थान द्वारा आयोजित किए गए महिला सशक्तिकरण सम्मेलन, कैमरे की एक नजर में

BHARAT WHEEL

Manufacturer of Rims for Tractor,
Motor Vehicle, Earthmoving Machine.

Our valued customers

VECTRA MANITOU GROUP JCB ESCORTS

Bharat Wheel Private Limited
Muzaffarnagar Road, Shamli - 247776, UP, India
Email : info@bharatwheel.com
www.bharatwheel.com

SHARMA
Group of companies

25 YEARS OF DRIVEN EXCELLENCE
SHARMA HYUNDAI
SINCE 1998

LATE SHREE
KANHAIYALAL SHARMA
(CHOYAL)

HYUNDAI

AUTHORISED HYUNDAI DEALER
SHARMA HYUNDAI
Since 1998

Ashram Road
Call : 9099978327

Satellite
Call : 9099978334

Parimal Garden
Call : 9099978328

Naroda
Call : 9099938777

TOYOTA

Authorised Toyota Dealer : **NARMADA TOYOTA**
VADODARA : 9099916601 I ANAND : 9099916631/32

MG
MORRIS GARAGES
Since 1924

Authorised MG Dealer :
Kayakalp Cars Pvt. Ltd.
Zorba Complex, Akshar chowk, OP Road, Vadodara.
Ph : 6358800230/31

Posted at:L.P.C. DELHI
R.M.S., Delhi-06

Registered With The Registrar of News Papers For INDIA, Under Regd. No. 25512/72

D.L.(DG-11)/8009/2024-26
Posted Under Licence No. U(DN)39/2024-26 of Post without prepayment of postage

Mahindra Rise

महिन्द्रा का अधिकृत शोरूम एवं वर्कशॉप

भागीरथ मोटर्स (इं) प्रा.लि.

पर्सनल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154144, 9109154152
कमर्शियल वाहनों के लिए सम्पर्क करें मो. 9109154153

शोरूम : सर्वे नं. 379/2,ग्राम-डाबला, रेवाड़ी, आगरा रोड, आर.डी. गार्डी कॉलेज के पास, उज्जैन (म.प्र.)

Bhagirth & Brothers

Bus & Truck Body Manufacture Since 1960

Organization :

Audi Automobiles, Pithampur
Bhagirath Coach & Metal Fabricators Pvt. Ltd., Pithampur
B & B Body Builders, A.B. Road, Indore
Rohan Coach Builders, 29Nehru park, Indore

Adm. Office
29, Nehru Park Road, Indore-1(M.P.)
Phone : 0731-2431921, Fax" 0731-2538841

Works:
Plot No. 199-b, Sector-1
Pithampur Dist. Dhar (M.P.) 454775
Phone : 07292-426150 to 70

Website : www.bhagirathbrothers.com

सेवा में

Posting Date: 22-27 Each Month
Publication Date: 15 October 2025
Weight: 100 gms. Cost: Rs. 240 Yearly

प्रेषक
अखिल भारतीय जांगिड ब्राह्मण महासभा
440, हवेली हैदर कुली,
चाँदनी चौक, दिल्ली-110006

Printed, Published by Sh. J.P. Sharma, K-29, Ward-1, Desu Road, Mehrauli, New Delhi-30, on behalf of (Owner) Akhil Bhartiya Jangid Brahmin Mahasabha, 440, Haveli Haider Quli, Chandni Chowk, Delhi-06, Printed at M/s. Kamal Printers, Anand Parbat, N.D.-05, Ph.:9810622239, Published at Delhi, Editor Sh. Ram Bhagat Sharma, 1741 Sector - 23 B Chandigarh (UT)